सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

गुरुवार, 06 अगस्त , 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 30, पेज 12, 3.50 रुपये
www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 152 अंकों की उछाल

नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किए जाने के बाद उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्र में बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 152 अंक चढ़कर बंद हुआ। } 10

असम में बाढ़ से भारी नुकसान : जेपी नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने कहा कि मोन जिले से बहकर आने वाली नदी ने एक के बाद एक कई गांवों को तबाह कर दिया है। इससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। } 12

आरबीआई ने रेपो में नहीं किया बदलाव

आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा नीतिगण रुख पर अगला फैसला

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच बुधवार को उम्मीद के अनुरूप प्रमुख नीतिगत दर रेपो को इस साल लगातार चौथी बार 5.25 प्रतिशत पर कायम रखने के साथ तटस्थ रुख को भी बरकरार रखा।

इसके साथ ही आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक का ब्याज दरों और मौद्रिक नीति के रुख पर अगला फैसला आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। आरबीआई आर्थिक परिदृश्य को लेकर सतर्क भी है। दक्षिण-पश्चिम मानसून, अल नीनो की स्थिति, वैश्विक घटनाक्रम और वैश्विक व्यापार नीतियों से जुड़े जोखिमों के कारण आर्थिक परिदृश्य अनिश्चित बना हुआ है। मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि केंद्रीय बैंक का मुख्य लक्ष्य मध्यम अवधि में खुदरा महंगाई को चार प्रतिशत के निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लाना है। आरबीआई गवर्नर की अध्यक्षता वाली छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने आम सहमति से नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने का फैसला किया। इसके साथ ही आरबीआई ने ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा की बढ़ी लागत के साथ भविष्य में महंगाई के रुख को लेकर अधिक स्पष्टता को लेकर इंतजार करने का विकल्प चुना। इसके साथ आरबीआई ने अपने तटस्थ रुख को भी बरकरार रखा जिसका मतलब है कि केंद्रीय बैंक आर्थिक स्थिति के हिसाब से नीतिगत दर में समायोजन को लेकर लचीला बना रहेगा। चुनौतीपूर्ण स्थिति के बावजूद आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि के अनुमान को 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.7 प्रतिशत कर दिया है। वहीं मुद्रास्फीति के ...शेष पृष्ठ 10 पर

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे के टोल पर रोक

परियोजना निष्पादन व पर्यवेक्षण में लापरवाही को लेकर निर्माता कंपनी, इंजीनियर व कई अफसरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू

विशेष संवाददाता

- वर्तमान व पूर्व परियोजना निदेशक पर एनएचएआई की बड़ी कार्रवाई
- दोनों पर चार्जशीट की तैयारी, वर्तमान परियोजना निदेशक को मूल विभाग वापस भेजा गया
- मरम्मत होने तक कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली बंद, नुकसान की भरपाई रियायतग्राही से होगी
- निर्माण कंपनी पीएनसी इंफ्राटेक को नॉन-परफॉर्मर नोटिस, तीन करोड़ से होगी मरम्मत

लखनऊ। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किमी-64 के पास स्लिपेज के मामले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सख्त कार्रवाई की है। परियोजना की निगरानी में लापरवाही को लेकर वर्तमान परियोजना निदेशक नकुल प्रकाश वर्मा को मूल विभाग में वापस भेज दिया गया है, जबकि पूर्व परियोजना निदेशक सौरभ चौरसिया और वर्तमान परियोजना निदेशक नकुल वर्मा के खिलाफ आरोप-पत्र जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मामले की तकनीकी जांच के लिए आईआईटी खड़गपुर के प्रो. केएस रेड्डी के नेतृत्व में विशेषज्ञ टीम गठित की गई है। साथ ही सुधार कार्य पूरा होने तक एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है। फिलहाल एक्सप्रेसवे पर 120 किमी प्रति घंटे की निर्धारित स्पीड लिमिट में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

एनएचएआई के क्षेत्राधिकारी व मुख्य महाप्रबंधक गौतम विशाल चरण पहारी ने बताया कि 26 जुलाई को कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर किमी-64 के निकट सड़क की सतह में स्लिपेज देखा गया था। सूचना मिलते ही बहाली कार्य ...शेष पृष्ठ 10 पर

तीन अधिकारियों पर लगी दो साल की रोक

निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर विवेक कुमार गुप्ता, स्वतंत्र अभियंता के टीम लीडर सुरेंद्र कुमार और रेजिडेंट इंजीनियर यतेंद्र कुमार को परियोजना से हटा दिया गया है। तीनों पर दो वर्ष तक मोर्थ, एनएचएआई और एनएचआईडीसीएल की किसी परियोजना में भाग लेने पर रोक लगाई गई है। स्वतंत्र अभियंता मेसर्स थीम इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को भी भविष्य ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

उच्च न्यायालय ने चैम्बर खाली करने के लिए 10 दिन का दिया समय

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कैसरबाग स्थित सिविल कोर्ट परिसर के आसपास अवैध अतिक्रमण हटाने के मामले में अपना रुख और सख्त कर दिया है। कोर्ट ने बचे हुए 72 चैम्बरों व दुकानों के कब्जेदारों को अंतिम अवसर देते हुए कहा है कि वे स्वेच्छा से अवैध कब्जा खाली कर दें अथवा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपने कब्जे के वैध होने का साक्ष्य प्रस्तुत करें। ऐसा नहीं करने पर संबंधित चैम्बरों व दुकानों को ध्वस्त कर दिया जाएगा। कोर्ट के आदेष पर पहले ही 100 चैम्बर ध्वस्त किये जा चुके हैं। यह आदेश न्यायमूर्ति राजेश सिंह चैहान व न्यायमूर्ति राजीव भारती की पीठ ने अनुराधा सिंह व अन्य के नाम से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। कोर्ट ने कहा कि यद्यपि कब्जेदारों को यह भली-भांति पता है कि उनके कब्जे अवैध व अनधिकृत हैं और उन्हें हटाया जाना है, फिर भी न्यायहित में उन्हें एक और अवसर दिया जा रहा है। कोर्ट ने नगर निगम, लखनऊ को निर्देश दिया है कि एक सप्ताह के भीतर सभी 72 अतिक्रमणकारियों को दोबारा नोटिस तामील कराया जाए।

नाबालिग की गला रेतकर हत्या

लखनऊ। नरपत खेड़ा गांव में एक नाबालिग युवती की गला रेतकर हत्या किए जाने की दर्दनाक घटना सामने आई है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई और ग्रामीणों में भय व आक्रोश का माहौल है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के साथ ही आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में हत्या के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

सपा का चरित्र अलोकतांत्रिक व शर्मनाक

समाजवादी पार्टी ने सदन को नहीं, बल्कि दलितों-पिछड़ों, युवाओं, किसानों, महिलाओं व गरीबों के अवसर किये बाधित

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान सपा का असली चेहरा एक बार फिर देखने को मिला। सपा सदस्यों द्वारा विधानसभा सत्र को हंगामे के हवाले करना प्रदेश के युवाओं, किसानों, महिलाओं व गरीबों के साथ भारी अन्याय है। इन लोगों ने नकारात्मक रवैये के कारण अनुपूरक बजट की जन-कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा नहीं होने दी। सपा ने इस सदन को नहीं, बल्कि दलितों-पिछड़ों, युवाओं, किसानों, महिलाओं व गरीबों के अवसर बाधित करने का काम किया है। मुख्यमंत्री बुधवार को विपक्ष के भारी हंगामे के बाद उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के उपरांत विधान भवन में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि सपा का असली चरित्र दलित, पिछड़ा, युवा, गरीब, किसान, महिला विरोधी है। सदन ने उसके इसी चेहरे को बेनकाब किया है। इन लोगों का चरित्र अलोकतांत्रिक, असंवैधानिक, शर्मनाक व इन सभी तबकों के साथ अनर्थ करने वाला रहा है। सदन में सपा के इस व्यवहार की हम निंदा करते हैं और प्रदेशवासियों को आश्वस्त करते हैं कि डबल इंजन सरकार ने पिछले सवा 9 वर्षों में जिस प्रतिबद्धता के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के हितों के लिए कार्य किया है, वह बिना रुके, डिगे, थके आगे बढ़ता रहेगा। सीएम ने कहा कि सरकार की मंशा यही रही कि मानसून सत्र में युवाओं के रोजगार, स्किलिंग कार्यक्रम बढ़ें। किसानों, गरीबों के कल्याण के लिए नए कार्यक्रम और महिलाओं के सम्मान-स्वावलंबन के लिए अतिरिक्त प्रयास आगे बढ़ें। इसीलिए सरकार 59 हजार करोड़ से अधिक का अनुपूरक बजट लेकर आई और कई जन-कल्याणकारी योजनाओं व कार्यक्रमों के लिए धनराशि की व्यवस्था की। सरकार चाहती थी कि नई योजनाओं को घोषित करने के लिए विधानसभा सदन में सार्थक चर्चा हो। मुख्यमंत्री ने दो-टूक कहा कि समाजवादी पार्टी ने अपने नकारात्मक रवैये के कारण युवाओं, अन्नदाता किसानों, महिलाओं के स्वावलंबन व गरीबों के लिए बनने वाली कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा नहीं होने दी। इनका आचरण असंवैधानिक होने के साथ ही युवा, किसान, महिला व गरीब विरोधी भी है। जन प्रतिनिधियों ने नई मांगों के साथ ही प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर को और मजबूत ...शेष पृष्ठ 10 पर

बिना चर्चा पारित हुआ 59 हजार करोड़ का अनुपूरक बजट

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव के चलते तीन दिनों में ही हंगामे की भेंट चढ़ गया। सदन में किसी भी महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकी। बुधवार को समाजवादी पार्टी के सदस्यों के भारी हंगामे और नारेबाजी के बीच सरकार का 59,019.54 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट ध्वनिमत से बिना चर्चा के पारित कर दिया गया।

सरकार ने सदन में संभल हिंसा प्रकरण से जुड़ी न्यायिक जांच आयोग की रिपोर्ट और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट भी रखी, लेकिन विपक्ष के विरोध के कारण इन पर चर्चा नहीं हो सकी। लगातार हंगामे के चलते विधानसभा की कार्यवाही निर्धारित समय से एक दिन पहले ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू ...शेष पृष्ठ 10 पर

अलीगंज के 51 अवैध निर्माणों पर कसेगा शिकंजा

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने अलीगंज क्षेत्र में आवासीय भूखंडों पर बने अवैध व्यावसायिक निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। एलडीए ने संबंधित मामलों की फाइलें निकलवा ली हैं और विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली है। जिन निर्माणों पर किसी सक्षम न्यायालय का स्थगन आदेश (स्टे) नहीं है, उनके खिलाफ सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने लोकनाथन बनाम तमिलनाडु राज्य सरकार मामले की सुनवाई के दौरान लखनऊ सहित देश के अन्य महानगरों में अवैध निर्माणों के मामलों पर संबंधित विभागों से जवाब तलब किया था। सुनवाई के दौरान 22 जून 2026 को अलीगंज सेक्टर-डी स्थित आवासीय भूखंड पर बने अवैध व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में हुई आग की घटना पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाया था। एलडीए ने न्यायालय को अपनी रिपोर्ट में बताया कि अलीगंज क्षेत्र में आवासीय भू-उपयोग के विपरीत बने 51 व्यावसायिक निर्माण चिन्हित किए गए हैं।

370 हटने के बाद घाटी में व्यापक बदलाव : मोदी

शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता व खेल क्षेत्र में बढ़े अवसर

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के बाद से जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के जीवन में बड़े बदलाव आए हैं, वहां बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और खेल के क्षेत्रों में अवसरों में वृद्धि हुई है। अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के सात वर्ष पूरे होने पर मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा वह यह सुनिश्चित करने के लिए भी कटिबद्ध है कि हर नागरिक को बड़े सपने देखने, उन्हें हासिल करने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का मौका मिले।

उन्होंने कहा कि इन दो केंद्र शासित प्रदेशों में बुनियादी ढांचे का विस्तार हुआ है तथा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और खेल जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़े हैं। मोदी ने कहा कि चाहे महिलाएं हों या हाशिए पर रहने वाले समुदाय, जिन्हें दशकों तक उनके बुनियादी संवैधानिक अधिकारों से वंचित रखा गया था, वे भारत के संविधान के पूरी तरह से लागू होने की वजह से सशक्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, सात साल पहले, इसी दिन अनुच्छेद 370 और 35(ए) इतिहास बन गए, जिससे जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की यात्रा में एक निर्णायक नये अध्याय का आरंभ ...शेष पृष्ठ 10 पर

हाथरस में साढ़े पांच टन से अधिक सिक्के जब्त

हाथरस। हाथरस जिले में कॉपी-किताब के एक व्यापारी की दुकान और घर से 5.6 टन से अधिक सिक्के जब्त किये गये हैं। मामले की जांच के लिये पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गयी है। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने मंगलवार को बताया कि व्यापारी के खिलाफ सिक्का-निर्माण अधिनियम 2011 के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है और वह अब भी फ़रार है।

उन्होंने बताया कि यह पुलिस कार्वाई जिला प्रशासन द्वारा गत एक अगस्त को नवीन कुमार की नयागंज स्थित दुकान और हनुमान गली में पास ही स्थित उसके घर पर की गई छापेमारी के बाद हुई है। सिन्हा ने बताया कि प्रशासन को सूचना मिली थी कि कुमार की दुकान और मकान में बड़ी मात्रा में सिक्के जमा किए गए हैं। उन्होंने बताया कि दोनों ही ...शेष पृष्ठ 10 पर

पीएम आवास योजना की सुस्त चाल पर धामी सख्त

6,464 आवास तैयार, लाभार्थियों को कब्जा देने की प्रक्रिया तेज

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत निमार्णाधीन आवासीय परियोजनाओं को लेकर राज्य सरकार ने अब समयसीमा और निगरानी दोनों को सख्त कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लंबित परियोजनाओं को तेजी से पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। आवास विभाग को 30 सितंबर 2026 तक शेष निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य दिया गया है। मुख्यमंत्री के निदेर्शों के क्रम में सचिवालय में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में योजना की प्रगति का परियोजनावार आकलन किया गया। सचिव आवास डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्माण एजेंसियों और विकासकों से उनके-अपने प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति, कार्य की रफ्तार और निर्माण में आ रही दिक्कतों की जानकारी ली गई। तैयार आवासों के आवंटन और लाभार्थियों को कब्जा देने की प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। सचिव आवास ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य सिर्फ आवासीय भवन खड़े करना नहीं, बल्कि उन परिवारों को स्थायी आश्रय उपलब्ध कराना है, जिनके लिए अपना घर एक बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि निर्माण पूरा होने में देरी का सीधा प्रभाव पात्र लाभार्थियों पर पड़ता है। इसलिए सभी लंबित परियोजनाओं में उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए कार्यों की रफ्तार बढ़ाई जाए। उन्होंने निर्माण एजेंसियों और विकासकों को स्पष्ट किया कि समयसीमा का पालन करते हुए निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। तकनीकी मानकों, निर्धारित गुणवत्ता और पारदर्शिता का पालन अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी परियोजना में ...शेष पृष्ठ 10 पर

आज का मौसम

अधिकतम	:	36.06 डिसे.
न्यूनतम	:	26.04 डिसे.

भीतर पढ़ें

- पीडीए में पीड़ित पंडित का शार्ट फार्म है : अखिलेश (पृष्ठ-02)
- 4 माह में आबकारी राजस्व 20,862 करोड़ (पृष्ठ-02)
- सेवा क्षेत्र की वृद्धि साढ़े चार साल के निचले स्तर पर (पृष्ठ-10)
- ब्याज दरों में स्थिरता से बढ़ेगा कारोबारी भरोसा (पृष्ठ-10)
- एमडीआर पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी (पृष्ठ-10)

विशेष खबर 85.19 प्रतिशत लक्ष्य पूरा, 2.45 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण, गाजियाबाद व रामपुर ने हासिल किया 100 प्रतिशत लक्ष्य

किसान रजिस्ट्री में यूपी की बड़ी छलांग, टॉप-10 में पहुंचा प्रदेश

विशेष संवाददाता

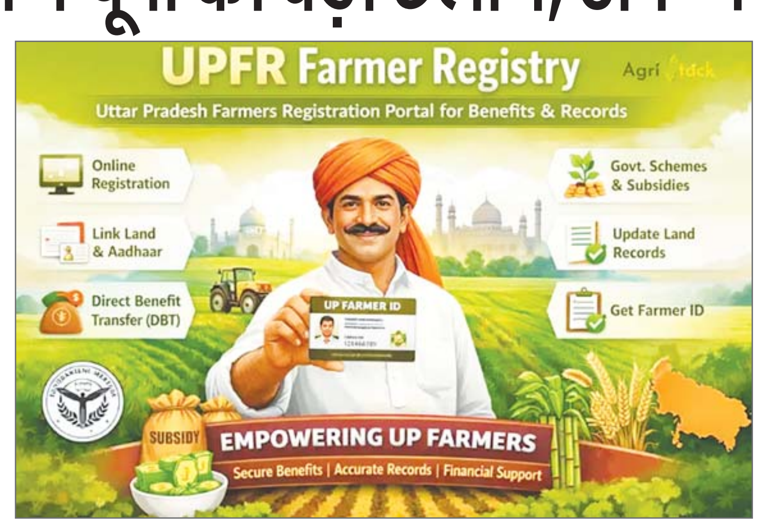

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में किसान रजिस्ट्री अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाए जा रहे इस अभियान में प्रदेश ने राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए टॉप-10 राज्यों में स्थान बना लिया है। उत्तर प्रदेश ने भारत सरकार की ओर से निर्धारित लक्ष्य का 85.19 प्रतिशत पूरा कर लिया है और अब राष्ट्रीय रैंकिंग में नौवें स्थान के करीब पहुंच गया है।

शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए अभियान को और गति दी जा रही है। भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश के लिए 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके सापेक्ष अब तक 2,45,94,831 किसानों का सफलतापूर्वक पंजीकरण किया जा चुका है। इस प्रकार प्रदेश ने कुल लक्ष्य का 85.19 प्रतिशत पूरा कर लिया है। वर्तमान में 42,75,664 किसानों का पंजीकरण शेष है, जिसे जल्द पूरा करने के लिए सभी जिलों में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार यदि किसान रजिस्ट्री अभियान को 29 अगस्त 2026 तक पूरा करना है तो प्रतिदिन लगभग 1,42,522 किसानों का पंजीकरण करना होगा। वहीं 29 सितंबर 2026 तक लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रतिदिन 71,261 तथा 29 अक्टूबर 2026 तक अभियान पूरा करने के लिए प्रतिदिन 47,507 किसानों का पंजीकरण आवश्यक होगा। इसी को ध्यान में रखते हुए जिलों में विशेष शिविरों, राजस्व एवं कृषि विभाग के समन्वय तथा डिजिटल माध्यमों से पंजीकरण की प्रक्रिया तेज की जा रही है। किसान रजिस्ट्री अभियान में गाजियाबाद और रामपुर ने भारत सरकार से नर्धारित लक्ष्य का 100 प्रतिशत पंजीकरण पूरा कर प्रदेश के अन्य जिलों के लिए मिसाल पेश की है। वहीं अंश निर्धारण के कार्य में झांसी और हरदोई ने उत्कृष्ट प्रदर्शन ...शेष पृष्ठ 10 पर

जमीन विवाद में कब्जा दिलाने या हटाने का पुलिस को अधिकार नहीं : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता

- उच्च न्यायालय ने निजी जमीन के विवादों में पुलिस को दूर ही रहने का दिया आदेश

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने निजी जमीन और संपत्ति के विवाद में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका को लेकर अहम फैसला करते हुए कहा है कि निजी पक्षों के बीच जमीन के स्वामित्व, कब्जे या सीमा को लेकर विवाद होने पर पुलिस और कार्यकारी अधिकारी उसका फैसला नहीं कर सकते। वे किसी एक पक्ष को कब्जा दिलाने अथवा दूसरे पक्ष को कब्जे से हटाने की कार्रवाई भी नहीं कर सकते। ऐसे विवादों का फैसला सक्षम सिविल कोर्ट ही कर सकता है। पीठ ने कहा कि पुलिस की भूमिका केवल शांति-व्यवस्था बनाए रखने और कानून-व्यवस्था बिगड़ने से रोकने तक सीमित है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चैधरी की पीठ ने यह आदेश थाना आलमबाग निवासी 85 वर्षीय इंद्रपति व एक अन्य की ओर से दाखिल रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया है। याची की ओर से मांग की गयी कि संबंधित अधिकारी उनकी जमीन पर शांतिपूर्ण कब्जे में हस्तक्षेप न करें और किसी सक्षम न्यायालय के अंतरिम आदेश के बिना उन्हें परेशान ...शेष पृष्ठ 10 पर

C M Y K

अनुपूरक बजट विधान परिषद में पास

कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, मानसून सत्र में संसदीय परंपराओं का सम्मान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री एवं विधान परिषद में नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने विधान परिषद के मानसून सत्र-2026 के समापन अवसर पर कहा कि पूरे सत्र के दौरान संसदीय लोकतंत्र की गौरवशाली परंपराओं का सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का अनुपूरक बजट सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक वातावरण में पारित होना सदन की रचनात्मक कार्यशैली का परिचायक है।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि समाजवादी पार्टी एक ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसने कभी भी लोकतांत्रिक परंपराओं या व्यवस्थाओं का सम्मान नहीं किया। कल विधानसभा के अंदर पार्टी ने जिस तरह का व्यवहार किया, उसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। सपा के सदस्यों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बोलने का अवसर तक नहीं दिया। इससे पता चलता है कि उनका मकसद सिर्फ सदन का समय बर्बाद करना है। उन्हें राज्य की जनता की कोई परवाह नहीं है। जो लोग बाबर या बाबरी मस्जिद का समर्थन करते हैं, उन्हें श्री राम जन्मभूमि से जुड़े मामलों पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। चाहे वह चढ़ावे, दान या मंदिर के निर्माण से जुड़ा मामला हो।

समाजवादी पार्टी को 2027 में भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और उसका पूरी तरह से खत्म होना तय है। उप मुख्यमंत्री ने विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेन्द्र सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने सदन की कार्यवाही का निष्पक्ष, गरिमापूर्ण और कुशल संचालन किया। अपने व्यापक संसदीय अनुभव और नेतृत्व के बल पर उन्होंने सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन बनाए रखते हुए सभी सदस्यों को अपनी बात रखने का पूरा अवसर दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने अपना दल (एस), निषाद पार्टी, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल, निर्दलीय समूह तथा शिक्षक दल सहित सभी राजनीतिक दलों के नेताओं और सदस्यों का भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि सभी ने संसदीय मर्यादा और लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए सदन की गरिमा बनाए रखी। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त भारत के इतिहास का एक गौरवपूर्ण दिन है। इसी दिन वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35-ए के प्रावधानों को समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर आज विकास, शांति, समृद्धि और राष्ट्रीय एकात्मता की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा वहां भी पूरे सम्मान के साथ तिरंगा लहरा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 अगस्त 2020 को अयोध्या में भगवान श्रीरामलला के जन्मस्थान पर भव्य श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन और शिलान्यास का ऐतिहासिक कार्यक्रम संपन्न हुआ था। इस अवसर पर उन्होंने देश और प्रदेश के सभी रामभक्तों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आगामी 15 अगस्त को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और राष्ट्र की एकता, अखंडता तथा संप्रभुता के प्रति अपने संकल्प को और मजबूत करने का है।

सपा विधायकों का विभिन्न समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विधानमंडल मानसून सत्र के तीसरे दिन बुधवार को भी राम मंदिर में चढ़ावा चोरी, राम धन की लूट, किसानों की समस्याओं, खाद की किल्लत, ध्वस्त कानून व्यवस्था, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, पेपर लीक की घटनाओं को लेकर विधानसभा परिसर स्थित पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा के पास भाजपा सरकार के खिलाफ धरना देकर प्रदर्शन किया। सपा सभी विधायकों ने लाल टोपी लगाकर, हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर भाजपा सरकार विरोधी नारे लगाये। विधायकों ने कहा कि भाजपा सरकार तानाशाही पर उतारू है। भाजपा सरकार में हर जगह, भ्रष्टाचार और लूट है।

मातृ वंदना योजना में यूपी ने बनाया नया रिकॉर्ड, लक्ष्य से अधिक पंजीकरण

31 जुलाई तक 3.97 लाख के लक्ष्य के मुकाबले 4.06 लाख महिलाओं का पंजीकरण

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (ढटटश) के प्रभावी क्रियान्वयन में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में 31 जुलाई तक प्रदेश ने निर्धारित लक्ष्य का 102.13 प्रतिशत हासिल करते हुए देश के अग्रणी राज्यों में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

प्रदेश सरकार ने 3,97,567 गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया था, जबकि आंगनबाड़ी कार्यकताओं, आशा बहुओं और विभागीय अधिकारियों के समन्वित

- **86.55 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता सीधे खातों में भेजी गई**

प्रयासों से 4,06,058 महिलाओं का पंजीकरण किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग की मिशन मोड में कार्यशैली, मजबूत आंगनबाड़ी नेटवर्क और डिजिटल मॉनिटरिंग के चलते योजना का लाभ तेजी से पात्र महिलाओं तक पहुंच रहा है। योजना के प्रभावी संचालन के लिए गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक विशेष अभियान चलाकर पात्र महिलाओं की पहचान और पंजीकरण सुनिश्चित किया गया। जिला एवं राज्य स्तर पर नियमित समीक्षा, ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से निगरानी और समयबद्ध कार्रवाई के कारण सभी जिलों में लक्ष्य से अधिक उपलब्धि दर्ज की गई। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 2,61,369 किस्तों के माध्यम से 86 करोड़ 55 लाख 62 हजार रुपये से अधिक की राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जा चुकी है। योजना के तहत पहली संतान पर दो चरणों में 5,000 रुपये तथा दूसरी संतान यदि बालिका हो तो 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है। योजना की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित की जा रही है। आवेदन, सत्यापन, स्वीकृति और भुगतान डिजिटल माध्यम से किए जा रहे हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) का उपयोग किया जा रहा है, जिससे लाभार्थी की पहचान आधार से मिलान के बाद ही भुगतान किया जाता है। डिजिटल मॉनिटरिंग के माध्यम से प्रत्येक आवेदन की नियमित निगरानी की जा रही है, जिससे पात्र महिलाओं तक समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ पहुंच रहा है।

अवैध शराब पर सख्ती का असर, चार महीने में आबकारी राजस्व 20,862 करोड़ के पार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का आबकारी विभाग राजस्व संग्रह और अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई, दोनों मोर्चों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में विभाग ने 20,862.42 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2,279.23 करोड़ रुपये यानी 12.27 प्रतिशत अधिक है। अकेले जुलाई महीने में विभाग ने 5,052.86 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष के जुलाई की तुलना में 16.04 प्रतिशत अधिक रहा। आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों, प्रभावी निगरानी और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के कारण विभाग लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग के लिए 71,278 करोड़ रुपये का

- **चार माह में आबकारी राजस्व ने रचा इतिहास, 20,862 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड संग्रह**
- **जुलाई में 16.04% की रिकॉर्ड बढ़ोतरी, आबकारी विभाग ने बनाया नया कीर्तिमान**

राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे हासिल करने के लिए विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना भी है। आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि राजस्व वृद्धि के साथ-साथ अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर भी सख्त कार्रवाई जारी है। अप्रैल से जून 2026 के दौरान 29,294 अभियोग दर्ज कर अवैध मदिरा एवं मादक पदार्थ बरामद किए गए। इस दौरान 4,673 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 819 आरोपियों को जेल भेजा गया तथा तस्करी में प्रयुक्त 30 वाहन जब्त किए गए। जुलाई में भी 9,769 अभियोग दर्ज कर 1,704 लोगों की गिरफ्तारी कर 271 को जेल भेजा गया।

38.8 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ यूपी अव्वल

दुग्धशाला विकास विभाग की स्वर्ण जयंती वर्ष पर डेयरी कॉन्क्लेव

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को सभी 75 जनपदों में डेयरी कॉन्क्लेव-2026 आयोजित किया गया। दुग्धशाला विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में यह कार्यक्रम हुआ। दुग्ध आयुक्त धनलक्ष्मी के. ने बताया कि वर्ष 2024-25 में भारत लगभग 248 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, जिसमें उत्तर प्रदेश लगभग 38.8 मिलियन मीट्रिक टन दुग्ध उत्पादन एवं लगभग 16 प्रतिशत योगदान के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण, रोजगार सृजन एवं किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है।

उन्होंने बताया कि नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से कुल 17,994 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है तथा 4,951 प्रारम्भिक दुग्ध सहकारी समितियों के गठन से प्रत्यक्ष एवं

- **दुग्ध उत्पादन में 16 प्रतिशत योगदान के साथ देश में प्रथम स्थान पर उत्तर प्रदेश**

अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2.25 लाख रोजगार सृजित हुए हैं। इस कार्यक्रम में पूरे प्रदेश में 2100 नव चयनित मुख्यमंत्री स्वदेशी गो-सवर्धन योजना, 1500 से अधिक मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना तथा 450 से अधिक नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किए गये हैं। साथ ही डेयरी क्षेत्र में 28,000 करोड़ रुपये से अधिक के 829 एमओयू किए गए हैं। उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति-2022 के अंतर्गत 39 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध प्रसंस्करण एवं अवशीतन क्षमता में वृद्धि हुई है तथा लगभग 10,000 रोजगार सृजित हुए हैं। निवेशकों को डीबीटी के माध्यम से लगभग 42 करोड़ रुपये का अनुदान भी उपलब्ध कराया गया है। कॉन्क्लेव में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, पशुपालन एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों, दुग्ध संघों के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक किसानों, पशुपालकों, स्वयं सहायता समूहों तथा दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने आधुनिक डेयरी तकनीकों वैज्ञानिक पशुपालन, पशु स्वास्थ्य, संतुलित पशु आहार तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

15 अगस्त तक परिषदीय विद्यालयों में शिफ्ट होंगे 15613 आंगनबाड़ी केंद्र

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने बुनियादी शिक्षा और प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के बेहतर एकीकरण के लिए बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश में 15 अगस्त 2026 तक 15,613 आंगनबाड़ी केंद्रों को परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थानांतरित किया जाएगा। ये वे आंगनबाड़ी केंद्र हैं, जो परिषदीय विद्यालयों से 200 मीटर की परिधि में स्थित होने के बावजूद वर्तमान में गैर विभागीय भवनों में संचालित हो रहे हैं। इन्हें मिशन मोड में चरणबद्ध तरीके से परिषदीय विद्यालय परिसरों में स्थानांतरित किया जाएगा। प्रदेश में 1,89,208 आंगनबाड़ी केंद्रों की मैपिंग पूरी हो चुकी है, जिनमें से 1,64,480 केंद्र पहले ही परिषदीय विद्यालय परिसरों से एकीकृत किए जा चुके हैं।

शेष 15,613 केंद्रों का स्थानांतरण 15 अगस्त तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस पहल के तहत 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को सुरक्षित कक्ष, शुद्ध पेयजल, शौचालय, खेल का मैदान, बिजली तथा अन्य आधारभूत सुविधाओं से युक्त बेहतर शिक्षण वातावरण मिलेगा। इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा और बुनियादी शिक्षा के बीच समन्वय और मजबूत होगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका एस. गर्ग तथा निदेशक बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार हर्षिता माथुर द्वारा जारी संयुक्त निदेशों के अनुसार सभी जिलों में यह अभियान मिशन मोड में चलाया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संयुक्त रूप से इसकी निगरानी करेंगे तथा 15 अगस्त तक स्थानांतरण सुनिश्चित करेंगे। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सबसे महत्वपूर्ण आधार प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा है। आंगनबाड़ी केंद्रों को विद्यालय परिसरों में स्थानांतरित करने से बच्चों को शुरूआत से ही बेहतर शैक्षणिक वातावरण और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उनकी सीखने की क्षमता और स्कूल रेडीनेस को मजबूती मिलेगी।

12 प्रतिशत पर रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करने पर हाईकोर्ट सख्त

कोर्ट ने 2 दिसंबर 2021 के बाद पद पर रहे गन्ना आयुक्तों के मांगे नाम मांगे

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गन्ना किसानों को देरी से गन्ना मूल्य भुगतान पर 15 प्रतिशत ब्याज देने के अपने फैसले के बावजूद 12 प्रतिशत ब्याज की दर से रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए जाने पर कड़ी नाराजगी जताई है। कोर्ट ने गन्ना आयुक्त से दो दिसंबर 2021 के बाद पद पर रहे सभी गन्ना आयुक्तों के नाम मांगे हैं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश गन्ना (विनियमन आपूर्ति एवं खरीद) अधिनियम, 1953 की धारा 17(3) के तहत रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करने के आदेश दिए थे।

न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने किसान मजदूर संगठन के संयोजक वीएम सिंह की वर्ष 2006 से लंबित जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि प्रथमदृष्टया 15 प्रतिशत के बजाय 12 प्रतिशत ब्याज की दर से रिकवरी सर्टिफिकेट जारी करना 23 दिसंबर 2021 के हाईकोर्ट के

- **कोर्ट ने कहा- प्रथमदृष्टया अवमानना का मामला**

फैसले की अवमानना प्रतीत होता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जांच का विषय होगा कि ऐसा चीनी मिलों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के लिए किया गया या किसी मिलीभगत के कारण किसानों को वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा। सुनवाई के दौरान कोर्ट में पेष गन्ना आयुक्त ने स्वीकार किया कि ऐसे रिकवरी सर्टिफिकेट जारी हुए हैं। उन्होंने बताया कि 30 जुलाई 2026 को इन प्रमाणपत्रों में सुधार करने का आदेश जारी कर दिया गया है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि देरी से भुगतान के बकाये की वसूली 15 प्रतिशत ब्याज के साथ की जाए और अगली सुनवाई में अब तक की गई वसूली तथा किसानों को मिलने वाली अतिरिक्त रकम का पूरा ब्यौरा पेश किया जाए। कोर्ट ने गन्ना आयुक्त से पिछले तीन वर्षों के उन गन्ना बकायों का पूरा विवरण मांगा है, जिनका भुगतान 14 दिन के भीतर किया जाना था। यह भी बताना होगा कि कितनी रकम समय से किसानों को दी गई और कितनी राशि का भुगतान समयसीमा में नहीं हुआ। देरी से भुगतान पर देय ब्याज की राशि का भी विवरण देना होगा। सुनवायी के दौरान गन्ना आयुक्त ने पीठ को बताया कि वर्ष 2023-24 से अब तक देरी से भुगतान संबंधी आंकड़ों को डिजिटल किया जा चुका है। कोर्ट ने कहा कि इससे भविष्य में यह बहाना स्वीकार नहीं किया जाएगा कि गन्ना सहकारी समितियों के पास उपलब्ध आंकड़े गन्ना आयुक्त के पास उपलब्ध नहीं हैं। पीठ ने लंबित रिकवरी सर्टिफिकेट और उनमें बकाया रकम का भी विवरण मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 31 अगस्त को होगी। गन्ना आयुक्त को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुनवाई में शामिल होना होगा।

हर पात्र महिला को स्वयं सहायता समूह से जोड़ेगी योगी सरकार

लखनऊ। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योगी सरकार ने प्रदेशव्यापी 'परिवार संतृप्तिकरण अभियान' शुरू किया है। 5 अगस्त से 20 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत गांव-गांव और घर-घर जाकर ऐसे पात्र परिवारों की पहचान की जाएगी, जो अभी तक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) या राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से नहीं जुड़े हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक पात्र महिला को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार, बैंकिंग सुविधाओं, ऋण, बचत और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराना है, ताकि ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सके।

इस अभियान के सफल संचालन के लिए विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है। ये अधिकारी अभियान की निगरानी करेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी पात्र महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ने से वंचित न रहे। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों को आजीविका मिशन से जोड़कर महिलाओं की आय बढ़ाई जाए, उन्हें रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं और गांवों में आर्थिक

- **20 अगस्त तक चलेगा घर-घर अभियान, 'परिवार संतृप्तीकरण अभियान' की शुरुआत**

गतिविधियों को मजबूती मिले। सरकार ने अभियान के दौरान सभी पात्र स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते तत्काल खुलवाने के निर्देश दिए हैं। इससे समूहों को सरकारी वित्तीय सहायता, बैंक ऋण और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे मिल सकेगा। बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ने के बाद ग्रामीण महिलाओं के लिए छोटे उद्यम शुरू करना और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करना आसान होगा। परिवार संतृप्तिकरण अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और आजीविका के संसाधनों से वंचित न रहे। योगी सरकार चाहती है कि प्रत्येक पात्र महिला को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उसकी आय बढ़ाई जाए और ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया जाए। जब अधिक से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ेंगी तो गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। छोटे-छोटे घरेलू उद्योग, कृषि आधारित गतिविधियां, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और अन्य स्वरोजगार के माध्यम विकसित होंगे।

पीडीए में 'पी' पंडित का शार्ट फार्म है : अखिलेश यादव

सपा अध्यक्ष ने जनेश्वर मिश्र की जयंती पर पार्क और पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर अर्पित की पुष्पांजलि

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। समाजवादी चिंतक जनेश्वर मिश्र की जयंती पर बुधवार को सपा के प्रदेश मुख्यालय समेत प्रदेश के सभी जिला कार्यालयों में जोश और उत्साह के साथ मनायी गयी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क पहुंचकर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। इस दौरान जनेश्वर मिश्र के परिवार और पार्टी के नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके साथ ही उनकी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सम्बोधित किया।

अखिलेश यादव ने कहा है कि जनेश्वर मिश्र की जयंती का यह ऐतिहासिक कार्यक्रम जनेश्वर मिश्र पार्क में होना था लेकिन सरकार के लोगों ने परमीशन नहीं दी इसलिए

कार्यक्रम यहां कार्यालय में करना पड़ा। आज हम लोग जनेश्वर मिश्र के मिशन को पूरा करने का संकल्प लेते है। उनका मिशन लगातार चलता रहेगा। समाजवादी सरकार में जनेश्वर मिश्र के नाम पर सबसे बड़ा पार्क बनाया गया। उन्होंने कहा कि जबसे भाजपा के लोग लोकसभा चुनाव पीडीए से हारे है तबसे पीडीए की तरह-तरह की परिभाषा बनाते है लेकिन वो जान ले पीडीए में पीड़ित पंडित का शार्ट फार्म है। भाजपा जितना पीड़ा देगी, पीड़ा बढ़ाएगी पीडीए उतना ही मजबूत होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार से केवल ब्राह्मण समाज के ही नहीं हर समाज के लोग दुःखी हैं। भाजपा ने हर चीज पर संकट खड़ा कर दिया है। भाजपा दूसरों को बदनाम करने के लिए नकारात्मक राजनीति करती है। देश की नई पीढ़ी जेन जी ने इन्हें जवाब दिया है। भाजपा की नकारात्मक राजनीति के पाप का घड़ा भर गया है। युवाओं ने भाजपा को सबक सिखा दिया है। जब वोट पड़ेगा तो भाजपा का पता नहीं चलेगा। उन्होंने कहा है कि सपा सबका सम्मान करती है। किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है। पार्टी को जब भी मौका मिला है सम्मान देने का काम किया है। आज भी लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क का कोई मुकाबला नहीं है। भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई के नाम पर कोई काम नहीं किया। समाजवादी सरकार में बनाए गये लोकभवन में ही प्रतिमा लगायी गयी। सपा सरकार में भगवान के नाम पर बने इकाना अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम को भाजपा ने अटल जी के नाम पर किया। यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों ने प्रभु श्रीराम के मंदिर में चढ़ावा चोरी करके सबसे बड़ा महापाप किया है। जब चोरी पकड़ी गयी तो छोटे कर्मचारियों को पकड़कर जेल भेज दिया। चढ़ावा चोरी के खुलासे के बाद भाजपा के लोग चढ़ावे की रसीद मांग रहे हैं, इससे घटिया बात दूसरी नहीं हो सकती है। सनातनी परम्पराओं में चढ़ावा और दान की रसीद नहीं होती है। भाजपाई रसीद मांग रहे है। जिन्होंने राम धन की चोरी की है उत्तर प्रदेश की जनता उन्हें विधानसभा चुनाव में हरा देगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार में सभी का सम्मान होगा। भाजपा सरकार ने जिन महापुरूषों की छुट्टियों को समाप्त किया है उसे फिर से लागू करेंगे। कार्यक्रम का संचालन पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो. अभिषेक मिश्रा एवं मणेन्द्र मिश्रा ने किया। जयंती समारोह में काशी के श्रीराम जानकी डमरू दल सेवा समिति के 15 बटुकों ने डमरू वादन किया। इससे पूर्व गंगा आरती हुई। स्वास्तिवाचन में अखिलेश यादव के जीवन में सफलता की कामना की। अखिलेश यादव ने बटुकों को अंग वस्त्र एवं दक्षिणा देकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर प्रबुद्ध समाज के लोगों ने अखिलेश यादव को स्मृतिचिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

जनेश्वर मिश्र पार्क में जनेश्वर मिश्र के परिवार के सदस्य पुत्री मीना तिवारी, भाई तारकेश्वर मिश्र, चंद्रशेखर तिवारी, विश्वभूषण तिवारी, अमृता त्रिपाठी, सवानंद पाठक समेत अम्बिका चौधरी पूर्व मंत्री, सीमा राजभर प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी महिला सभा, जयसिंह जयंत जिलाध्यक्ष लखनऊ, फाखिर सिद्दीकी महानगर अध्यक्ष, सिकंदर यादव प्रदेश अध्यक्ष अधिवक्ता सभा, अनीस राजा प्रदेश अध्यक्ष यूथ बिग्रेड, शरद शरन प्रदेश अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ सहित पूर्व मेयर प्रत्याशी मीरा वर्धन, प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार मिश्रा, उदयवीर सिंह पूर्व एमएलसी, नेता सपा पार्षद दल नगर निगम कामरान बेग, सोनू कनौजिया पूर्व प्रत्याशी मलिहाबाद विधानसभा क्षेत्र, पायल सिंह प्रदेश अध्यक्ष किन्नर सभा आदि बड़ी संख्या में पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी जनेश्वर मिश्रा को नमन किया।

किसान हितों की लड़ाई को आगे बढ़ाना ही सत्यपाल मलिक को सच्ची श्रद्धांजलि : सुनील सिंह

लखनऊ। लोकदल अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने बुधवार को ग्राम हिंगुवां, बागपत में किसान नेता एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय सत्यपाल मलिक की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर चौधरी सुनील सिंह ने कहा कि सत्यपाल मलिक ने अपने सार्वजनिक जीवन में किसानों, युवाओं और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव निर्भीक होकर आवाज उठाई। उनके विचार और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों के अधिकारों की रक्षा, युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करना तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाना ही सत्यपाल मलिक के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। लोकदल किसानों, मजदूरों, युवाओं और आमजन के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ता रहेगा। श्रद्धांजलि सभा में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, किसान नेता तरुण पटेल, लोकदल अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह, लोकदल के प्रदेश पदाधिकारियों, पश्चिम उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं तथा विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने स्वर्गीय सत्यपाल मलिक को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाये : त्रिलोक त्यागी

लखनऊ। लखनऊ स्थित इमेजिन रिसोर्ट में रालोद व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर रालोद व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल के नेतृत्व में व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर त्रिलोक त्यागी का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, व्यापारियों की समस्याओं के समाधान तथा रालोद की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर विस्तार से चर्चा हुई। त्रिलोक त्यागी ने कहा कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने व्यापार प्रकोष्ठ से व्यापारियों के बीच निरंतर संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश के व्यापारियों की आवाज को मजबूती से उठाने के साथ-साथ रालोद की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि त्रिलोक त्यागी के मार्गदर्शन में संगठन और अधिक सशक्त होगा।

दस साल बाद मदरसा वेतन विधेयक का अध्याय खत्म, योगी सरकार ने लिया वापस

लखनऊ। अखिलेश सरकार के कार्यकाल में लाया गया मदरसा शिक्षकों और कर्मचारियों के वेतन भुगतान से संबंधित विधेयक, जो करीब दस वर्षों से संवैधानिक और कानूनी अड़चनों के चलते लंबित था, अब समाप्त हो गया है। योगी सरकार ने बुधवार को विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान इस विधेयक को वापस लेने का निर्णय लिया। विधानसभा और विधान परिषद, दोनों सदनों में उत्तर प्रदेश मदरसा (अध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों के वेतन का भुगतान) विधेयक, 2016 को औपचारिक रूप से वापस लेने की प्रक्रिया पूरी की गई। सपा सरकार ने वर्ष 2016 में मदरसा शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों के वेतन भुगतान की व्यवस्था को बेसिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के समान करने के उद्देश्य से यह विधेयक पारित कराया था। इसमें वेतन भुगतान में देरी या लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई का प्रावधान किया गया था। हालांकि विधेयक के कुछ प्रावधानों को लेकर तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने आपत्ति जताई थी। इसके बाद विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए भेजा गया, लेकिन संवैधानिक आपत्तियों के कारण इसे स्वीकृति नहीं मिल सकी। लंबे समय तक लंबित रहने के बाद योगी सरकार ने इसे वापस लेकर इस मामले को समाप्त कर दिया। सरकार का यह कदम ऐसे लंबित विधायी मामलों को निस्तारित करने की प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

अलीगंज के अवैध निर्माणों पर चलेगा बुलडोजर

सुप्रीम कोर्ट की टीम करेगी अलीगंज का सर्वे, सीलिंग-ध्वस्तीकरण होगी

विशेष संवाददाता (vol)

एलडीए कसेगा शिकंजा

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बाद लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने अलीगंज क्षेत्र में आवासीय भूखंडों पर बने अवैध व्यावसायिक निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। एलडीए ने संबंधित मामलों की फाइलें निकलवा ली हैं और विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली है। जिन निमार्णों पर किसी सक्षम न्यायालय का स्थगन आदेश (स्टे) नहीं है, उनके खिलाफ सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने लोकनाथन बनाम तमिलनाडु राज्य सरकार मामले की सुनवाई के दौरान लखनऊ सहित देश के अन्य महानगरों में अवैध निर्माणों के मामलों पर संबंधित विभागों से जवाब तलब किया था। सुनवाई के दौरान 22 जून 2026 को अलीगंज सेक्टर-डी स्थित आवासीय भूखंड पर बने अवैध व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स में हुई आग की घटना पर अदालत ने कड़ा रुख अपनाया था। एलडीए ने न्यायालय को अपनी रिपोर्ट में बताया कि अलीगंज क्षेत्र में आवासीय भू-उपयोग के विपरीत बने 51 व्यावसायिक निर्माण चिन्हित किए गए हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने इन सभी मामलों में की गई कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं।

साथ ही अदालत की एक टीम अलीगंज क्षेत्र का स्थलीय सर्वे भी करेगी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में अवैध निमार्णों के खिलाफ कार्रवाई की पूरी तैयारी कर ली गई है।

विहित प्राधिकारी न्यायालय से सभी संबंधित वादों की फाइलें निकलवा ली गई हैं। प्रवर्तन जोन-4 की टीम ने गोपनीय तरीके से क्षेत्र का निरीक्षण कर भवनों की वर्तमान स्थिति, उनमें रह रहे लोगों की संख्या तथा कार्रवाई के लिए आवश्यक मशीनरी और मैनपावर का आकलन किया है।

उन्होंने बताया कि जिन मामलों में किसी भी न्यायालय से स्थगन आदेश प्राप्त नहीं है, वहां नियमानुसार सीलिंग और ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी।

अवैध हॉस्टल किया गया सील

इसी क्रम में एलडीए ने बुधवार को अलीगंज के सेक्टर-बी में एक अवैध हॉस्टल को सील कर दिया। प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि महंत गोपाल दास एवं अन्य द्वारा भूखंड संख्या 1/108 पर लगभग 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना मानचित्र स्वीकृत कराए अवैध भवन का निर्माण कर हॉस्टल संचालित किया जा रहा था। एलडीए की ओर से पूर्व में इस निर्माण के विरुद्ध वाद दायर किया गया था, जिसके बाद विहित प्राधिकारी न्यायालय ने सीलिंग के आदेश पारित किए थे। आदेश के अनुपालन में प्रवर्तन टीम ने हॉस्टल खाली कराकर भवन को सील कर दिया। एलडीए का कहना है कि शहर में भू-उपयोग नियमों के उल्लंघन और अवैध निमार्णों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा तथा न्यायालय के निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

संभल हिंसा मामला : सर्वे के खिलाफ सुनियोजित ढंग से जुटायी गयी थी भीड़

विशेष संवाददाता (vol)

- न्यायिक आयोग ने रिपोर्ट में कहा, भीड़ ने जामा मस्जिद में प्रवेश का प्रयास किया

लखनऊ। संभल हिंसा की जांच के लिए गठित न्यायिक आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का विरोध करने के लिए भीड़ को सुनियोजित तरीके से एकत्र किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार भीड़ ने जामा मस्जिद में प्रवेश का प्रयास किया, धार्मिक नारे लगाए और धमकियां दीं, जिसके बाद स्थिति धीरे-धीरे हिंसक होती चली गई।

आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 19 नवंबर 2024 को अदालत के आदेश पर सर्वेक्षण की कार्रवाई पूरी नहीं हो सकी थी। इसके बाद 19 से 24 नवंबर के बीच कुछ राजनीतिक हस्तियों, आपराधिक तत्वों और अन्य लोगों ने अपना वर्चस्व स्थापित करने के लिए साजिश रची और भीड़ को उकसाया। रिपोर्ट में कहा गया कि हिंसा में आपराधिक प्रवृत्ति के लोग भी शामिल हो गए थे, जिनका उद्देश्य माहौल को सांप्रदायिक रंग देना था। न्यायिक आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि हिंसा में मारे गए चार लोगों को लगी गोलियां पुलिस की नहीं थीं। वहीं घटना के दौरान 28 पुलिसकर्मी घायल हुए, जिनमें सात पुलिसकर्मियों को गोली लगी थी। घटना के बाद कुल 12 मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें सात मुकदमे पुलिस की ओर से और पांच मुकदमे अन्य व्यक्तियों की शिकायत पर दर्ज हुए। आयोग ने पुलिस और प्रशासन की भूमिका का भी उल्लेख किया है। रिपोर्ट में कहा गया कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से स्थिति को और बिगड़ने से रोका गया। सर्वेक्षण टीम को सुरक्षित रखा गया और हिंसक भीड़ को जामा मस्जिद में प्रवेश करने से रोका गया। रिपोर्ट के अनुसार भीड़ ने पुलिस के हथियार लूटने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने का प्रयास किया, लेकिन पुलिसकर्मियों ने संयम बरता और घातक आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल नहीं किया। आयोग ने संभल शहर की सामाजिक स्थिति का भी उल्लेख किया है। रिपोर्ट के अनुसार शहर की आबादी में करीब 80 प्रतिशत मुस्लिम और 20 प्रतिशत हिंदू हैं। आयोग ने कहा कि संभल का सांप्रदायिक तनाव और हिंसा का पुराना इतिहास रहा है, जिसने समय-समय पर विवादों को बढ़ावा दिया। रिपोर्ट में मुस्लिम समुदाय के अंदर तुर्क और पठान समूहों के बीच वर्चस्व की लड़ाई का भी उल्लेख किया गया है। आयोग ने कहा कि हिंसा में चार लोगों की मौत को दोनों समूहों की ओर से हुई क्रॉस फायरिंग का परिणाम बताया गया है।

सदन के हंगामे से आहत स्पीकर महाना बोले- सोचूंगा, क्या मैं इस कुर्सी के योग्य हूं

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विधानसभा में मंगलवार को हुए हंगामे से आहत विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना बुधवार को सदन में भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि कल की घटना बेहद दुखद और निंदनीय थी। अब उन्हें इस बात पर विचार करना होगा कि क्या वह इस पद के योग्य हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े चार वर्षों में बतौर अध्यक्ष उन्होंने जो काम किए हैं, उनका आत्ममंथन करेंगे और जल्द निर्णय लेंगे।

सदन में अपने वक्तव्य के दौरान महाना ने कहा कि उनका हमेशा प्रयास रहा है कि विधानसभा और विधायकों की गरिमा बनी रहे। समाज में विधायिका और विधायकों की जो छवि बन रही थी, उसे लेकर उन्हें पीड़ा होती थी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष के बीच संवाद, सहमति और असहमति स्वाभाविक प्रक्रिया है। विपक्ष का काम सरकार को जनता के मुद्दों पर सचेत करना है और सरकार की जिम्मेदारी है कि वह अपने कार्यों को सदन के माध्यम से जनता के सामने रखे। स्पीकर ने कहा कि कई बार सदन में असहज परिस्थितियां बनती हैं, लेकिन उन्हें लोकतांत्रिक मयार्दा के साथ संभालना हमारी परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि पहले भी विपक्ष के सदस्य वेल में आए, लेकिन अपनी बात रखने के बाद वापस चले गए।

महाना ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के कथन का उल्लेख करते हुए कहा कि संविधान में कमी नहीं होती, बल्कि उसे चलाने वाले व्यक्तियों में कमी हो सकती है। उन्होंने कहा कि कल की घटना के बाद पहली बार उन्हें लगा कि कहीं न कहीं प्रयासों में कमी रह गई है। उन्होंने कहा कि सदन के एक ऐसे सदस्य के व्यवहार से उन्हें सबसे अधिक दुख पहुंचा, जिन्हें सदन में रोल मॉडल माना जाता है।

स्तनपान सिर्फ माँ की नहीं, पूरे परिवार और समाज की जिम्मेदारी

यूपी के सभी 120 एसएनसीयू में खुलेंगी लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। विश्व स्तनपान सप्ताह के तहत यूनिसेफ की ओर से गोमतीनगर स्थित कार्यालय में बुधवार को मीडिया संवाद का आयोजन किया गया, इसमें हर बच्चे के लिए स्तनपानः अवसर और चुनौतियाँ विषय पर विशेषज्ञों ने कहा कि स्तनपान को बढ़ावा देना अब सिर्फ माँ की नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।

एनएचएम के महाप्रबंधक डॉ. मिलिंद वर्धन ने बताया कि स्तनपान को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश के सभी 120 सिक न्यूबॉर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में इस साल के अंत तक लैक्टेशन मैनेजमेंट यूनिट (एलएमयू) स्थापित की जाएंगी। फिलहाल 34 एसएनसीयू में एलएमयू सक्रिय हैं। अप्रैल से जुलाई 2026 के बीच इनके माध्यम से 11 हजार से ज्यादा नवजात लाभांवित हो चुके हैं। 36 अन्य एसएनसीयू में स्टाफ प्रशिक्षित हो चुका है और वे जल्द शुरू होंगी। उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा सिक जन्म के पहले घंटे में स्तनपानः 23.9% से बढ़कर 43.1% हुआ। 6 महीने तक केवल स्तनपानः 59.7% से घटकर 34.6% रह गया। संस्थागत प्रसवः बढ़कर 85.9% हो गए।

डॉ. मिलिंद ने कहा कि 86% संस्थागत प्रसव के बावजूद जन्म के तुरंत बाद स्तनपान 43% ही है। ये बताता है कि पूरे समाज के सहयोग की जरूरत है। केजीएमयू के बाल रोग विशेषज्ञ डा. एसएन सिंह ने बताया कि एक्सक्लूसिव स्तनपान से बच्चा डायरिया, निमोनिया और संक्रमण से बचा रहता है। माँ का दूध शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। ऑपरेशन से हुए बच्चों को भी माँ के संपर्क में लाकर स्तनपान कराना चाहिए। स्कूली शिक्षा में भी इसकी जानकारी शामिल हो। केजीएमयू के क्वीनमेरी अस्पताल की डा. अंजू अग्रवाल ने बताया कि दो बच्चों में 3 साल का अंतर जरूरी है ताकि माँ पहले बच्चे को 2 साल तक स्तनपान करा सके। आईसीडीएस की डा. अनुपमा शांडिल्य ने बताया कि 1.84 लाख आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां और सहायिकाएं गांव-गांव में स्तनपान के प्रति जागरूकता फैला रही हैं। यूनिसेफ से रबि नारायण पार्ही के अनुसार कार्यालयों में क्रेच और ब्रेस्टफीडिंग रूम जरूरी हैं। पैटरनिटी लीव भी होनी चाहिए ताकि पिता भी माँ का सहयोग कर सकें। स्तनपान हर बच्चे का अधिकार है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने स्तनपान को बढ़ावा देने और इसका संदेश हर माँ-बच्चे तक पहुंचाने की शपथ ली।

पॉलीक्लीनिक पर चलाया स्वच्छता अभियान

लखनऊ। ऐशबाग स्थित पॉलीक्लीनिक पर बुधवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। अपर चिकित्सा अधीक्षक डा. संजय तिवारी तथा मण्डल चिकित्सा अधिकारी डा. रंजना पटनी ने संयुक्त रूप से बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक, कचरा अलग कैसे करें तथा बायोडिग्रेबल वेस्ट का निस्तारण करने के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान सभी को रेलवे एवं चिकित्सालय परिसर तथा सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने, कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फेंकने एवं स्वच्छ भारत अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया गया।

सही जीवनशैली अपनाकर हड्डियों और जोड़ों की कई बीमारियों से निजात संभव

लखनऊ। भारतीय ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के बोन एवं जॉइंट सप्ताह पर डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के अस्थि रोग विभाग ने बुधवार को हड्डियों और जोड़ों के स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने आम लोगों को बताया कि सही जीवनशैली अपनाकर हड्डियों और जोड़ों की कई बीमारियों से बचा जा सकता है। कार्यक्रम में डा. प्रभात ने कहा कि रोजमर्रा में बैठने, खड़े होने और चलने की सही आदतें अपनाने से रीढ़ और जोड़ों की समस्या कम होती है। संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने संतुलित भोजन, नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बेहतर खान-पान से हड्डियां लंबे समय तक मजबूत रहती हैं।

गले के कैंसर की सटीक पहचान के लिए नया एआई मॉडल विकसित

लखनऊ। लविवि के कंप्यूटर साइंस विभाग के शोधकर्ताओं ने चिकित्सा विज्ञान और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में एक बड़ी और क्रांतिकारी सफलता हासिल की है। कंप्यूटर साइंस विभाग के प्रो. पुनीत मिश्रा के नेतृत्व में रिसर्च स्कॉलर मो. उस्मान, प्रज्ञनिक्स लैब्स के सिद्धार्थ चौरसिया और मणिपाल यूनिवर्सिटी जयपुर की डॉ. गिनिका महाजन ने मिलकर गले के कैंसर की पहचान और वर्गीकरण के लिए एक अत्याधुनिक एआई मॉडल मेडलेक-एससीनेट विकसित किया है।

यह महत्वपूर्ण शोध पत्र प्रतिष्ठित वैज्ञानिक जर्नल प्रकाशन नेचर पोर्टफोलियो के साइंटिफिक रिपोटर्स में प्रकाशित हुआ है, जो लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

लारेंजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा फेफड़े के कैंसर के बाद सांस नली से जुड़ा दूसरा सबसे आम और जानलेवा कैंसर है। तंबाकू, बीड़ी-सिगरेट और गुटखा के अत्यधिक सेवन के कारण उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में यह बीमारी तेजी से बढ़ रही है। शुरूआती अवस्था में कैंसर के सूक्ष्म लक्षणों को साधारण एंडोस्कोपी से पहचानना बेहद जटिल और समय लेने वाला होता है। समय पर सही पहचान न होने के कारण मरीजों का इलाज में देरी हो जाती है, जिससे जान का खतरा बढ़ जाता है।

विकसित किया गया मेडलेक-एससीनेट मॉडल एक मल्टी-स्केल पदानुक्रमित संलयन तंत्रिका नेटवर्क है। यह मॉडल नैरो बैंड इमेजिंग और एंडोस्कोपिक छवियों का विश्लेषण करके कैंसर के मुख्य व सूक्ष्म रक्त वाहिका पैटर्न को अत्यधिक सटीकता के साथ वर्गीकृत करता है। यह कंप्यूटर की जटिलता को कम करते हुए छवियों की गहरी बारीकियों को समझता है, जिससे डॉक्टरों को त्वरित और सटीक निर्णय लेने में मदद मिलती है।

सरोजनीनगर की समस्याओं को लेकर विधानसभा में मुखर हुए डॉ. राजेश्वर सिंह

विशेष संवाददाता (vol)

- जलभराव समाधान और बुनियादी सुविधाओं के विकास की उठायी मांग

लखनऊ। विधानसभा के मानसून सत्र में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने क्षेत्र की जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को सदन में उठाया। उन्होंने नियम-301 और नियम-51 के तहत क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान की मांग सरकार के सामने रखी।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने नियम-301 के अंतर्गत बदालीखेड़ा, नीलमथा, पंडितखेड़ा और गौरी क्षेत्रों में सड़क, सीवर, नाली, जल निकासी सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए आवश्यक बजटीय प्रावधान किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में बढ़ती आबादी और शहरीकरण के कारण वर्तमान सुविधाएं पर्याप्त नहीं रह गई हैं। बारिश के दौरान जलभराव से आम नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, बुजुर्गों और व्यापारियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। जलभराव के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ती हैं। विधायक ने नियम-51 के तहत सरोजनीनगर के शहरी क्षेत्रों में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए 10 महत्वपूर्ण नाला परियोजनाओं को जल्द वित्तीय स्वीकृति देने की मांग की। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर में औद्योगिक गतिविधियों और आबादी के विस्तार के साथ जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करना समय की जरूरत है। प्रस्तावित नाला परियोजनाओं के पूरा होने से हजारों नागरिकों को राहत मिलेगी और बारिश के दौरान होने वाली जलभराव की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा। उन्होंने सरकार से मांग की कि सभी प्रस्तावित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी देकर समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए, ताकि क्षेत्र में बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

आबकारी विभाग की लापरवाही से राजस्व का नुकसान

विशेष संवाददाता (vol)

- पीडब्ल्यूडी पर भी उठे सवाल
- सीएजी रिपोर्ट में हुआ खुलासा

लखनऊ। नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश के आबकारी विभाग और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार आबकारी विभाग के अधिकारियों की लापरवाही से करीब 2 करोड़ रुपये के ब्याज राजस्व का नुकसान हुआ, जबकि सड़क निर्माण में ट्रैफिक लोड की गलत गणना के कारण पीडब्ल्यूडी को 1.44 करोड़ रुपये का गैर जरूरी खर्च करना पड़ा।

सीएजी ने मार्च 2023 को समाप्त अवधि की रिपोर्ट में बताया कि सितंबर 2022 से मार्च 2023 के बीच आठ सहायक आबकारी आयुक्त कार्यालयों के अंतर्गत आने वाली डिस्टिलरी और बेवरेज इकाइयों की जांच में कई मामलों में बिना क्यूआर कोड के मदिरा निर्गत किए जाने का मामला सामने आया।

रिपोर्ट के मुताबिक बिना क्यूआर कोड जारी की गई शराब की बोतलों पर लगने वाला 15 पैसे प्रति बोतल का क्यूआर कोड शुल्क विभाग ने 33 से 56 महीने बाद वसूल किया। विभाग ने 3.06 करोड़ रुपये की आबकारी राजस्व राशि तो कोषागार में जमा करा दी, लेकिन इसमें हुई देरी के कारण 18 प्रतिशत की दर से करीब 2 करोड़ रुपये ब्याज की वसूली नहीं की गई। सीएजी ने इसे आबकारी राजस्व का नुकसान बताते हुए कहा कि अतिरिक्त प्रतिफल शुल्क आबकारी राजस्व का हिस्सा है और संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम-1910 की धारा 38ए के अनुसार इस पर ब्याज देय था।

सड़क निर्माण में 1.44 करोड़ के अतिरिक्त खर्च पर सवाल : सीएजी ने चंदौली जिले के चहनिया-धानापुर-महुजी-जमानिया मार्ग के चौड़ीकरण कार्य में भी अनियमितता की ओर इशारा किया है। रिपोर्ट के अनुसार सड़क निर्माण के दौरान ट्रैफिक लोड की गलत गणना के कारण बिटुमिनस कंक्रीट की परत जरूरत से अधिक मोटी डाली गई, जिससे 1.44 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान करना पड़ा। इस सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए वर्ष 2016 में 76.59 करोड़ रुपये की प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृति दी गई थी। सितंबर 2016 में शुरू हुआ कार्य जून 2018 में पूरा हुआ और मार्च 2019 में ठेकेदार को भुगतान किया गया।

सीएजी के अनुसार पीडब्ल्यूडी ने ट्रैफिक लोड रिपोर्ट में पहले 330 वाहनों की गणना दिखाई थी, जिसे बाद में बढ़ाकर 614 कर दिया गया।

जांच में पाया गया कि विभाग ने न तो एक्सल लोड सर्वे कराया और न ही इंडियन रोड कांग्रेस के निर्धारित मानकों का पालन किया। पीडब्ल्यूडी ने जवाब में कहा कि बसों, ट्रकों, ट्रैक्टरों और बैलगाड़ियों की संख्या के आधार पर ट्रैफिक लोड का आकलन किया गया था और उसी आधार पर सड़क की डिजाइन तैयार की गई। विभाग ने अतिरिक्त खर्च से इनकार किया।

हालांकि सीएजी ने विभाग की दलील को स्वीकार नहीं किया। रिपोर्ट में कहा गया कि विभाग की गणना पैसेंजर कार यूनिट (पीसीयू) से संबंधित थी, इसे सीवीपीडी नहीं माना जा सकता।

डॉ. जबीर अहमद को सीएसआईआर एनबीआरआई का अतिरिक्त प्रभार

लखनऊ। सीएसआईआर आईआईआईएम जम्मू के निदेशक डॉ. जबीर अहमद को एनबीआरआई लखनऊ के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। यह जिम्मेदारी पूर्व निदेशक डॉ. अजीत कुमार शासनी की ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति नियुक्ति के बाद दी गई है। डॉ. जबीर अहमद नियमित निदेशक की नियुक्ति तक संस्थान का नेतृत्व करेंगे। उन्हें औषधि खोज और प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान में 28 वर्षों से अधिक का अनुभव है। उनके नेतृत्व में कई राष्ट्रीय मिशनों में योगदान दिया। उन्होंने 150 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं और कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त किए हैं।

पंचायत चुनाव की तैयारी कम से कम दो साल पहले शुरू करे सरकार : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव समय से कराने की प्रक्रिया में हुई देरी पर गंभीर टिप्पणी करते हुए कहा है कि अगली बार पंचायत चुनाव कराने की प्रक्रिया कार्यकाल समाप्त होने से कम से कम दो वर्ष पहले शुरू की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा कि ऐसा करने पर ही संविधान के अनुच्छेद 243-ई में निर्धारित पांच वर्ष की अवधि के भीतर पंचायत चुनाव कराना संभव हो सकेगा। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने संजय कुमार शर्मा की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि इस बार राज्य सरकार ने चुनाव प्रक्रिया मई 2025 में शुरू की थी, लेकिन इसके बावजूद अब तक पंचायत चुनाव नहीं हो सके हैं।

पंचायतों का पांच वर्ष का संवैधानिक कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो चुका है। पीठ ने राज्य सरकार से रिकार्ड तलब किए हैं ताकि यह पता लगाया जा सके कि मौजूदा पंचायत चुनाव पांच वर्ष की अवधि समाप्त होने से पहले क्यों नहीं कराए जा सके। कोर्ट ने कहा कि वह यह भी देखना चाहता है कि चुनाव कराने में देरी के पीछे राज्य सरकार के नियंत्रण से बाहर की कोई परिस्थिति थी या फिर सरकार ने समय पर चुनाव कराने के अपने दायित्व का निर्वहन नहीं किया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 243-ई के तहत पंचायतों का कार्यकाल पांच वर्ष का होता है और इसके समाप्त होने से पहले नए चुनाव कराना आवश्यक है। पीठ ने कहा कि इस संवैधानिक व्यवस्था का पालन सुनिश्चित करने के लिए चुनाव प्रक्रिया पर्याप्त समय पहले शुरू करना जरूरी है। पीठ ने यह भी कहा कि उसने चुनाव प्रक्रिया में देरी से संबंधित कुछ इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड देखे हैं और इन रिकॉर्ड को अगली सुनवाई पर फिर अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाये। अदालत इन रिकॉर्ड के आधार पर यह भी जांचेगी कि मई 2025 में प्रक्रिया शुरू किए जाने के बावजूद चुनाव समय पर क्यों नहीं कराए जा सके। मामले की अगली सुनवाई 11 अगस्त को होगी।

पांच जोनों में अतिक्रमण हटाया, 2.66 लाख रुपये शमन शुल्क वसूला

लखनऊ। शहर में अतिक्रमण, गंदगी और प्रतिबंधित पॉलीथीन के खिलाफ नगर निगम लखनऊ ने बुधवार को व्यापक अभियान चलाया। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोन-1, 2, 3, 4 और 5 की टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए सड़क और पटरी से अवैध कब्जे हटाए, सामान जब्त किया और नियमों का उल्लंघन करने वालों से शमन शुल्क वसूला। नगर निगम की कार्रवाई में पांच जोनों से कुल 2 लाख 66 हजार 300 रुपये का शमन शुल्क और जुमार्ना वसूल किया गया। वहीं जोन-1 में अतिक्रमण हटाने के दौरान दो ट्रक सामान जब्त किया गया।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह का निधन

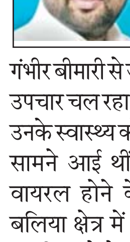

लखनऊ। बलिया के रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से बसपा विधायक उमाशंकर सिंह का निधन बुधवार की रात को हो गया। खबर आते ही शोक की लहर दौड़ गयी। रसड़ा विधान सभा के विधायक उमाशंकर सिंह नगरा ब्लॉक के खनवर गांव के निवासी थे। वह तीन बार से लगातार विधायक थे। वह लंबे समय से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे और उनका उपचार चल रहा था। फरवरी 2026 में उनके स्वास्थ्य को लेकर भी कई रिपोर्टें सामने आई थीं। निधन की सूचना वायरल होने के बाद रसड़ा और बलिया क्षेत्र में उनके समर्थकों एवं शुभचिंतकों के बीच शोक की लहर दौड़ गयी। विधायक उमाशंकर सिंह के निधन की पुष्टि होने के बाद क्षेत्र में शोकाकुल है। प्रदेश में यह बसपा के इकलौते विधायक थे, अब बसपा का प्रदेश में कोई विधायक नहीं बचा, लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। उनका इलाज घर पर चल रहा था।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बांदा

पृ.सं. : 1196/तद्दिनांक : 04.08.2026

स्वच्छ बांदा | सुन्दर बांदा

'निराश्रित आवारा गौवंश को संरक्षित किये जाने हेतु समस्त सम्मानित नगरवासियों से विनम्र'

सार्वजनिक सूचना/अपील

जिलाधिकारी महोदय के निदेशों के क्रम में नगर क्षेत्र में आवारा विचरण कर रहे निराश्रित गौवंशों को दुर्घटनाओं से बचाने एवं नगर में यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से समस्त पशुपालकों को सूचित किया जाता है कि वे अपने पशुओं को अपने-अपने बाड़े अथवा निजी परिसर में सुरक्षित रूप से बांधकर रखें तथा उन्हें किसी भी स्थिति में सडकों मागों, चौराहों अथवा मोहल्लों में खुला न छोड़ें। यदि कोई पशु नगर क्षेत्र में किसी भी मार्ग, सार्वजनिक स्थल अथवा मोहल्ले में आवारा विचरण करता हुआ पाया जाता है, तो उसे नगर पालिका परिषद की टीम द्वारा अभियान के दौरान पकड़कर गौशाला में संरक्षित कराया जाएगा। ऐसे पशुओं के स्वामियों के विरुद्ध प्रचलित नियमों के अंतर्गत निर्धारित जुमार्ना रू. 500/- एवं दैनिक खुराक एवं देख-रेख शुल्क रू. 100/- अधिरोपित करते हुए नियमानुसार विधिक कार्यवाही भी की जाएगी।

अतः समस्त पशुपालकों से अपेक्षा की जाती है कि वे जनहित एवं पशुहित को दृष्टिगत रखते हुए अपने पशुओं को सुरक्षित रखें तथा नगर क्षेत्र में उन्हें खुला न छोड़ें, जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं नगर की व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्राप्त हो सके।

(श्रीचन्द)
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद बांदा

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम 9454418642
गोमती नगर- 9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

मेट्रो

छात्रा की चाकू से गला रेतकर हत्या

प्रेमी देवांश ने घर में घुसकर चाकू से गला रेतकर दिया अंजाम

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

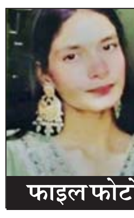

फाइल फोटो

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पारा थाना क्षेत्र स्थित नरपतखेड़ा में बुधवार को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। घर में अकेली मौजूद बीसीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा स्मृति पाण्डेय (17) की उसके सहपाठी और कथित प्रेमी देवांश पाठक ने घर में घुसकर धारदार चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के दौरान हुए संघर्ष में आरोपी भी घायल हो गया। पुलिस के अनुसार हत्या के बाद आरोपी छात्र खून से सने फर्श पर मृतका के शव के पास लेटा रहा। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, नरपतखेड़ा निवासी सेवानिवृत्त नायब सूबेदार शैलेन्द्र पाण्डेय वर्तमान में कानपुर में एनसीसी प्रशिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। घटना के समय वह अपनी पत्नी किरण पाण्डेय के साथ पैतृक गांव अमेठी गए हुए थे। घर में उनकी छोटी बेटी स्मृति अकेली थी। दोपहर में टीएस मिश्रा कॉलेज में बीसीए का सहपाठी देवांश पाठक उससे मिलने घर पहुंचा। बातचीत के दौरान दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी ने अपने साथ लाए चाकू से स्मृति के गले पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। करीब 40 मिनट बाद कॉलेज से लौटी बड़ी बहन जागृति पाण्डेय ने पहली मंजिल के कमरे में बहन का शव खून से लथपथ पड़ा देखा।

वहीं आरोपी देवांश भी घायल अवस्था में शव के पास पड़ा मिला। बहन के शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित, एडीसीपी धनंजय कुशवाहा, एसीपी काकोरी शकील अहमद समेत पारा, काकोरी और दुबग्गा थानों की पुलिस पहुंची। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और हत्या में प्रयुक्त चाकू तथा आरोपी का मोबाइल फोन कब्जे में ले लिया। पुलिस जांच में सामने आया कि स्मृति और देवांश के बीच पिछले करीब दो वर्षों से प्रेम संबंध था। दोनों ने इंटरमीडिएट साथ में पास करने के बाद टीएस मिश्रा कॉलेज में बीसीए में प्रवेश लिया था। प्रारंभिक जांच के अनुसार आरोपी हत्या के इरादे से ही चाकू लेकर घर पहुंचा था। घटना से कुछ देर पहले स्मृति पड़ोस में आयोजित कथा से प्रसाद लेकर घर लौटी थी।

डीसीपी पश्चिम कमलेश दीक्षित ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और घायल आरोपी का इलाज कराया जा रहा है। मृतका के चाचा की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है तथा आरोपी के स्वस्थ होने के बाद उससे विस्तृत पूछताछ की जाएगी।

लविवि में बिजली-पानी कटते ही 17 माह का किराया जमा

- नौ कैंटीन संचालक हरकत में आये

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में 17 माह से किराया न जमा करने वाली 10 कैंटीनों पर बुधवार को निर्माण विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उनके बिजली और पानी के कनेक्शन काट दिए तथा ताला लगा दिया। कार्रवाई के बाद दिनभर में नौ कैंटीन संचालकों ने बकाया किराया जमा कर दिया, जबकि एक संचालक ने बृहस्पतिवार सुबह 11 बजे तक का समय मांगा है।

निर्माण अधीक्षक डॉ. श्यामलेश तिवारी ने बताया कि जन भवन से उन्हें व्यक्तिगत रूप से नोटिस मिलने के बाद कार्रवाई की गई। उनके अनुसार, एक मार्च 2025 से इन कैंटीनों का किराया जमा नहीं हुआ था। बकाया राशि के साथ प्रत्येक संचालक से बिजली-पानी काटने और दोबारा जोड़ने के लिए 1400 रुपये भी वसूले गए। सबसे अधिक बकाया मेसर्स जितेंद्र सिंह फर्म की दो कैंटीनों पर था।

हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीदारी का महाअभियान बनायें : आनंद द्विवेदी

लखनऊ। भाजपा लखनऊ महानगर द्वारा हर घर तिरंगा यात्रा अभियान के अंतर्गत हलवासिया कोर्ट स्थित महानगर कार्यालय में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें लखनऊ प्रभारी एवं पूर्व उपाध्यक्ष त्र्यंबक त्रिपाठी, भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, महामंत्री घनश्याम दास अग्रवाल, सत्येंद्र सिंह, टिंकू सोनकर, उपनेता देव शर्मा मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी गण उपस्थित रहे। कार्यशाला में अभियान की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभी मंडलों एवं वार्डों के पार्षद, पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पूर्व उपाध्यक्ष एवं लखनऊ प्रभारी त्र्यंबक त्रिपाठी ने कहा कि 10 से 12 अगस्त तक प्रत्येक मंडल एवं वार्ड में तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। यात्राएं शहीद स्मारकों से प्रारंभ होकर प्रमुख मार्गों एवं बस्तियों से गुजरेंगी। उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा, महिला मोर्चा सहित सभी मोर्चों एवं प्रकोष्ठों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करते हुए अधिक से अधिक नागरिकों को अभियान से जोड़ा जाए।

उन्होंने कहा कि 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 13 अगस्त को जिला मुख्यालयों पर व्यापक तिरंगा यात्राएं आयोजित होंगी तथा 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर, प्रतिष्ठान एवं व्यापारिक संस्थानों पर तिरंगा फहराना सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान युद्ध वीरों, शहीदों एवं देश की सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले पुलिसकर्मियों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर संगोष्ठियां, प्रदर्शनी एवं जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही समाज के प्रबुद्धजन, पूर्व सैनिक, सुरक्षा कर्मी, सामाजिक एवं महिला संगठनों को अभियान से जोड़कर इसे जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा।

उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के पिता हरिकिशन मित्तल का निधन

मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित उनके आवास पहुँचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की

स्व. हरिकिशन मित्तल का अंतिम संस्कार 6 अगस्त को 11:30 बजे बैकुण्ठ धाम भैंसाकुंड में किया जाएगा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक, राजीव कृष्ण के पूज्य पिता एवं उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता हरिकिशन मित्तल का 05 अगस्त 2026 को 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन से प्रशासनिक एवं अभियंत्रण जगत के साथ-साथ समाज में शोक की लहर व्याप्त हो गई। हरिकिशन मित्तल का जन्म वर्ष 1938 में जनपद मेरठ में हुआ था। उनकी प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा भी मेरठ में ही सम्पन्न हुई। वर्ष 1957 में उन्होंने रुड़की में सिविल इंजीनियरिंग में प्रवेश लिया तथा वर्ष 1960 में इंजीनियरिंग की शिक्षा पूर्ण करने के उपरान्त उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग में अभियंता के रूप में अपने सेवाकाल का शुभारम्भ किया। अपनी गौरवपूर्ण सेवा के दौरान उन्होंने अनेक महत्त्वपूर्ण सिंचाई एवं जलविद्युत परियोजनाओं में उल्लेखनीय योगदान दिया। विशेष रूप से कालागढ़ डैम परियोजना, पीलीभीत-बनबसा बाइफरकेशन परियोजना तथा टिहरी पावर हाउस परियोजना में उनकी भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण रही। अपनी कार्यकुशलता, तकनीकी दक्षता, ईमानदारी एवं कर्मनिष्ठा के बल पर उन्होंने विभाग में विशिष्ट पहचान बनाई तथा वर्ष 1996 में मुख्य अभियंता सिंचाई विभाग उत्तर प्रदेश के पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के उपरान्त वे लखनऊ के आशियाना क्षेत्र स्थित अपने निवास पर रह रहे थे। अपने सहज, सादगीपूर्ण एवं अनुशासित व्यक्तित्व के कारण वे सहकर्मियों, मित्रों एवं परिचितों के बीच अत्यंत सम्मानित थे। सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका समर्पण एवं उच्च नैतिक मूल्य आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे। उनके निधन पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित उनके आवास पहुँचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण एवं शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। हरिकिशन मित्तल अपने पीछे एक समृद्ध एवं प्रतिष्ठित परिवार छोड़ गए हैं, जिसमें उनके दो पुत्र–संजीव मित्तल एवं राजीव कृष्ण तथा एक पुत्री सीमा गर्ग शामिल हैं। स्वर्गीय हरिकिशन मित्तल का संपूर्ण जीवन ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सादगी और लोकसेवा के आदर्श मूल्यों का प्रतीक रहा। अभियंत्रण क्षेत्र एवं समाज के प्रति उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

कुशल कर्मियों की बिजली उपकेन्द्रों पर तैनाती हो : चेयरमैन

- आउटसोर्सिंग कर्मियों की शिफ्ट ड्यूटी, बायोमेट्रिक उपस्थिति, सुरक्षा उपकरण और कुशल कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने के लिए कहा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने विद्युत दुर्घटनाओं की रोकथाम तथा आउटसोर्सिंग के माध्यम से कार्यरत कर्मियों की सुरक्षा को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने सभी डिस्कॉम के प्रबंध निदेशकों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए आउटसोर्सिंग कर्मियों से संबंधित सुरक्षा मानकों का शत-प्रतिशत एवं कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा है। इस संदर्भ में अध्यक्ष ने सभी प्रबंध निर्देशक एवं मुख्य अभियंताओं को निर्देश जारी किया है .जारी निर्देश में कहा गया है कि विभिन्न माध्यमों से यह जानकारी प्राप्त हुई थी कि पूर्व में जारी दिशा-निदेशों का कुछ स्थानों पर प्रभावी ढंग से पालन नहीं किया जा रहा है।

इसे गंभीरता से लेते हुए सभी स्तरों पर तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। तकनीकी खराबी के कारण यदि किसी आउटसोर्सिंग कर्मचारी की मोबाइल से उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती है तो उपकेन्द्र पर तैनात एसएसओ के माध्यम से उसकी बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कॉरपोरेशन ने स्पष्ट किया है कि अकुशल आउटसोर्सिंग कर्मियों से किसी भी दशा में कुशल श्रेणी का कार्य नहीं कराया जाएगा। वहीं अतिरिक्त जनशक्ति की आवश्यकता होने पर अनुभवी एवं कुशल कर्मियों को कार्य पर लगाने से पहले उनकी संबंधित कार्य करने की क्षमता का परीक्षण किया जाएगा और उसका वीडियो रिकॉर्ड भी सुरक्षित रखा जाएगा।

इसके साथ ही 33/11 केवी उपकेन्द्रों तथा उपकेन्द्रों पर रिक्त पदों पर आउटसोर्सिंग एजेंसी के माध्यम से ऐसे कुशल कर्मियों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं, जिन्हें पूर्व में कार्य करने का अनुभव हो। इनके शैक्षिक एवं शारीरिक क्षमता के साथ-साथ पूर्व कार्य अनुभव और आचरण की भी जांच की जाएगी। पावर कॉरपोरेशन ने सभी आउटसोर्सिंग कर्मियों को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने तथा उनके उपयोग को अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा उपकरणों के बिना कार्य कराने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विद्युत दुर्घटना में किसी आउटसोर्सिंग कर्मी की मृत्यु होने की स्थिति में उसके आश्रितों को नियमानुसार देय क्षतिपूर्ति एवं अन्य अनुमन्य सहायता समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने तथा संबंधित दावों का निस्तारण शीघ्र सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

पावर कॉरपोरेशन ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि इन सभी व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर जिम्मेदारी तय करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की जाए। पावर कॉरपोरेशन का स्पष्ट संदेश है कि विद्युत व्यवस्था की निरंतरता के साथ-साथ प्रत्येक आउटसोर्सिंग कर्मी की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सुरक्षा मानकों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

संविदाकर्मी दुर्घटनाग्रस्त, जिम्मेदार कौन : लेसा ट्रांस गोमती के अर्जुनगंज पावर हाऊस पर तैनात संविदाकर्मी 11 केवी में फाल्ट हो सही करने के लिए सीढ़ी पर चढा था लेकिन अचानक करंट लगने से वह जमीन पर गिर पड़ा जिसे गंम्भीर चोटे आयी। जिसे आनन-फानन में सिविल अस्पताल लाया गया फिर इसके बाद उसे मेडिकल कालेज भेज दिया गया। देर रात एक्सीन ने बताया कि अभी हालात ठीक है, उन्होंने कहा कि जांच किया जा रहा है कि आखिर कैसे वही सीढी से अचानक जमीन पर गिर पड़ा।

छात्राओं ने किया विधानसभा का शैक्षिक भ्रमण

- विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने छात्राओं से किया संवाद
- बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने छात्राओं का किया उत्साहवर्धन

लखनऊ। कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी), अतरौली (अलीगढ़) की छात्राओं के लिए बुधवार का दिन अविस्मरणीय रहा। शैक्षिक भ्रमण के अंतर्गत उप्र विधानसभा पहुंचीं छात्राओं ने लोकतंत्र के मंदिर का भ्रमण कर न केवल गरिमा को निकट से महसूस किया, बल्कि यह भी जाना कि प्रदेश की लोकतांत्रिक व्यवस्था किस प्रकार संचालित होती है। इस दौरान उन्होंने समझा कि जनहित से जुड़े विषयों पर विधानसभा में किस प्रकार चर्चा होती है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाते हैं।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने विधानसभा भवन के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया तथा इसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोकतांत्रिक महत्ता के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्हें सदन की कार्यवाही, जनप्रतिनिधियों की भूमिका और विधायी प्रक्रिया से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया। छात्राओं ने उत्सुकतापूर्वक अनेक प्रश्न पूछे और उनकी जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान किया गया, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी समझ और अधिक समृद्ध हुई।

इस अवसर पर छात्राओं ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से भी भेंट की। उन्होंने छात्राओं से संवाद करते हुए शिक्षा के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने छात्राओं के साथ यादगार पल साझा किए। उन्होंने छात्राओं से मनोयोग से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया तथा उनके साथ स्मृति स्वरूप फोटो भी खिंचवाए। उन्होंने कहा कि बेटियां देश का भविष्य हैं। भ्रमण से बालिकाओं में सुशासन, संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक प्रणाली के प्रति व्यावहारिक समझ विकसित होती है।

'अपार आईडी' योजना पर बेसिक शिक्षा मंत्री ने रखा सरकार का पक्ष

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मानसून सत्र-2026 के तृतीय दिवस सदन की कार्यवाही में सहभाग करते हुए प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार का पक्ष रखा तथा सार्थक चर्चा की। विधान परिषद में चर्चा के दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा बच्चों के शैक्षणिक रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करने और उनके समस्त दस्तावेजों को एक ही स्थान पर सुरक्षित रखने के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा छात्रों के हित में 'अपार आईडी' योजना का शुभारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे के लिए 12 डिजिट की एक यूनिक आईडी बनाई जाती है। यह डिजिटल आईडी बच्चे के लिए जीवन भर उपयोगी साबित होगी, जिससे उसके सभी शैक्षिक प्रपत्र डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगे और किसी भी शैक्षणिक संस्थान में जाने पर तत्काल डिजिटल वेरिफिकेशन संभव हो सकेगा।

अलीगंज आर्य समाज मंदिर में विवाह पर हाईकोर्ट की रोक

विधि संवाददाता, लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने विवाह योग्य उम्र का सत्यापन किए बिना शादी कराने के मामले में सख्त रुख अपनाते हुए अलीगंज स्थित आर्य समाज मंदिर, सेक्टर-एच (हर्ष विहार पुरनिया), लखनऊ को अगले आदेश तक विवाह कराने और विवाह प्रमाणपत्र जारी करने से रोक दिया है। न्यायालय ने कहा कि यदि विवाह योग्य उम्र पूरी नहीं करने वाले व्यक्तियों का विवाह कराया जाता है तो इसमें शामिल सभी लोग कानून के दायरे में आएंगे। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि आर्य समाज के सिद्धांतों में सत्य और सामाजिक हित के नियमों का पालन करने की बात कही गई है।

सूचना

मैं रकीब अहमद पुत्र रईस अहमद नि.- कचनार, सीतापुर का हूँ। मेरे पुत्र का जन्म प्रमाण पत्र जिला महिला चिकित्सालय सीतापुर से जारी किया गया था जिसमें मेरे पुत्र का नाम मो. असद (Mo Asad) दर्ज है जबकि अब मैने अपने पुत्र का नाम बदलकर मो. अजहान (Mo Azhan) रख लिया है। मेरे पुत्र का नाम अब मो. अजहान (Mo Azhan) लिखा पढ़ा व माना जाये।

सूचना

सूचित हो कि मेरे आवंटन पत्र में मेरा नाम सुनील वर्मा दर्ज है जबकि मेरे आधार व पैन कार्ड में मेरा संशोधित नाम सुनील कुमार वर्मा दर्ज है। दोनों मेरे ही नाम हैं। अब मुझे सुनील कुमार वर्मा के नाम से ही जाना व पहचाना जाता है। **सुनील कुमर वर्मा उर्फ सुनील वर्मा पुत्र स्व. राजपाल वर्मा नि.- 537भ/465, भरत नगर, मोहिबुल्लापुर, सीतापुर रोड, लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र किशन के गलत चाल चलन व शराब पीकर प्रताड़ित करने के कारण उसे अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कानूनी व गैर कानूनी कृत्य की जिम्मेदारी मेरे व मेरे परिवार की नहीं होगी। **लक्ष्मन सिंह पुत्र स्व. बगवीर सिंह पता-हैदर कैनाल, नाले के पास, थाना-तालकटोरा, लखनऊ।**

अधेड़ ने लगायी फांसी

लखनऊ। सरोजनी नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक अधेड़ ने संदिग्ध हालत में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान गवां दी। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से उत्तराखंड स्थित देहरादून के गढ़ी कैंट निवासी मनीष कैंथ (53) आलमबाग निवासी राज सिंह के सरोजनी नगर में ट्रांसपोर्ट नगर स्थित फ्लैट में किराए पर रहकर एक दवा कंपनी में नौकरी करते थे। मंगलवार को मनीष के परिजन बात करने के लिए फोन कर रहे थे। लेकिन कई बार फोन करने के बाद भी मनीष का फोन नहीं रिसीव हुआ। तब परिजनों ने शाम करीब 6:30 बजे मनीष के मकान मालिक राज सिंह को सूचना दी। किरायेदारों ने जाकर देखा तो मनीष के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था और मनीष खिड़की के ग्रिल से नायलॉन की रस्सी के सहारे लटके मिले।

बिजली चोरी पर एमवीवीएनएल की बड़ी कार्रवाई

- 1912 और मेगा कैंप से उपभोक्ताओं को मिली राहत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (एमवीवीएनएल) ने बुधवार को राजधानी के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली चोरी रोकने, बड़े बकायेदारों के खिलाफ कार्रवाई और उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया। प्रबंध निदेशक के निर्देश पर गोमतीनगर, जानकीपुरम और लखनऊ मध्य क्षेत्र में संयुक्त टीमें सक्रिय रहीं। इस दौरान बिजली चोरी के मामलों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई, जबकि मेगा कैंपों में बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं की शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया।

गोमतीनगर क्षेत्र के ग्वारी उपकेंद्र के अंतर्गत चलाए गए विशेष चेकिंग अभियान में 31 परिसरों की जांच की गई। जांच के दौरान एक उपभोक्ता को कटिया डालकर 3.95 किलोवाट विद्युत चोरी करते पकड़ा गया, जिसके विरुद्ध विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई। वहीं जानकीपुरम क्षेत्र के कमलाबाद, सीतापुर रोड पर 18 परिसरों की जांच में दो स्थानों पर मीटर बायपास कर बिजली चोरी पकड़ी गई। दोनों मामलों में भी एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई।

उधर, गोमतीनगर के सेक्टर-14 ओल्ड, चिनहट, एचएएल, विश्वास खंड, सेक्टर-5 और विभूतिखंड उपकेंद्रों पर आयोजित मेगा कैंप में 65 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 27 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। जानकीपुरम क्षेत्र के जीपीआरए उपकेंद्र पर आयोजित वाणिज्यिक मेगा कैंप में 44 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 30 का तत्काल समाधान किया गया। शिकायतें मुख्य रूप से स्मार्ट मीटर, बिल संशोधन, मोबाइल नंबर अपडेट और नए कनेक्शन से संबंधित थीं। लखनऊ मध्य क्षेत्र में रेजीडेंसी, मेडिकल कॉलेज और क्लाइड रोड उपकेंद्रों पर रखरखाव एवं सफाई अभियान चलाया गया, जबकि हुसैनगंज में बिल सुधार एवं अन्य समस्याओं के समाधान के लिए विशेष कैंप लगाया गया।

1912 हेल्पलाइन पर दिनभर में मीटर संबंधी 55, बिजली आपूर्ति से जुड़ी 31 तथा बिल संबंधी 55 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनका त्वरित निस्तारण किया गया। निगम के अनुसार नई वर्टिकल व्यवस्था के लागू होने के बाद उपभोक्ताओं को शिकायतों के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से वैध कनेक्शन के माध्यम से ही बिजली उपयोग करने और बिजली चोरी से दूर रहने की अपील की है।

बिजली विभाग के विशेष कैम्प में उपभोक्ताओं की रुचि नहीं

लखनऊ। नादरगंज पावर हाउस परिसर में उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए लगाए गए विशेष शिकायत शिविर में बुधवार को भी अपेक्षित भीड़ नहीं जुटी और पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि जो उपभोक्ता पहुंचे, उनमें अधिकांश ने बिजली का अधिक बिल आने की शिकायत दर्ज कराई। गौरी निवासी प्रतिभा ने मीटर जंप होने की शिकायत दर्ज कराते हुए बिल में गड़बड़ी की जांच कराने की मांग की। वहीं गोल्डन सिटी निवासी अफताब आलम और कटी बगिया निवासी मनोज जोशी ने भी अपेक्षा से अधिक बिजली बिल आने की शिकायत अधिकारियों के समक्ष दर्ज कराई ।उपभोक्ताओं का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनकी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो रहा है। इससे विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उपभोक्ताओं ने मांग की कि बिजली बिलों की जांच कर जल्द से जल्द समस्याओं का निस्तारण किया जाए, ताकि उन्हें अनावश्यक आर्थिक बोझ से राहत मिल सके।

युवक ने बुजुर्ग को पीटा, केस दर्ज

लखनऊ। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके के सिन्धु नगर मे रहने वाले वासदेव लालवानी के अनुसार वह 70 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक हैं। 4 अगस्त मंगलवार की रात \वह कृष्णा नगर स्थित महेश नमकीन की दुकान पर सामान खरीदने बाइक से गए थे और बाइक को दुकान के बाहर खड़ी कर रहे थे, तभी मोहल्ले का रहने वाला नरेश मध्यान वहां पहुंचा और बाइक पर लात मार दी। विरोध करने पर आरोपी ने गाल पर थप्पड़ मार दिया, जान से मारने की धमकी दे फरार हो गया। पीडित ने थाने में शिकायत दर्ज करायी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना सं. 41/2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई-टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं :

क्र. सं. : 1, कार्य का विवरण : पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के समइं/काशीपुर के अंतर्गत लालकुआँ जंक्शन स्टेशन पर रेलवे लाइनों का विस्तार एवं यार्ड रिमॉडलिंग के कार्य से जुड़े अर्थवर्क, ब्लैंकेटिंग, पुलों का विस्तार, बैलास्ट सप्लाई, ट्रैक का कार्य, बिल्डिंग का कार्य एवं अन्य संबंधित कार्य, **अनुमानित लागत** : रु. 17,87,35,472.99, **बयाना राशि** : रु. 35,74,700/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 12 माह।

1. ई-निविदा दिनांक 27.08.2026 को 15.00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।
2. ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी.)
मुजाधि/डब्ल्यू-258 इज्जतनगर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

संख्याः NER-BSB0SnT-OT-42-2026

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार/ पूर्वोत्तर रेलवे /वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रमांक :** 1, **निविदा सूचना सं. एवं कार्य का नाम :** NER-BSB0SnT-OT-42-2026 **कार्य का नाम :–** वाराणसी मंडल में मीडिया रिडंडेंसी के रूप में IBH सेक्शन में एक्सल काउंटर के लिए 6 क्वाड केबल का प्रावधान। (कुल 4 IBH), **विवरण : अनुमानित लागत :** ₹14469448.77, **बयाना की राशि :** ₹289400.00, **निविदा प्रपत्र की कीमत :** ₹00.00, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 180 DAYS, **निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय :** 28/08/2026 को 15:00 बजे, 1. ई–निविदा दिनांक 28/08/2026 को 15:00 बजे तक ऑन लाईन जमा किया जा सकेगा। 2. पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेलवे की वेवसाईट i.e. www.ireps.gov.in देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिग एवं दूरसंचार
मुजाधि/सिग्नल–90 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय ग्राम पंचायत फत्तेपुर विकास खण्ड लखीमपुर, खीरी

पत्रांक - मेमो/ वी0बी0जी0 राम जी/ वित्तीय वर्ष 2026-27 दिनांक 04.08.2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में वी0बी0जी0 राम जी वित्त योजना के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत फत्तेपुर में अनुमोदित कार्ययोजना के सापेक्ष निम्न लिखित सारणी में अंकित कार्य हेतु निर्माण सामग्री की आपूर्ति किये जाने हेतु अति अल्प कालीन निविदा दिनांक 06.08.2026 से आमंत्रित की जाती है, सभी पंजीकृत निविदा सीलबंद लिफाफे में रजिस्टर्ड डाक से अथवा कार्यालय ग्राम पंचायत के निविदा बॉक्स में 12.08.2026 तक आमंत्रित की जाती है जो कि उसी दिन 02 बजे खोली जाएगी। निविदा की दरें समस्त व्यय व कर एवं कार्य स्थल पर आपूर्ति करने सहित दी जाये, अलग से कोई व्यय देय नहीं होगा। किसी भी एक या सभी निविदा को निरस्त करने का एवं सामग्री की मात्रा को घटाने अथवा बड़ाने का सम्पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

क्र.सं.	कार्य का नाम	सामग्री	अनुमानित लागत
1	कृपाली के मकान से थाना खीरी पुलिया तक नाला निर्माण कार्य।	सीमेन्ट, मौरंग, रोड़ा बालू आदि।	942710.00

श्रीमती पुष्पा देवी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत फत्तेपुर
विकास खण्ड लखीमपुर, खीरी

श्री अलोक कुमार
ग्राम पं. अधिकारी
ग्राम पंचायत फत्तेपुर
विकास खण्ड लखीमपुर, खीरी

ठेकेदार ने मजदूर दंपती को पीटा

लखनऊ। दिहाड़ी मजदूरी कर परिवार का पेट पालने वाले रामराज और उनकी पत्नी पूनम को अपनी मेहनत की कमाई मांगने पर ठेकेदारो के कहर का सामना करना पड़ा। रामराज(अस्थायी निवासी खुर्दही बाजार, माढामऊ) और उनकी पत्नी पूनम पिछले करीब तीन महीने से ठेकेदार संदीप और हर्षित के साथ मजदूर के रूप में काम कर रहे थे।एक जुलाई 2026 से पहले तक का भुगतान मिल चुका था, लेकिन उसके बाद की मजदूरी अब तक नहीं दी गई। जब रामराज ने बकाया राशि की मांग की तो विपक्षीगण ने प्लास और हथौड़ी से उनकी पिटाई कर दी।

फर्जी एनओसी और 75 दिन अनुपस्थिति के आरोप में प्रोफेसर की बर्खास्तगी रद

विधि संवाददाता

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं प्रोफेसर महरुख मिर्जा की बर्खास्तगी का आदेश निरस्त कर दिया। कोर्ट ने प्रो. मिर्जा को बहाल करने तथा वेतन देने का निर्देश दिया है। हालांकि कोर्ट ने 10 मार्च 2024 से निर्णय की तारीख तक उन्हें आधे वेतन का ही हकदार माना गया।

यह फैसला न्यायमूर्ति राजीव सिंह की एकल पीठ ने प्रो मिर्जा की याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया है। याचिका दाखिल कर प्रो. मिर्जा ने 10 मार्च 2024 के बर्खास्तगी आदेश, अनुशासनात्मक समिति की 25 नवंबर 2023 की जांच रिपोर्ट, कार्यकारिणी परिषद के निर्णय तथा 30 सितंबर 2021 की पूरक जांच रिपोर्ट को चुनौती देते हुए सेवा में बहाली और सभी परिणामी लाभ देने की मांग की थी।

सुनवायी के बाद कोर्ट ने पाया कि फर्जी एनओसी का आरोप ठोस साक्ष्य से साबित नहीं हुआ। कथित फर्जी हस्ताक्षरों का विशेषज्ञ से सत्यापन भी नहीं कराया गया था। तत्कालीन प्राचार्य के भाई का बयान भी निर्णायक नहीं माना गया, क्योंकि संबंधित प्राचार्य को नोटिस देकर उनका पक्ष नहीं लिया गया था। 75 दिन बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं कराने के आरोप पर कोर्ट ने कहा कि केवल बायोमेट्रिक नहीं लगाने से अनुपस्थिति साबित नहीं होती।

प्रोफेसर ने कक्षाएं लेने और सीसीटीवी फुटेज से उपस्थिति सत्यापित होने की बात कही थी, लेकिन फुटेज की जांच नहीं की गई। शिक्षकों की नियुक्तियों में अनियमितता के आरोपों में भी बाद में कई नियुक्तियां वैध पाई गईं। कोर्ट ने कहा कि जांच समिति ने कई निष्कर्ष अनुमान और अटकलों के आधार पर निकाले।

ललित कला अकादमी के स्थापना दिवस पर सजी सुरमयी शाम

लखनऊ। ललित कला अकादमी, क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ के 72वें स्थापना दिवस के अवसर पर आज सायं 4 बजे व्याख्यान कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय शास्त्रीय, उपशास्त्रीय एवं लोक-संगीत की विविध विधाओं की मनोहारी प्रस्तुतियों ने उपस्थित कला-प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की उपाध्यक्ष एवं सुप्रसिद्ध शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायिका श्रीमती विभा सिंह ने अपनी गायन प्रस्तुति से समां बांधा।

उन्होंने राग मेघ मल्हार, सोहनी एवं जोग में बंदिश तराना तथा ठुमरी, कजरी, चैती एवं दादरा सहित शास्त्रीय उपशास्त्रीय एवं लोक-संगीत की विभिन्न विधाओं की प्रस्तुति दी। उनकी गायकी में भारतीय संगीत की समृद्ध परंपरा, भाव-संवेदना और लोक-संस्कृति की मधुर छटा देखने को मिली। इसी क्रम में अथर्व प्रताप सिंह, कुशल एवं प्रतिभाशाली बांसुरी वादक ने अपनी मनोहारी प्रस्तुति दी। उन्होंने बांसुरी पर राग शुद्ध सारंग में बड़ा ख्याल एवं छोटा ख्याल जोड़ झाला तथा लय कारियों का सुंदर प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात उन्होंने कुछ पारंपरिक धुनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भारतीय संगीत की विविधता एवं मधुरता से परिचित कराया। उनकी बांसुरी वादन की प्रस्तुति को उपस्थित श्रोताओं ने खूब सराहा। इस अवसर पर प्रस्तुतियों ने भारतीय संगीत की शास्त्रीय परंपरा और लोक-संवेदना के सुंदर समन्वय को साकार किया। कार्यक्रम ने कला एवं संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन तथा नई पीढ़ी तक भारतीय संगीत की समृद्ध विरासत को पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन अकादमी के सचिव डॉ देवेन्द्र त्रिपाठी जी के संयोजन में ललित कला अकादमी, क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ में किया गया।

सावन : बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ा श्रद्धालुओं का हुजूम

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। सावन के पहले बुधवार को मोहान रोड स्थित बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में भोर से ही भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। यहां हजारों भक्तों ने बुद्धेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना की। यह सिलसिला देर रात तक चलता रहा और बाबा के जयकारों से इलाका गूंजता रहा। भोर की आरती और पूजन के बाद मंदिर के कपाट खुले।

बुधवार को दर्शनों की विशेष मान्यता के चलते आसपास के इलाकों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु जुटे। वहीं, बुद्धेश्वर महादेव मेले में भी बच्चों ने जमकर झूला-चकरी का लुत्फ उठाया। वहीं, लोगों ने मेले में लगी सैकड़ों स्टॉलों पर जमकर खरीददारी की। सावन के पहले बुधवार को बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही भक्तों की कतारें दूर-दूर तक लगना शुरू हो गई। कतारों में दोपहर तक महिलाओं की संख्या अधिक रही। वहीं, शाम तक पुरुष श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता रहा। लोगों को दर्शन-पूजन के लिए घंटों कतार में लगकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। पूजा-अर्चना के बाद भक्तों ने सीता कुंड के भी दर्शन किए। रात की महाआरती में मंदिर परिसर खचाखच भरा था। भक्तों की मंदिर परिसर से बाहर तक कतार लगी रही। महाआरती के बाद मेला परवान चढ़ा। यहां लोगों ने जमकर खरीददारी करने के साथ ही स्टॉलों पर विभिन्न लजीज व्यंजनों का स्वाद चखा। बच्चों ने झूला झूले तो बड़ों ने घरेलू सामान खरीदा। आलमनगर रेलवे क्रॉसिंग से लेकर बुद्धेश्वर मंदिर चौराहे और भपटामऊ गांव के किनारे-किनारे तक लगने वाले मेले में शाम तक खूब चहल-पहल रही। हालांकि पहला बुधवार होने के चलते भीड़ पिछले साल की अपेक्षा कम रही। ट्रैफिक डायवर्जन के बावजूद कुछेक बाइक सवार मेला क्षेत्र से गुजरे तो दुकानदारों से छिटपुट कहासुनी भी हुई।

महादेव का किया अभिषेक : बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में सावन के पहले बुधवार को आस्था का सैलाब उमड़ा। मंगलवार देर रात से भक्तों के आने का सिलसिला बुधवार रात 12 बजे तक चलता रहा। पूरा दिन बम-बम भोले के जयकारों के साथ भक्तों ने भगवान शिव के दर्शन किए। वहीं, दूध, दही, शहद गंगाजल, बेलपत्र, भांग, धतूरा, कमलपुष्प से महादेव का अभिषेक किया। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने मेले में भी खूब आनंद लिया।

महाआरती के बाद भक्तों ने किये दर्शन: श्री बुद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रबंध समिति की अध्यक्ष व मंदिर की महन्त लीलापुरी ने बताया कि मंदिर के कपाट देर रात खोल दिए गए थे और भोर तीन बजे महाआरती हुई। महाआरती के समय भक्तों को दर्शन के लिए रोक दिया गया था। आरती होने के बाद फिर दर्शन शुरू हो गए। उन्होंने बताया कि मान्यता है कि बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में चार बुधवार को भगवान शिव का जलाभिषेक करने से सभी मनौतियां पूरी हो जाती हैं।

भारी संख्या में उमड़ते हैं शिवभक्त: हर वर्ष बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में सावन माह में लाखों श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचते हैं। विशेषकर बुधवार को तो मंदिर में इतनी भीड़ होती है कि सड़कों पर यातायात भी प्रभावित होता है। प्रशासन की ओर से भीड़ प्रबंधन हेतु यातायात पुलिस और सिविल डिफेंस की सहायता ली जाती है। क्षेत्रीय पार्षद धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि नगर निगम को विशेष रूप से सफाई और जल निकासी को लेकर सचेत किया गया है और उम्मीद जताई कि जल्द ही आवश्यक कार्रवाई होगी।

मेले में रही भीड़: मेले में भी भक्तों का उत्साह देखते ही बना। जगह-जगह लगे फास्ट फूड व चाट के ठेलों पर भीड़ जुटी रही। वहीं, महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीदारी की। सोन पापड़ी, पट्टी व अंदरसे की गोलियों की खूब ब्रिकी हुई। साथ ही मेले में बच्चों व महिलाओं ने जाइंट वील, ब्रेक डांस, मिक्की माउस आदि झूलों का जमकर आनन्द लिया। मंदिर में शिव भक्तों की ओर से जगह-जगह भंडारे का आयोजन भी किया गया।

बुधवार के धार्मिक महत्व की झलक: बुधवार को भगवान शिव की विशेष पूजा का महत्व शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में बुधवार को दर्शन करने से संकटों से मुक्ति, कर्ज से छुटकारा, और संपत्ति वृद्धि जैसी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इसलिए सावन माह के प्रत्येक बुधवार को देशभर से शिवभक्त यहां उमड़ते हैं।

मैथिलीशरण गुप्त भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं : डॉ . पवन अग्रवाल

प्रेमचन्द, मैथिलीशरण गुप्त एवं जगदीश गुप्त स्मृति समारोह

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा प्रेमचन्द, मैथिलीशरण गुप्त एवं जगदीश गुप्त की स्मृति में बुधवार को एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन हिन्दी भवन के प्रेमचन्द सभागार, हिन्दी भवन लखनऊ में किया गया। दीप प्रज्वलन, माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण, पुष्पार्पण के उपरान्त वाणी वंदना डॉ० कामिनी त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत की गयी।

अतिथि डॉ. राकेश कुमार शुक्ल, डॉ. पवन अग्रवाल एवं डॉ. ओंकारनाथ द्विवेदी का स्वागत उत्तरीय एवं स्मृति चिह्न भेंट कर डॉ. अमिता दुबे, प्रधान सम्पादक, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ द्वारा किया गया। डॉ. राकेश कुमार शुक्ल ने कहा- मुंशी प्रेमचन्द का कहना था यथार्थ चित्रण साहित्य का उद्देश्य होना चाहिए। प्रेमचन्द के साहित्य में तीनों, कालों भूत, वर्तमान व भविष्य का चित्रण मिलता है। उनके साहित्य में भारत की स्वत्रंता के प्रति भावों का उल्लेख मिलता है। उनके साहित्य में महात्मा गांधी जी के आदर्शों की झलक दिखायी पड़ती है। प्रेमचन्द साहित्य एवं परम्पराओं में सुधार के पक्षधर थे। उनके साहित्य में सत्य-असत्य, धर्म-न्याय के बीच द्वंद्व दिखायी देता है। 'प्रेमाश्रम' रचना में उन्होंने किसानों के आन्दोलन को नई दिशा प्रदान की। प्रेमचन्द किसानों एवं मजदूरों की दूर्दशा को दूर करने व उनका जीवन सुखमय बनाने हेतु अपने साहित्य में मार्गदर्शन करते हैं। मुंशी प्रेमचन्द एक भविष्य द्दष्टा के रूप में हमारे सामने आते हैं। प्रेमचन्द अपनी रचनाओं के माध्यम से आज भी प्रासंगिक है। डॉ० पवन अग्रवाल ने कहा- मैथिलीशरण गुप्त भारतीय संस्कृति के संवाहक हैं। मैथिलीशरण गुप्त जी परम्पराओं को तोड़े बिना आधुनिक काल को व्याख्यायित करने में समर्थ हैं। भारत-भारती रचना गुप्ता की महत्वपूर्ण रचना है। गुप्त जी नारी स्वतंत्रता के पक्षधर थे, किन्तु स्वच्छन्दता के पक्ष में नही थे। मैथिलीशरण गुप्त लोकधर्मी कवि हैं। मैथिलीशरण गुप्त महात्मा गांधी जी के विचारों से काफी प्रभावित थे। गुप्त जी की रचना 'साकेत' में श्री रामचन्द जी के बारे में वर्णन मिलता है। मैथिलीशरण को महात्मा गांधी जी ने 'राष्ट्रकवि' की उपाधि प्रदान की थी। गुप्त जी की रचनाओं में नहुष, यशोधरा, गुरुकुल, जयद्रथवध प्रमुख हैं। गुप्त जी मानवतावादी कवि के रूप में साहित्य में दिखायी पड़ते हैं। मैथिलीशरण गुप्त नवजागरण के नायक के रूप में भी सामने आते हैं। डॉ० ओंकारनाथ द्विवेदी ने कहा- जगदीश गुप्त जी ने मैथिलीशरण गुप्त के जन्मदिन को 'कवि दिवस' के रूप में मनाने का सबसे पहला प्रस्ताव किया था। जगदीश गुप्त एक सहृदय कवि के रूप में जाने जाते थे। जगदीश गुप्त को ब्रज भाषा का काफी अच्छा ज्ञान था। उन्होंने नई कविता को आगे बढ़ाने का काम किया। जगदीश गुप्त जी एक बहुत बड़े चित्रकार थे, तैलचित्रों का निर्माण भी उनके द्वारा किया गया। उनकी रचनाएं आज भी प्रासंगिक हैं। जगदीश गुप्त जी कहते थे कि चित्रकला सभी कलाओं की आँख है। वे कविता को मनुष्यता की मातृभाषा मानते थे। कविता में स्मृतिशीलता होती है।

लखनऊ के वेद बटुकों का राष्ट्रीय स्तर पर बजा डंका

लखनऊ। श्री ओम चैरिटेबल ट्रस्ट, चेन्नई (तमिलनाडु) द्वारा आयोजित 'राष्ट्रीय वैदिक खोज प्रतिभा प्रतियोगिता 2026' में लखनऊ के 'श्री बाबा नीब करौरी जी वेद विद्यालय, हनुमान सेतु' के छात्रों ने अपनी मेधा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए संपूर्ण उत्तर प्रदेश का नाम रोशन किया है। विद्यालय के पांच बटुकों ने 'शुक्लयजुर्वेद माध्यन्दिनीय संहिता' की त्रि-स्तरीय चतुर्वेद मूलांत परीक्षा विशिष्ट सम्मान के साथ उत्तीर्ण की। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में जनवरी, मार्च एवं अप्रैल माह में देश भर के विशिष्ट वैदिक विद्वानों के पैनल द्वारा ऑनलाइन माध्यम से वेद मंत्रों का गहन श्रवण एवं परीक्षण किया गया था। कठिन कसौटी पर खरे उतरते हुए हनुमान सेतु वेद विद्यालय के पांचों छात्रों ने विशेष योग्यता सूची में स्थान बनाया। सफलता अर्जित करने वाले मेधावी छात्रों और उनके गुरु को 1 एवं 2 अगस्त 2026 को चेन्नई स्थित 'श्री कृष्ण स्वामी कल्याण मंडपम्' में आयोजित भव्य राष्ट्रीय सम्मान समारोह में आमंत्रित किया गया था। सम्मानित छात्रों में विष्णु जी शुक्ल, तेजस तिवारी, अस्तित्व मिश्र, मोहित पाठक एवं अमरेन्द्र अवस्थी। सम्मानित गुरुः आचार्य श्याम शंकर द्विवेदी। समारोह में ट्रस्ट की ओर से सभी शिष्यों एवं गुरुजन को सम्मान पत्र, अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न तथा नकद धनराशि देकर अलंकृत किया गया। इसके साथ ही आयोजकों द्वारा लखनऊ से चेन्नई तक की संपूर्ण आवाजाही के लिए वातानुकूलित तृतीय श्रेणी का रेल मार्गव्यय भी प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय वैदिक महाकुंभ में उत्तर प्रदेश के प्रमुख धार्मिक व सांस्कृतिक केंद्रों—लखनऊ, प्रयागराज (प्रयाग) एवं वाराणसी (काशी)—के कुल 11 वेदाध्यायी छात्रों तथा 5 विद्वान गुरुओं को उनकी विशिष्ट वैदिक सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। हनुमान सेतु वेद विद्यालय की इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधन एवं स्थानीय प्रबुद्ध जनों ने गुरु व सभी बटुकों को बधाई दी है और इसे भारतीय संस्कृति व सनातन परंपरा के संरक्षण की दिशा में एक स्वर्णिम अध्याय बताया है।

श्रद्धा पूर्वक कल मनाया जायेगा गुरु हरकिशन साहिब जी का प्रकाश पर्व

लखनऊ। ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी यहियागंज में 7 अगस्त शाम 7:00 बजे से 11:00 बजे तक श्री गुरु हरकिशन साहिब जी का प्रकाश पर्व बड़ी श्रद्धा एवं उल्लास पूर्वक मनाया जाएगा। गुरुद्वारा सचिव मनमोहन सिंह हैप्पी ने बताया कि डॉक्टर गुरमीत सिंह के संयोजन में इस अवसर पर विशेष रूप से रुद्रपुर से आए भाई गुरविंदर सिंह जी शबद कीर्तन द्वारा सगंतो को निहाल करेंगे। कार्यक्रम की समाप्ति पर मिष्ठान प्रसाद एवं गुरु का अटूट लंगर वितरित होगा।

रुद्र शंकर मिश्रा ने कथक की मनमोहक प्रस्तुति से समां बांधा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय, लखनऊ के तत्वावधान में आज विश्वविद्यालय के कला मण्डपम सभागार में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी के उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार से सम्मानित एवं दूरदर्शन के ग्रेडेड कलाकार पंडित रुद्र शंकर मिश्रा द्वारा कथक नृत्य की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह, कार्य परिषद सदस्य प्रो. मंजुला चतुर्वेदी पंडित रुद्र शंकर मिश्रा एवं डॉ. हेमचंद्र पालीवाल द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया। पंडित रुद्र शंकर मिश्रा ने अपनी प्रस्तुति का शुभारंभ शिव तांडव से करते हुए तीनताल में उपज एवं तिहाई की मनोहारी प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति में भाव, गति एवं ताल का अद्वितीय समन्वय देखने को मिला, जिसने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष रूप से उनके अभिनव पद संचालन, सशक्त तत्कार तथा प्रभावपूर्ण भावाभिनय ने विद्यार्थियों एवं दर्शकों की भरपूर सराहना अर्जित की। समापन प्रस्तुति में राघवेन्द्र शर्मा द्वारा रचित एवं स्वरबद्ध गीत झूला लागे रे लागे आनंद वन मा पर कथक नृत्य प्रस्तुत किया गया, जिसने कार्यक्रम को एक भावपूर्ण एवं मधुर परिणति प्रदान की। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उनके अनेक जिज्ञासापूर्ण प्रश्नों का सहज एवं सारगर्भित उत्तर दिया, जिससे विद्यार्थियों को कथक की बारीकियों को समझने का महत्वपूर्ण अवसर प्राप्त हुआ। इस प्रस्तुति में तबले पर उदय शंकर मिश्रा द्वारा उत्कृष्ट संगत दी गई, जबकि गायन में राघवेन्द्र शर्मा की मधुर स्वर लहरियों ने कार्यक्रम को और भी समृद्ध बना दिया।

पंडित रुद्र शंकर मिश्रा बनारस के प्रसिद्ध प्रिया बंधु जोड़ी के प्रख्यात कथक नर्तक पंडित माता प्रसाद मिश्रा के सुपुत्र एवं पंडित रवि शंकर मिश्रा के भतीजे व शिष्य हैं। उन्होंने काशी हिंदू विश्वविद्यालय से कथक नृत्य में स्नातकोत्तर तथा पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त कर रहे है। वे आचार्य सुखदेव महाराज की बनारस घराने की परंपरा से जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन भारतीय शास्त्रीय कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विद्यार्थियों को अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे महान कलाकारों से विद्यार्थियों को सीखने की प्रेरणा लेनी चाहिए, जिससे वे अपनी कला को और अधिक निखार सकें। विश्वविद्यालय के कुलसचिव एस. पी. सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष में इस प्रकार के संयुक्त आयोजन विद्यार्थियों को श्रेष्ठ कलाकारों से सीधे जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं, जिससे उनकी कला के प्रति समझ और अधिक गहरी होती है। विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है।

सैनिक और साधु दोनों ही रखवाले होते हैं : विहसंत सागर जी महाराज

लखनऊ। आशियाना में आयोजित जैन समाज के वर्षायोग महोत्सव के अंतर्गत आशियाना दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान पूज्य उपाध्याय श्री 108 वीहसंत सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि सैनिक और साधु दोनों ही समाज एवं राष्ट्र के सच्चे रखवाले होते हैं। जिस प्रकार सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा करता है और बाहरी आक्रमणकारियों तथा अराजक तत्वों से राष्ट्र को सुरक्षित रखता है, उसी प्रकार साधु समाज को कुरीतियों, कुसंगतियों और बुरी प्रवृत्तियों से बचाने का कार्य करते हैं। उपाध्याय श्री ने कहा कि यदि सैनिक न हों तो देश की सीमाएं असुरक्षित हो जाएंगी और विदेशी शक्तियां तथा असामाजिक तत्व राष्ट्र की शांति एवं व्यवस्था को भंग कर सकते हैं। उसी प्रकार यदि समाज में साधुओं का मार्गदर्शन न मिले तो कुरीतियां, बुरी आदतें और विकृत विचारधाराएं तेजी से समाज में फैलने लगेंगी, जिससे परिवारों और समाज में विघटन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए साधु-संत समाज को सदाचार, संयम और संस्कारों की दिशा प्रदान करते हैं। अपने प्रवचन के दौरान उपाध्याय श्री ने धर्म, संस्कार और नैतिक मूल्यों के संरक्षण पर विशेष बल देते हुए उपस्थित श्रद्धालुओं से जीवन में सदाचार एवं संयम को अपनाने का आह्वान किया। आज की सभा में मुख्य रूप से आदिश कुमार जैन, चंद्रप्रकाश जैन, नलिन राज काजलीवाल, अजय जैन, बृजेश जैन बंटी, अभिषेक जैन, संजीव जैन, राजेश जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कार्यालय जिला पंचायत-बहराइच

पत्रांक -: 326 /नि.सू./ नि.अनु./ जि.प.बह./ 2026-27 **दिनांक : 04 अगस्त, 2026**

-: निविदा सूचना (अतिअल्पकालिक) :-

पंचम राज्य वित्त आयोग योजनान्तर्गत वर्ष 2026-27 में स्वीकृत निम्नलिखित परियोजनाओं पर निर्माण कार्य कराये जाने हेतु जिला पंचायत, बहराइच तथा प्रदेश की अन्य जिला पंचायतों में पंजीकृत ठेकेदारों तथा राज्य सरकार के सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से राष्ट्रीय पर्व 15 अगस्त, 2026 से पूर्व स्थापना के द्दष्टिगत कार्यालय जिला पंचायत, बहराइच में आफलाइन निविदाएं दिनांक 11.08.2026 तक पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 3.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा आमंत्रण उपरान्त दिनांक 11.08.2026 को ही अपरान्ह 3.30 बजे निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी !

निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 10.08.2026 तक पूर्वान्ह 11.00 से सायं 5.00 बजे तक कार्यालय जिला पंचायत, बहराइच, कार्यालय मुख्य विकास अधिकारी, बहराइच तथा कार्यालय जिलाधिकारी, बहराइच के न्यायालय सभाकक्ष से की जायेगी, तथा उपरोक्त टेण्डर बिक्री के स्थान पर रखे गये टेण्डर बाक्स में टेण्डर डाले जायेंगे। सशर्त निविदा स्वीकार नही होगी। सभी कार्यों को पूर्ण करने की अवधि तीन माह होगी। निर्माण कार्यों का क्रियान्वयन लोक निर्माण विभाग के मानक तथा प्राक्कलन के अनुसार सम्पादित करना अनिवार्य होगा, इसमें किसी प्रकार का बिचलन नहीं किया जायेगा। निर्माण कार्य की गुणवत्ता आगणन एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित की जायेगी। निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित है । परियोजनाओं/कार्यों का विवरण निम्नलिखित है :-

क्रमसं. /लाट सं.	परियोजना का नाम	लागत (रु. में) जी.एस.टी. सहित	2 प्रतिशत अग्रिम/ धरोहर धनराशि	निविदा शुल्क GST सहित
1	2	3	4	5
1	विकास खण्ड-तेजवापुर में नेवादा चौराहे पर 50 फिट ऊँचा पाइप एवं मोटराइज विन्च सिस्टम के साथ स्थायी राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना कार्य ।	310200	6204	118
2	विकास खण्ड-रिसिया में मटेरा चौराहे पर 50 फिट ऊँचा पाइप एवं मोटराइज विन्च सिस्टम के साथ स्थायी राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना कार्य ।	310200	6204	118
3	विकास खण्ड-रिसिया में रिसिया बाजार में 50 फिट ऊँचा पाइप एवं मोटराइज विन्च सिस्टम के साथ स्थायी राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना कार्य ।	310200	6204	118
4	विकास खण्ड-नवाबगंज में नवाबगंज चौराहे पर 50 फिट ऊँचा पाइप एवं मोटराइज विन्च सिस्टम के साथ स्थायी राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना कार्य ।	310200	6204	118
5	विकास खण्ड-हुजूरपुर में हरिहरपुर चौराहे पर 50 फिट ऊँचा पाइप एवं मोटराइज विन्च सिस्टम के साथ स्थायी राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना कार्य ।	310200	6204	118
6	विकास खण्ड-हुजूरपुर में कुट्टी बाजार में 50 फिट ऊँचा पाइप एवं मोटराइज विन्च सिस्टम के साथ स्थायी राष्ट्रीय ध्वज की स्थापना कार्य ।	310200	6204	118

निविदा की मुख्य शर्ते :-

1. प्रत्येक कार्य की निविदा लागत के समतुल्य बिड कैपेसिटी (Bid Capacity) तथा अन्य विभागों में प्राप्त /चालू कार्यों का विवरण नोटरी शपथ पत्र के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। अन्यथा की दशा में निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा।
2. प्रत्येक निविदादाता को प्रत्येक कार्य की निविदा के साथ निविदा शुल्क की पृथक-पृथक धनराशि का बैंक ड्राफ्ट/डिमाण्ड ड्राफ्ट जो राष्ट्रीयकृत बैंक/शेडयूल बैंक से 'अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, बहराइच' के पक्ष में निर्गत हो तथा देय हो निविदा के साथ संलग्न किया जायेगा तथा 2 प्रतिशत अग्रिम धरोहर धनराशि की एफ.डी.आर./टी.डी.आर. जो राष्ट्रीयकृत/शेड्यूल्ड बैंक से निर्गत हो या डाक विभाग द्वारा निर्गत राष्ट्रीय बचत पत्र (एन.एस.सी.) जो अद्यतन वैध हो तथा अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, बहराइच के पद नाम से बन्धक हो, निविदा के साथ पृथक-पृथक संलग्न किया जायेगा, और अनुबन्ध से पूर्व अवशेष 8 प्रतिशत धनराशि की FDR/TDR/NSC जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा शुल्क तथा धरोहर धनराशि कार्यालय में प्रपत्र-5 से जमा की जा सकती है
3. प्रत्येक निविदादाता को निविदा के साथ अद्यतन (जो निविदा खुलने की तिथि में वैध हो) का चरित्र प्रमाण पत्र हैसियत प्रमाण पत्र, ठेकेदारी पंजीयन प्रमाण पत्र, रू. 100 के स्टाम्प पर स्वघोषणा पत्र (टी-6), पैन कार्ड, जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन प्रपत्र, श्रम विभाग को पंजीयन, सम्बन्धित कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न किया जायेगा।
4. शासनादेश संख्या 1791/33-26-2020-198जी/2018 दिनांक 07 सितम्बर, 2020 के द्वारा निविदा की बिड खोले जाने के उपरान्त सफल निविदादाता होने के 21 दिवस के उपरान्त निविदा स्वतः निरस्त मानी जायेगी एवं निविदादाता के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही करते हुए उसका पंजीयन निरस्त कर काली सूची में डालने की भी कार्यवाही की जायेगी ।
5. शासनादेश संख्या 622/23-12-2012-2आडिट/08टी.सी.-2 दिनांक 08 जून 2012 के अनुसार 10 प्रतिशत से अधिक Below पर 1 प्रतिशत प्रति 1 प्रतिशत कम दर पर अतिरिक्त सिक्योरिटी/ परफारमेन्स गारन्टी ली जायेगी। सिक्योरिटी /परफारमेन्स गारन्टी जमा करने के उपरान्त ही अनुबन्ध गठन की कार्यवाही की जायेगी। निविदादाता द्वारा उक्त धनराशि जमा न किये जाने पर उसकी धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। समस्त निविदादाताओं/ ठेकेदारों को निर्गत आदेश कार्यालय - ज्ञाप संख्या 459 /जि.पं./चि.अनु./2024-25 दिनांक 06 नवम्बर, 2024 का अनुपालन किया जायेगा। निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्री परीक्षण में गुणवत्ता संतोषजनक पारो जाने पर भुगतान की कार्यवाही की जायेगी। निर्माण कार्यों का डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड 2 वर्ष है ।
6. ठेकेदार की विफलता के कारण ठेका मध्य अवधि में निरस्त किया जाता है तो उस परियोजना को अन्य ठेकेदार/एजेन्सी से पूर्ण कराने में होने वाली अतिरिक्त व्यय को प्रथम ठेकेदार की जमानत, स्थायी जमानत या अन्य देयकों से प्रतिपूर्ति की जायेगी !

(रवीन्द्र सिंह)	(डॉ. वीरेन्द्र बहादुर)	(मंजू सिंह)
अभियन्ता	अपर मुख्य अधिकारी	प्रशासक
जिला पंचायत, बहराइच	जिला पंचायत, बहराइच	जिला पंचायत, बहराइच

संक्षेप

साइबर ठगों ने लगायी चपत

आजमगढ़। इंस्टाग्राम पर ड्रोन कैमरा खरीदने का विज्ञापन देखकर लिंक पर भुगतान करना बरदह थाना क्षेत्र के एक युवक को भारी पड़ गया। साइबर ठगों ने उसके खाते से 3,400 की रकम उड़ा दी। हालांकि पीड़ित की शिकायत पर बरदह साइबर हेल्प डेस्क ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पूरी धनराशि वापस उसके बैंक खाते में करा दी। बरदह थाना क्षेत्र के खरगीपुर निवासी अमित यादव पुत्र सुन्दर यादव ने 15 मार्च 2026 को इंस्टाग्राम पर ड्रोन कैमरा खरीदने का विज्ञापन देखा। विज्ञापन में दिए गए लिंक पर क्लिक करने के बाद उन्होंने भुगतान किया, लेकिन इसके बाद उनके साथ 3,400 की साइबर ठगी हो गई। ठगी का पता चलते ही पीड़ित ने उसी दिन एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत 5 दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही बरदह साइबर हेल्प डेस्क सक्रिय हो गई। पुलिस टीम ने संबंधित बैंक खाते में ठगी की रकम को तत्काल होल्ड कराया। इसके बाद आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूरी कर एमआरएम पोर्टल के माध्यम से ठगी की पूरी रकम 3,400 पीड़ित के बैंक खाते में वापस करा दी गई। रकम वापस मिलने के बाद पीड़ित ने राहत की सांस ली।

लाभार्थियों को चयन पत्र बांटे गये

मीरजापुर। प्रदेश की योगी सरकार द्वारा किसानों की आय दोगुनी करने के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के प्रयास के तहत बुधवार को विकास भवन स्थित सभागार में डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के 28 लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किए गए व उन्नत नस्ल के पशुपालन, पशु रोग के रोकथाम, डेयरी एवं पशुपालन की विभागीय योजना के बारे में जानकारी प्रदान की गई। नंदबाबा दुग्ध मिशन के नोडल अधिकारी मनोज दुबे ने कहा कि प्रदेश सरकार गो-सरंक्षण, संवर्धन के साथ-साथ आमजन मानस को रोजगार से भी जोड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार के छोटे से प्रयास से उनकी आर्थिक समृद्धि के द्वार खुलेंगे। इस अवसर डीसी मनरेगा श्वेतांक सिंह, पशु चिकित्सा अधिकारी संदीप सिंह, पशु विज्ञान एवं पशु संकाय विभाग बीएचयू के प्रोफेसर धनंजय सिंह आदि मौजूद रहे।

कार की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के बामी गांव में स्थित राष्ट्रीय मार्ग पर साइकिल से जारहे व्यक्ति की आर्टिका कार से टक्कर लगने के कारण बुधवार को अपराह्न मौत हो गई।? मौत की खबर से घर में कोहराम मच गया। मृतक के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लालगंज थाना क्षेत्र के बामी गांव निवासी 40 वर्षीय नूर मोहम्मद बामी स्थित घर से साइकिल से निकल कर हाइवे पर पहुंचे ही थे की पीछे से आ रही जौनपुर नंबर की आर्टिका कार ने जोरदार टक्कर मार दिया। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस से मंडलीय अस्पताल ले जा रहे थे की रास्ते में मृत्यु हो गई। मृतक नूर मोहम्मद का दो पुत्रियां और एक पुत्र हैं। परिजन का रो रो कर बुरा हाल है। पुलिस मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुट गई है।

राज्यमंत्री के प्रयास से 7 मरीजों को सात लाख की सहायता

जौनपुर। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चंद्र यादव के प्रयास से मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से जनपद के सात जरूरतमंद मरीजों को उपचार के लिए कुल 7 लाख 20 हजार 150 रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। राज्यमंत्री ने बताया कि यह धनराशि संबंधित चिकित्सा संस्थानों को उपचार के लिए उपलब्ध कराई जाएगी उन्होंने बताया कि स्वीकृत लाभार्थियों में बंजरेपुर की इन्द्रावती देवी को बीएचयू के इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के लिए 1 लाख रुपये, शेखपुर सुतौली निवासी शैलेन्द्र यादव को केजीएमयूधांधी मेमोरियल एंड एसोसिएट हॉस्पिटल के लिए 1 लाख रुपये, पाल्हामऊ खुर्द निवासी रामकिशुन पाल को बीएचयू के लिए 95 हजार 150 रुपये, डेरामुआयना (कुरचनपुर) निवासी रतना देवी को बीएचयू के लिए 1 लाख रुपये, शेखपुर अशरफपुर निवासी रामजीत यादव को संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के लिए 1 लाख 50 हजार रुपये, वाजिदपुर उत्तरी निवासी निखिल राय को बीएचयू के लिए 1 लाख रुपये तथा गरोठन निवासी सविता को डॉ. राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के लिए 75 हजार रुपये की सहायता स्वीकृत की गई है।

डीएम ने किया स्टेडियम का निरीक्षण, दिए निर्देश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बुधवार को तियरा स्टेडियम का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने यूपीआरएनएसएस की तरफ से मौजूद प्रतिनिधि को विकास कार्य संबंधी कई जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टेडियम के छात्रावास भवन में सभी खिड़कियां एक जैसी लगाई जाएं। सभी कमरों व आवश्यक स्थानों पर टाइल्स लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने खिलाड़ियों की सुविधा के लिए बास्केटबॉल कोर्ट व टेबल टेनिस कोर्ट को आधुनिक तरह से विकसित करने व वहां समुचित प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही स्टेडियम परिसर की पेंटिंग उच्च गुणवत्ता के साथ कराए जाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों की सुविधा व उनकी खेल प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से कराए जा रहे कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस कार्य में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने स्टेडियम परिसर में सीसी सड़क का निर्माण कराने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) वागीश कुमार शुक्ला, जिला क्रीड़ा अधिकारी शमीम अहमद, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

योगी सरकार 6.73 करोड़ खर्च करेगी

खेल सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। इसी क्रम में तियरा स्टेडियम के जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण के 6 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि के प्रस्ताव को शासन ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। स्टेडियम के जीर्णोद्धार के लिए शासन द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण संघ लिमिटेड (यूपीआरएनएसएस) को नामित किया गया है। अब जल्द ही तियरा स्टेडियम के कायाकल्प का कार्य शुरू हो जाएगा और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित यह स्टेडियम सोनभद्र की नई पहचान बनकर उभरेगा। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि जनपद में खेल प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से तियरा स्टेडियम में के जीर्णोद्धार व आधुनिकीकरण से संबंधित 673.69 करोड़ रुपये का प्रस्ताव शासन को भेजा गया था।

कांवड़ यात्रियों की सुविधा के लिए शाहगंज में चला सफाई अभियान

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ के निर्देश के क्रम में श्रावण मास के दौरान कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके दृष्टिगत शाहगंज (घोरावल) बाजार में विशेष सफाई अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत एवं नगर पंचायत के संयुक्त प्रयास से सड़कों की सफाई, कीचड़ हटाने, नालियों की सफाई तथा जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त करने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को जिलाधिकारी. ने शाहगंज बाजार का स्थलीय निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक न पाए जाने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल व्यापक स्तर पर विशेष सफाई अभियान संचालित कराने के निर्देश दिए थे। साथ ही उन्होंने निर्देशित किया था कि श्रावण मास में शिवद्वार आने-जाने वाले कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाए तथा मार्ग पूरी तरह स्वच्छ एवं सुगम बनाए जाएं। जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में लोक निर्माण विभाग द्वारा जेसीबी मशीन के माध्यम से सड़कों पर जमा कीचड़ एवं मलबा हटाया जा रहा है। वहीं जिला पंचायत एवं नगर पंचायत की टीमों द्वारा नालियों की सफाई, कूड़ा-करकट का उठान तथा पूरे बाजार क्षेत्र की व्यापक सफाई का कार्य निरंतर कराया जा रहा है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि अभियान को पूरी गुणवत्ता एवं नियमितता के साथ संचालित किया जाए तथा कांवड़ यात्रा अवधि में स्वच्छता एवं आवागमन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

विधान परिषद में गूंजा बडैला ताल का मुद्दा

एमएलसी रामसूरत राजभर ने पर्यटन विकास की बुलंद की आवाज

जिला संवाददाता(vol)

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रामसूरत राजभर ने नियम-115 के अंतर्गत विधान परिषद में आजमगढ़ जनपद की ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक धरोहर बडैला ताल के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और पर्यटन विकास का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि लगभग 16 वर्ग किलोमीटर में फैला यह विशाल जलाशय पूर्वांचल की अमूल्य प्राकृतिक संपदा है, जिसे पर्यटन की दृष्टि से विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

एमएलसी रामसूरत राजभर के मंडलीय प्रतिनिधि सौरभ उपाध्याय ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि श्री राजभर ने सदन में कहा कि बडैला ताल अपनी अद्भुत जैव विविधता, सफेद एवं गुलाबी कमल, प्रवासी साइबेरियन पक्षियों और प्राकृतिक सौंदर्य के कारण राष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होने की अपार क्षमता रखता है। इसके बावजूद वर्षों से यह उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। उन्होंने बताया कि एमएलसी ने सरकार से मांग की है कि बेडेला ताल का वैज्ञानिक संरक्षण, सौंदर्यीकरण, वॉकिंग ट्रैक, नौकायन, बच्चों के लिए पार्क, पक्षी विहार, पर्यटक आवास एवं अन्य आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का विकास कराया जाए। इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और आजमगढ़ को पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। सौरभ उपाध्याय ने बताया कि श्री राजभर ने सदन में यह भी कहा कि बडैला ताल केवल आजमगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वांचल की प्राकृतिक धरोहर है। इसके संरक्षण एवं विकास से क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित होगी, स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा पर्यटन आधारित विकास को नई गति प्राप्त होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार इस जनहित एवं लोकमहत्व के विषय पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र ही ठोस कार्ययोजना बनाकर बेडेला ताल के समग्र विकास की दिशा में प्रभावी कदम उठाएगी।

नियमों के उल्लंघन पर इंग्लिश मीडियम स्कूल बन्द कराया

जौनपुर । करंजकला विकास खंड क्षेत्र में शिक्षा विभाग ने नियमों के उल्लंघन पर बीईओ श्रवण कुमार यादव के नेतृत्व में एसआरपीएस नरौली इंग्लिश मीडियम स्कूल को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। औचक निरीक्षण में विद्यालय शासन के निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित होता मिला। शिक्षा विभाग के अनुसार, निजी विद्यालय लंबे समय से टीन शेड में संचालित किया जा रहा था। इससे न केवल विभागीय मानकों का उल्लंघन हो रहा था, बल्कि छात्रों की सुरक्षा, शिक्षा की गुणवत्ता और उनके भविष्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका थी। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि विद्यालय प्रबंधन को पहले नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद प्रबंधन ने न तो संतोषजनक जवाब दिया और न ही निर्धारित मानकों का पालन किया। बुधवार को बीईओ ने विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान पूर्व में बताई गई सभी कमियां यथावत मिलीं और शासन के निर्देशों की अनदेखी पाई गई। इसके बाद विद्यालय को तत्काल प्रभाव से बंद करने का आदेश दिया गया। निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों ने परिसर और अभिलेखों की भी जांच की। खंड शिक्षा अधिकारी श्रवण कुमार यादव ने कहा कि शासन का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और मानक आधारित शिक्षा उपलब्ध कराना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी कर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले विद्यालयों के खिलाफ आगे भी अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्कूली बच्चों ने सीखा जीवन रक्षक कौशल

सिंगरौली, सोनभद्र। सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) की बीना परियोजना में बुधवार को विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार के प्रति जागरूक करने और उन्हें आपातकालीन स्थितियों का सामना करने के लिए सक्षम बनाने हेतु प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान अटल चिकित्सालय, बीना की टीम ने विद्यार्थियों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन), सड़क दुर्घटनाओं के दौरान तत्काल प्राथमिक उपचार, सर्पदंश की स्थिति में आवश्यक सावधानियां, जलने एवं गंभीर चोटों में त्वरित राहत के उपायों सहित रक्तचाप की जांच और सामान्य रोगों की पहचान से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके अलावा प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में समय पर सही कदम उठाने और जीवन बचाने में प्राथमिक उपचार की भूमिका के बारे में भी बताया गया गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा विद्यार्थियों में प्राथमिक उपचार के प्रति जागरूकता बढ़ाने और उन्हें आवश्यक जीवन रक्षक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से बेसिक फर्स्ट-एड ट्रेनिंग 2.0 की शुरूआत की गई है। इसके पहले चरण के तहत एनसीएल के 10 विद्यालयों के 3,200 विद्यार्थियों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस पहल के अंतर्गत अब तक 37 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से 1807 विद्यार्थियों को जीवन रक्षक कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

कांवरियों का जत्था बाबा धाम रवाना

लालगंज, मीरजापुर। स्थानीय तहसील क्षेत्र के गंगहरा कलां, रेही, बामी, लहंगपुर, दुबरा पहाड़ी, पटेल नगर, आदि गांवों से करीब 20 कांवरियों का जत्था बाई रोड बुधवार 11:30 बजे दिन सुल्तानगंज बिहार के लिए रवाना हुआ। इस दौरान बोल बम का नारा है, बाबा एक सहारा है। बाबा नगरिया दूर है, जाना जरूर है। हर हर महादेव और बोल बम के गगन भेदी जय घोष से पूरा क्षेत्र शिव मय हो गया। कावड़ियों ने बताया कि वे अपने घर परिवार, गांव, देश की सुख समृद्धि तथा मंगल कामना के लिए यह यात्रा कर रहे हैं। यात्रा का नेतृत्व कर रहे महेंद्र चौबे ने बताया कि सुल्तानगंज पहुंचकर उत्तर वाहिनी गंगा जी से जल भरकर 105 किलोमीटर पैदल यात्रा करते हुए बाबा धाम पहुंचेंगे। जहां सभी भक्त भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करेंगे। कांवड़ियां यात्रा में महेंद्र चौबे, प्रभाशंकर दुबे, दिलराज सिंह, संजय मौर्या, नागेंद्र सिंह, सत्यदेव यादव, राजू चौबे, लाला चौबे, ललित पटेल, मनोहर विश्वकर्मा, छांगुर मौर्या, रवि दुबे, विष्णु राय, नरेश गिरी, शंभू विश्वकर्मा, लालजी गुप्ता, सुदुल्ली गुप्ता आदि रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों पर मंथन

जिला संवाददाता

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 80वें स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त 2026) के आयोजन की तैयारियों के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी गंभीरता एवं समन्वय के साथ करते हुए समय से समस्त तैयारियां पूर्ण कर लें तथा किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि इस दौरान नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान एवं व्यापक वृक्षारोपण कराया जाए। संबंधित उप जिलाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के कम से कम दो वार्डों का स्वयं निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें। साथ ही 13 अगस्त से 15 अगस्त तक रात्रि में सभी सरकारी कार्यालयों, भवनों एवं स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक स्थलों पर आकर्षक तिरंगा प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि 15 अगस्त को प्रातः प्रभात फेरी, क्रॉस कंट्री रेस, सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों में ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का सम्मान, विद्यालयों में वृक्षारोपण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, वाद-विवाद प्रतियोगिता, खेलकूद प्रतियोगिताएं, दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु विशेष खेलकूद तथा समसामयिक विषयों पर गोष्ठियों का आयोजन निर्धारित कार्यक्रमानुसार कराया जाए। प्रभात फेरी, यातायात, सुरक्षा, चिकित्सा, एम्बुलेंस एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर सभी तैयारियां समय से पूर्ण करें। श्री गौड़ ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव एवं देशभक्ति का पर्व है। सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक कार्यक्रम गरिमापूर्ण, अनुशासित एवं जनभागीदारी के साथ संपन्न हो। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए आयोजन को भव्य एवं सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) रमेश चंद्र, जिला विकास अधिकारी हेमंत कुमार सिंह सहित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

औचक निरीक्षण, पांच कर्मियों का वेतन रोका

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. गंगाराम गौतम द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रंजीतपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सकीय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। निरीक्षण के समय डॉ. तूईना समीम, फार्मासिस्ट धर्मेंद्र यादव तथा लैब टेक्नीशियन प्रभावती मौर्य अनुपस्थित पाए गए। बिना पूर्व अनुमति अनुपस्थित पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन रोकने के निर्देश दिए गए तथा उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त करने के लिए भी निर्देशित किया गया। इसके उपरान्त प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र परियावा का निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी, वार्ड बॉय तथा एएनएम अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुद्दूपुर का निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित पाए गए। चिकित्सालय में टीकाकरण कार्य निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नियमित रूप से संचालित होता पाया गया। निरीक्षण के समय चिकित्सा प्रभारी को निर्देशित किया गया कि एचपीवी वैक्सीन के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा टीकाकरण से संबंधित समस्त प्रविष्टियाँ निर्धारित समय-सीमा के भीतर ई-कवच पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड की जाएँ, जिससे अभिलेखों का समुचित संधारण एवं प्रगति की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके।

उपनिरीक्षक तत्काल प्रभाव से निलंबित

आजमगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर कर्तव्य निर्वहन में घोर लापरवाही एवं अनुशासनहीनता बरतने के आरोप में पवई थाने पर तैनात उपनिरीक्षक (नागरिक पुलिस) ओमप्रकाश मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई शुरू करने के आदेश भी जारी किए गए हैं। पुलिस विभाग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उपनिरीक्षक ओमप्रकाश मिश्रा पर थाना पवई में तैनाती के दौरान पंजीकृत कई मुकदमों, जिनमें लूट का एक गंभीर मामला बाद में डकैती की धारा में परिवर्तित हुआ, की विवेचना में गंभीर लापरवाही बरतने का आरोप है। बताया गया कि उच्चाधिकारियों के बार-बार निर्देश देने के बावजूद उन्होंने अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए कोई प्रभावी प्रयास नहीं किया और मुकदमों के निस्तारण में भी रुचि नहीं दिखाई। इसके अलावा क्षेत्र में भ्रमण, वाहन चेकिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान आमजन के साथ अमर्यादित एवं दुर्व्यवहारपूर्ण व्यवहार करने तथा पुलिस विभाग की छवि धूमिल करने का भी आरोप है। प्रथम दृष्टया इन आरोपों को गंभीर मानते हुए एसएसपी ने तत्काल निलंबन की कार्रवाई की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जनपद के सभी पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया है कि वे अपने दायित्वों का निष्ठा, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। कर्तव्य के प्रति लापरवाही, अनुशासनहीनता या उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

करंट लगने से अधेड़ की मौत

आजमगढ़। अतरौलिया थाना क्षेत्र के जमीन दशाव गांव में खेत की सिंचाई के दौरान करंट लगने से 55 वर्षीय किसान की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार जमीन दशाव गांव निवासी जोखू (55) पुत्र परसु बुधवार को अपने खेत में बिजली की मोटर से सिंचाई कर रहे थे। इसी दौरान मोटर में लगे कटे हुए विद्युत तार की चपेट में आने से उन्हें जोरदार करंट लग गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि शाम करीब चार बजे तक जोखू घर नहीं लौटे तो उनकी तलाश शुरू की गई। खेत पर पहुंचने पर वह मृत अवस्था में मिले। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर पहुंची अतरौलिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं फील्ड यूनिट ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य भी जुटाए। मृतक अपने पीछे पत्नी तिजा तथा चार पुत्रों का भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के पुत्र गुलाब ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके पिता की खेत में सिंचाई के दौरान करंट लगने से मौत हुई है। थानाध्यक्ष देवेन्द्र नाथ दुबे ने बताया कि मृतक के पुत्र की तहरीर प्राप्त हो गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

जनेश्वर मिश्र के विचारों पर चलने की जरूरत:सपा

जौनपुर। समाजवादी पार्टी द्वारा चिंतक एवं दार्शनिक, पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद पं. जनेश्वर मिश्र जी की 94वीं जयंती जिला कार्यालय सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में समारोहपूर्वक मनाई गई। जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि पं. जनेश्वर मिश्र जी समाजवादी विचारधारा के प्रखर चिंतक, संघर्षशील नेता और गरीबों, किसानों, मजदूरों एवं वंचितों की आवाज थे। उन्होंने अपना पूरा जीवन समाजवादी मूल्यों और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित किया। उनके विचार और संघर्ष आज भी समाजवादियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। राकेश मौर्य ने कहा कि पं. जनेश्वर मिश्र जी के विचारों एवं आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। गोष्ठी को पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, मोहम्मद अरशद खान, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अवधनाथ पाल, दीपक विश्वकर्मा, हरिश्चंद प्रभाकर, अजय विश्वकर्मा तथा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष निजामुद्दीन अंसारी, नीरज पहलवान, राजेश यादव आदि ने संबोधित किया।

स्टार्टअप से छात्र गढ़ सकते हैं भविष्य

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में बी.ए. एलएल.बी. (ऑनर्स) प्रथम सेमेस्टर के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम के द्वितीय दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशी विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, सह-पाठ्यक्रम एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़ी गतिविधियों से परिचित कराते हुए उन्हें सकारात्मक, अनुशासित एवं स्वस्थ विश्वविद्यालय जीवन के लिए प्रेरित करना था। मुख्य वक्ता प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय जीवन प्रत्येक छात्र के लिए अपने सपनों को साकार करने का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति ही सफलता का मूल मंत्र है। आज के समय में विद्यार्थी केवल नौकरी तक सीमित न रहें, बल्कि स्टार्टअप, नवाचार और उद्यमिता को अपनाकर स्वयं रोजगार सृजित करें तथा दूसरों के लिए भी रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएं। संचालन डॉ. अनुराग मिश्र ने किया। आयोजन को सफल बनाने में डॉ. वनिता सिंह, जय सिंह, विकास सिंह सहित संस्थान के सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

छात्रा ने नदी में लगायी छलांग, मौत

जौनपुर। सिकरारा थाना क्षेत्र के बरगुदर पुल से बुधवार सुबह सई नदी में छलांग लगाकर बीएससी प्रथम वर्ष की एक छात्रा ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से करीब दो घंटे तक तलाश अभियान चलाया, जिसके बाद छात्रा का शव नदी से बरामद कर लिया गया। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई, जबकि परिजनों में कोहराम मच गया। डीहजहनिया गांव निवासी मुन्नालाल प्रजापति की पुत्री श्वेता प्रजापति क्षेत्र के गुलजारगंज-रईया स्थित एक डिग्री कॉलेज में बीएससी प्रथम वर्ष की छात्रा थी। बताया जा रहा है कि बुधवार सुबह करीब सात बजे वह किसी बात से नाराज होकर घर से साइकिल लेकर निकली और बरगुदर पुल पहुंचने के बाद सई नदी में छलांग लगा दी। पुल पर उसकी लाल रंग की साइकिल और चप्पल मिली है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुल से गुजर रहे राहगीरों ने छात्रा को नदी में कूदते देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह एवं उपनिरीक्षक विनोद सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय गोताखोरों की सहायता से नदी में तलाश अभियान चलाया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद पुल से लगभग 50 मीटर आगे छात्रा का शव बरामद कर लिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और छात्रा के परिजन मौके पर पहुंच गए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा छात्रा द्वारा यह कदम उठाए जाने के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

अधिवक्ता हत्याकाण्ड के आरोपी पर हुई रासुका के तहत कार्रवाई

मीरजापुर। नगर के कटरा कोतवाली क्षेत्र के बहुचर्चित अधिवक्ता हत्याकाण्ड में पूर्व में पंजीकृत मामले में अब हत्यारोपी के विरूद्ध एनएसए/रासुका (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980) का आदेश पारित हुआ है। बता दें कि पूर्व में थाना कोतवाली कटरा पर पंजीकृत बीएनएस व 7 सीएलए व 3/25 आयुध अधिनियम से सम्बन्धित राजेन्द्र सोनकर पुत्र शोभा सोनकर निवासी देवरी थाना विन्ध्याचल द्वारा जेल से बाहर आने के लिए न्यायालय में अपनी जमानत याचिका दाखिल की गयी है, जिसके जमानत पर जेल से बाहर आने की स्थिति में सम्भावित प्रतिकुल प्रभाव को रोकने तथा सुदृढ़ लोक व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत त्वरित निरोधात्मक कार्यवाही करते हुए पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक द्वारा रासुका (राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980) की धारा 3(2) की अनुज्ञा हेतु की गयी संस्तुति के उपरान्त जिला मजिस्ट्रेट द्वारा 4 अगस्त 2026 को आरोपी के विरूद्ध रासुका का आदेश पारित किया गया है। पुलिस के मुताबिक अधिवक्ता हत्याकाण्ड के आरोपी राजेन्द्र सोनकर का लंबा आपराधिक इतिहास है।

कमीशन बढ़ाने के लिऐ कोटेदार हड़ताल पर

जौनपुर। उचित दर विक्रेताओं (कोटेदारों) ने कमीशन बढ़ाने की मांग को लेकर बुधवार से जनपद भर में राशन वितरण कार्य पूरी तरह बंद कर दिया। हड़ताल के चलते सभी सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानें बंद रहीं, कोटेदार संघ के कार्यकारी जिलाध्यक्ष दयाशंकर निगम ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कोटेदारों को वर्तमान में मात्र 90 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन दिया जा रहा है, जबकि दिल्ली, हरियाणा, गुजरात, गोवा सहित कई अन्य राज्यों में लगभग 200 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसी समानता की मांग को लेकर पूरे प्रदेश के कोटेदार आंदोलनरत हैं। उन्होंने बताया कि जब तक सरकार कोटेदारों का कमीशन बढ़ाकर 200 रुपये प्रति क्विंटल नहीं करती, तब तक जनपद सहित पूरे प्रदेश में राशन वितरण कार्य बंद रहेगा।

संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के छात्रों ने शैक्षिक भ्रमण से पाया ज्ञान

मथुरा । संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल मथुरा के द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भरतपुर एवं जयपुर में तीन दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण किया। यह भ्रमण रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना, द्रव्यगुण तथा अगदतंत्र विभागों द्वारा विद्यार्थियों को एनसीआईएसएम पाठ्यक्रम के तृतीय टर्म की शैक्षणिक जानकारियां देने के लिए आयोजित किया गया था। भ्रमण के प्रथम दिन विद्यार्थियों ने केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, भरतपुर का भ्रमण कर विभिन्न वनस्पतियों, औषधीय पौधों एवं पादप जैव विविधता का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष डॉ. सुदीप्त कुमार रथ, धन्वंतरि उपवन के प्रोफेसर एवं प्रभारी डॉ. सुमित तथा द्रव्यगुण विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. लक्ष्मी ने विद्यार्थियों को औषधीय पौधों, हर्बेरियम निर्माण, कच्ची औषधि पहचान, क्षेत्रीय कच्ची औषधि भंडार तथा धन्वंतरि उपवन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

रसशास्त्र एवं भैषज्य कल्पना विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. ठाकुर राकेश सिंह तथा फामेर्सी प्रभारी डॉ. सोभनाथ ने विद्यार्थियों को रसशास्त्र विभाग, संग्रहालय, शिक्षण फामेर्सी, जीएमपी प्रमाणित फामेर्सी, औषधि परीक्षण प्रयोगशाला तथा बड़े स्तर पर औषधि निर्माण इकाई की कार्यप्रणाली से परिचित कराया। विद्यार्थियों ने आयुर्वेदिक औषधि निर्माण, गुणवत्ता परीक्षण, भंडारण, पैकेजिंग तथा बड़े पैमाने पर उत्पादन की प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अध्ययन किया। अगदतंत्र विभाग के प्रोफेसर डॉ. शरद कुमार पोर्ते ने अगदतंत्र ओपीडी, संग्रहालय, विष विज्ञान तथा संबंधित चिकित्सकीय एवं शैक्षणिक गतिविधियों के विषय में विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने शल्यतंत्र विभागाध्यक्ष एवं एनआईए के प्रो-वाइस चांसलर प्रो. डॉ. पी. हेमंत कुमार से भी भेंट की। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा जारी शल्य सीएमई की शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया।

संस्कृति विश्वविद्यालय की सीईओ डॉ. मीनाक्षी शर्मा के प्रोत्साहन तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी सकारात्मक सोच पर आधारित यह भ्रमण विद्यार्थियों के लिए विशेष ज्ञानवर्धन का स्रोत बना। इस भ्रमण को डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. डी. एस. तोमर, प्राचार्य डॉ. मोहनन तथा उप-प्राचार्य डॉ. एकता कपूर ने आवश्यक प्रशासनिक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया। शैक्षणिक भ्रमण में महाविद्यालय की ओर से संकाय सदस्यकृभ्रमण समन्वयक डॉ. मितेश सिंह चैहान, डॉ. मनीष सिंह तोमर तथा डॉ. प्रतिभा विद्यार्थियों के साथ उपस्थित रहे। विद्यार्थी समन्वयक अभिषेक यादव एवं यशवी जायसवाल ने भी भ्रमण की व्यवस्थाओं में सक्रिय एवं जिम्मेदार भूमिका निभाई।

डीएम ने की सीएम आवास योजना ग्रामीण की ऑनलाइन समीक्षा

फिरोजाबाद। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने जिला फिरोजाबाद से मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत आवंटित लक्ष्य की ऑनलाइन प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी बीडीओ और ग्राम पंचायत सचिवों को कड़े निर्देश निर्गत करते हुए स्पष्ट किया है की योजना के तहत चिह्नित पात्र लाभार्थियों को बिना किसी विलंब के समयबद्ध तरीके से आवास की स्वीकृति एवं धनराशि स्थानांतरित की जाए, इसमें किसी भी स्तर पर बरती हुई शीथिलता या लापरवाही को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण केवल एक सरकारी निर्माण कार्य नहीं है, बल्कि यह समाज के सबसे वंचित असहाय और निर्धन परिवारों के जीवन में स्थिरता व सम्मान लाने का एक अत्यंत संवेदनशील व कल्याणकारी माध्यम है, यह योजना मुख्य रूप से निराश्रित विधवा, दिव्यांगजनों, घुमंतू नट जनजाति, आपदा पीड़ितों को पक्का छत प्रदान करने के लिए बनाई गई है, ऐसे में किसी भी असहाय एवं पात्र व्यक्ति का हक मारना या उसके कार्य में अनावश्यक देरी करना सामाजिक व प्रशासनिक दृष्टिकोण से अक्षम्य है, हमारा नैतिक एवं शासकीय दायित्व है कि हम पूरी संवेदनशीलता तत्परता और निष्ठा के साथ इस योजना का लाभ हर अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाएं। जनपद के लिए शासन द्वारा कुल 1427 आवासों का लक्ष्य आवंटित किया गया था, जिसके सापेक्ष 814 पंजीकरण तथा 642 जी0ओ0 टैगिंग की कार्रवाई पूर्ण कर ली गई है, परंतु स्वीकृतियों की संख्या मात्र 307 है। फिरोजाबाद ब्लॉक, एका ब्लॉक तथा खैरगढ़ में स्वीकृतियों की दर काफी धीमी पाई गई, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ा असंतोष व्यक्त किया। डीएम ने समस्त खंड विकास अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत सचिवों को निर्देशित किया कि अगले तीन दिवसों के भीतर शत-प्रतिशत पंजीकृत लाभार्थियों का जी0ओ0 टैगिंग कर पूर्ण स्वीकृति की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें, जिन 162 पात्र लाभर्थियों के बैंक खातों का सत्यापन हो चुका है, उन्हें बिना किसी देरी के प्रथम किस्त की राशि अभिलंब प्रेषित की जाए। डीएम ने योजना में पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जीरो टॉलरेंस की नीति की बात दोहराई, उन्होंने कहा कि यदि किसी भी स्तर पर रिश्वतखोरी, सुविधा शुल्क की मांग अथवा अनावश्यक उत्पीड़न की शिकायत पाई जाती है तो दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों को निलंबित करते हुए उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नगर पालिका आबादी क्षेत्र में डाल रही शहर का कचरा

टूंडला। सरकार जहां एक ओर स्वच्छ भारत मिशन और संचारी रोग नियंत्रण अभियान के माध्यम से स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है, वहीं दूसरी ओर टूंडला नगर पालिका की कार्यशैली इन प्रयासों पर सवाल खड़े कर रही है। नगर पालिका कर्मियों द्वारा स्टेशन रोड से रॉयल गार्डन के पास टूंडली जाने वाले मार्ग के किनारे आबादी क्षेत्र में लगातार शहर का कूड़ा-कचरा डाला जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार विरोध और शिकायत के बावजूद पालिका कर्मचारी जबरन इसी स्थान पर कचरा डाल रहे हैं। बरसात के मौसम में सड़ते कचरे से उठने वाली दुर्गंध के कारण आसपास रहने वाले परिवारों का जीवन दूभर हो गया है। वहीं इस मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रीय निवासियों का कहना है कि खुले में पड़े कूड़े से मच्छरों और अन्य संक्रमण फैलाने वाले जीवों की संख्या बढ़ रही है, जिससे डेंगू, मलेरिया तथा अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। लोगों का कहना है कि जब स्वास्थ्य विभाग लोगों को बीमारियों से बचाव के लिए जागरूक कर रहा है, तब आबादी के बीच कचरा डलवाना आमजन के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि आबादी क्षेत्र से तत्काल कूड़ा हटाया जाए, यहां कचरा डालने पर रोक लगाई जाए तथा जिम्मेदार कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को दुर्गंध, गंदगी और संभावित बीमारियों से राहत मिल सके। मांग करने वालों में जसवंत सिंह स्थानीय सभासद, कन्हैया कुमार, जियाउद्दीन, दीपू, करुआ, रिजवान आदि स्थानीय निवासियों ने मांग की है।

जिलाधिकारी ने किया कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण

फिरोजाबाद। डीएम संतोष कुमार शर्मा ने बुधवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ब्लॉक नारखी, नगला अमान, कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान नगला अमान का आकस्मिक निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पठन पाठन की व्यवस्थाओं, बुनियादी ढांचे, छात्राओं की सुरक्षा और परिसर की साफ- सफाई का विस्तृत जायजा लिया। जिलाधिकारी ने आवासीय विद्यालय की बालिकाओं के साथ बैठकर भोजन किया और स्वयं भोजन की गुणवत्ता व स्वाद को परखा, यहां संचालित हो रही स्मार्ट क्लासेस के अवलोकन के दौरान उन्होंने कहा कि आज का समय तकनीकी और आधुनिक शिक्षा का है, बालिकाओं को और अधिक से अधिक शिक्षा से जोड़ा जाए, ताकि उनकी शिक्षा के स्तर में गुणात्मक सुधार आ सके। परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों के कंट्रोल रूम का निरीक्षण करते हुए डीएम ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि परिसर में अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, जिससे बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके और किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके, उन्होंने पूरे परिसर में स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, उन्होंने सभी बालिकाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि अपने द्वारा निर्धारित लक्ष्य के लिए सतत प्रयत्न करें, कठोर परिश्रम करें, बड़े सपने देखें, ताकि कितना भी बड़ा लक्ष्य हो, उसकी प्राप्ति में कोई व्यवधान न आए। डाइट नगला अमान में बाल वाटिका और निमार्णाधीन भवनों का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने कार्य की गुणवत्ता मानक के अनुरूप रखने की हिदायत दी, निरीक्षण के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार आदि उपस्थित रहे।

रालोद की जिला स्तरीय संगठनात्मक बैठक 11 को , कार्ययोजना पर होगी चर्चा

फिरोजाबाद। राष्ट्रीय लोकदल की जनपद स्तरीय संगठनात्मक समीक्षा एवं रणनीतिक बैठक का आयोजन 11 अगस्त मंगलवार को प्रातः 10 बजे टूंडला के राधा नगर स्थित एटा रोड, वन विभाग वाली गली में जूरेल डेयरी के सामने किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष देशराज सिंह करेंगे। इसमें जनपद के सभी प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष महानगर अध्यक्ष, नगर अध्यक्ष, विधानसभा अध्यक्ष पूर्व जिलाध्यक्ष पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिलाध्यक्ष देशराज सिंह ने बताया कि बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, रणनीतिक विषयों एवं संगठन विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से समय से पहुंचकर बैठक को सफल बनाने का आह्वान किया है।

संक्षेप

पशुधन विकास व अनुसंधान को मिलेगी नयी दिशा

मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीन दयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (डुवासु), मथुरा ने कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के दूरदर्शी नेतृत्व में पशुधन विकास, प्रजनन जैव-प्रौद्योगिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधों पर आधारित पशु चिकित्सा अनुसंधान तथा वैज्ञानिक नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इनमें राजस्थान लाइवस्टॉक डेवलपमेंट बोर्ड (आरएलडीबी), जयपुर तथा सीएसआईआरद्दकेंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीएसआईआर-सीमैप), लखनऊ के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित की गई है। दोनों एमओयू पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव प्रो. ए. के. मदान, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रो. विकास पाठक तथा प्रसार शिक्षा निदेशक प्रो. संजीव सिंह ने हस्ताक्षर किए। राजस्थान लाइवस्टॉक डेवलपमेंट बोर्ड, जयपुर की ओर से डॉ. प्रीतपाल सिंह कालरा, प्रबंधक तथा डॉ. मनीष कुमार गर्ग, वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के अंतर्गत बकरी वीर्य उत्पादन कार्यक्रमों को विकसित एवं सुदृढ़ करने, बकरी वीर्य उत्पादन केंद्रों की स्थापना एवं संचालन हेतु तकनीकी सहयोग प्रदान करने तथा पशु चिकित्साधिकारियों, पैरा-वेट्स एवं पशुपालकों के लिए वैज्ञानिक पशुपालन एवं प्रजनन तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस सहयोग से बकरियों की आनुवंशिक गुणवत्ता में सुधार, वैज्ञानिक प्रजनन प्रणाली को बढ़ावा, पशुधन उत्पादकता में वृद्धि तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। वहीं, सीएसआईआरद्दसीमैप, लखनऊ की ओर से संस्थान के निदेशक की ओर से डॉ. देबब्रत चंदा, वैज्ञानिक-एफ, इंटरनेशनल फेलो व डीबीटी-क्रेस्ट पोस्टडॉक्टोरल फेलो, किंग्स कॉलेज लंदन ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने किया शक्ति संवाद

मथुरा। अध्यक्षा उप्र राज्य महिला आयोग डॉ० बबीता सिंह चौहान द्वारा जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरान्त कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनिल पूवार्नी मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, नरेन्द्र गुप्ता नोडल अधिकारी जिला महिला चिकित्सालय, योगेन्द्र सिंह जिला कार्यक्रम अधिकारी, विकास चन्द्र जिला प्रोबेशन अधिकारी, श्री अशोक सिंह सीडीपीओ एवं महिला चिकित्सालय के अन्य स्टाफ श्रीमती आरती व श्रीमती हेमलता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नवजात कन्याओं के जन्म पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माताओं को 20 बेबी किट वितरित की गई तथा गर्भवती महिलाओं के सम्मान में गोद भराई कार्यक्रम भी सम्पन्न कराया गया। अध्यक्षा ने कन्या जन्म को समाज के लिए गौरव का विषय बताते हुए बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं सुरक्षा के प्रति सभी को जागरूक रहने का आह्वान किया।

नि:शुल्क उच्च शिक्षा के लिए बेटियों को सौंपे एडमीशन लेटर

मथुरा। वृन्दावन प्रियाकान्तजु मंदिर पर पार्थिव शिवलिंग महोत्सव के अंतिम दिन ब्रज के जरूरतमंद परिवार की बेटियों को उच्च शिक्षा हेतु सहयोग प्रदान किया गया । प्रियाकान्तजु मंदिर संस्थापक देवकीनंदन ठाकुरजी महाराज, संस्कृति विश्वविद्यालय कुलाधिपति सचिन गुप्ता एवं बीजेपी राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने चयनित छात्राओं को एडमीशन लैटर सौंपे । आयोजन के अंतिम दिवस शिवभक्तों ने 4 लाख 65 हजार पार्थिव बनाकर 21 लाख शिवलिंग निर्माण एवं अभिषेक का संकल्प पूर्ण किया ।

बुधवार को प्रियाकान्तजु मंदिर पर विश्व शांति सेवा चैरीटेबल ट्रस्ट एवं संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा चयनित बेटियों को इंजीनियरिंग एवं अन्य कोर्सेस की निःशुल्क शिक्षा के लिये सहयोग प्रदान किया गया । इनमें अभी बी. टेक., बीसीए, बीबीए, एमबीए, एमसीए, बीएससी एग्रीकल्चर एवं अन्य डिग्री कोर्स में काउन्सलिंग पूर्ण करने वाली 14 छात्राओं को प्रवेश स्वीकृति पत्र दिया गया है।

बेटियों को उज्वल भविष्य की शुभकामनाऐं देते हुये देवकीनंदन महाराज ने कहा कि शिक्षित बेटियों के हाथ में समाज का भविष्य उज्ज्वल होता है । कहा कि अगर हमारी बेटियां पढ़ी लिखीं होंगी तो समाज भी विकास की और आगे बढ़ेगा । युवाओं को शिक्षा के साथ सांस्कृतिक रूप से भी समृद्व होना चाहिये । सनातन संस्कृति पीठ के माध्यम से गुरूकुल निर्माण कर आधुनिक शिक्षा के साथ सनातनी शिक्षा भी प्रदान की जायेगी ।

- शिक्षित बेटियों के हाथों में समाज का उज्वल भविष्य: देवकीनंदन

संस्कृति विश्वविद्यालय कुलाधिपति सचिन गुप्ता ने कहा कि देवकीनंदन महाराज कन्या शिक्षा के लिये जो मुहिम चला रहे हैं, हम भी उसमें अपना सहयोग देकर हर्ष का अनुभव कर रहे हैं । चयनित बेटियाँ शिक्षा का सही उपयोग कर अपने उन्नत जीवन का निर्माण करेंगी । उन्होने कहा कि शिक्षा का सही उपयोग व्यक्ति का जीवन बदल सकता है । जैन-जी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने की आवश्यकता है, इसकी जिम्मेदारी बच्चों के माता-पिता की भी बनती है ।

आयोजन में शामिल हुये बीजेपी के कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने कहा कि इस समय हमें अपनी संस्कृति बचाने की सबसे ज्यादा आवश्यकता है । हमारे परिवार किस दिशा में जा रहे हैं, क्यों टूट रहे हैं इस पर चिंतन की जरूरत है । कहा कि बहु को बेटी मानकर उसके साथ स्वंय भी जिम्मेदारी उठानी चाहिये । संस्कृति के अन्दर ही धर्म छुपा हुआ है, धर्म का अर्थ परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्य है ।

ट्रस्ट सचिव विजय शर्मा ने बताया कि विश्व शांति सेवा चैरीटैबल ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष 125 बेटियों को शिक्षा हेतु ह्यप्रियाकान्तजु कन्या विद्याधनह्व प्रदान किया जाता है । इस बार इंजीनियरिंग एवं अन्य बड़े कोर्सेस के लिये भी बेटियों का चयन किया गया । इस वर्ष जरूरतमंद छात्राओं के लिये पूर्ण उच्च शिक्षा हेतु 1 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इससे पूर्व मुख्य यजमान सूरज देवी, सोनी मलिक, कायरा, डा0 अनुराग शर्मा, कुमुदनी-सुधीर कुमार वर्मा ने व्यासपीठ पूजन कर आरती उतारी । मंदिर प्रबंधक रवि रावत, मनमोहन शर्मा, मीडिया प्रभारी जगदीश वर्मा, एसपीएल सचिव योगेश शर्मा मौजूद रहे ।

डेयरी कॉन्क्लेव आयोजन में 28 लाभार्थियों को चयन व अनुमति पत्र वितरित

फिरोजाबाद। विकास भवन सभागार, दबरई में बुधवार को जनपद स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, सीडीओ शत्रोहन वैश्य तथा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन स्थानीय प्रभारी दुग्ध विकास एवं राजकीय दुग्ध पर्यवेक्षक राघवेन्द्र सिंह ने किया।

कार्यक्रम में नन्द बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इनमें मुख्यमंत्री गौसंवर्धन योजना, मिनी नन्दनी कृषक समृद्धि योजना, नन्दनी कृषक समृद्धि योजना, उत्तर प्रदेश दुग्धशाला विकास एवं दुग्ध उत्पाद प्रोत्साहन नीति-2022, चारा प्रबंधन प्रोत्साहन नीति तथा पशुपालन विभाग की अन्य योजनाएं शामिल रहीं। इस अवसर पर सीएम स्वदेशी गोसंवर्धन योजना 2026-27 के तहत चयनित 14 महिला एवं 14 पुरुष लाभार्थियों को म्सीडीओ शत्रोहन वैश्य ने चयन पत्र व गाय क्रय के लिए अनुमति पत्र वितरित किए। अधिकारियों ने लाभार्थियों से योजनाओं का पूरा लाभ उठाकर दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नन्द बाबा दुग्ध मिशन के नोडल अधिकारी राम बाबू, वरिष्ठ दुग्ध निरीक्षक आनंद कुमार, क्रय-विक्रय समिति टूंडला के अध्यक्ष मुकेश धामा नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अग्रणी जिला प्रबंधक रमनकांत, जिला सहकारी बैंक, इंडियन बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी पशुपालन विभाग के अधिकारी तथा नन्द बाबा दुग्ध मिशन के चयनित लाभार्थी उपस्थित रहे।

कान्हा की नगरी में सफाई व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त गंभीर

मथुरा। मथुरा-वृंदावन की सफाई व्यवस्था को लेकर नगर आयुक्त ओजस्वी राज सख्त नजर आए। मंगलवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने अधिकारियों और सफाई निरीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के सभी डलाव घरों से प्रतिदिन सुबह 8 बजे से पहले हर हाल में कूड़ा उठा लिया जाए। नगर आयुक्त ने चेतावनी दी कि सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। मथुरा-वृंदावन नगर निगम के नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मंगलवार को शहर की सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। नगर निगम कार्यालय में हुई बैठक में उन्होंने सफाई व्यवस्था को अधिक प्रभावी, व्यवस्थित और समयबद्ध बनाने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने सभी सफाई निरीक्षकों को अपने-अपने क्षेत्रों का नियमित भ्रमण कर सफाई व्यवस्था की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर के सभी चिन्हित डलाव घरों और कूड़ा जमा होने वाले संवेदनशील स्थानों से प्रतिदिन सुबह 8 बजे से पहले कूड़े का उठान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सभी डलाव घरों को चिन्हित कर उनकी नियमित सफाई कराई जाए। किसी स्थान पर सफाई कार्य में समस्या आने पर तत्काल उच्च अधिकारियों को जानकारी दी जाए, लेकिन किसी भी परिस्थिति में सफाई कार्य प्रभावित नहीं होना चाहिए। नगर आयुक्त ने सभी चिन्हित डलाव घरों की सटीक स्थिति सहित विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश भी दिए। प्रत्येक स्थान की वर्तमान सफाई स्थिति और नियमित जानकारी दर्ज की जाएगी, जिसकी नगर आयुक्त स्वयं समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही सभी सफाई कर्मचारियों को निर्धारित वर्दी और पहचान पत्र के साथ कार्यस्थल पर उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपाइयों ने शहीद भगवान सिंह की पुण्यतिथि पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये

टूंडला। नगर निवासी भारत माता के वीर सपूत अमर शहीद भगवान सिंह की पुण्यतिथि पर उनके शहीद स्मारक पर पहुचकर भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी द्वारा उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए और उनकी धर्मपत्नी का सम्मान कर पौधारोपण भी किया गया। इस दौरान एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कई वक्ताओं द्वारा विचार व्यक्त

किए, भाजपा एससी मोर्चा बृजक्षेत्र के उपाध्यक्ष रामतीर्थ सिंह चक ने कहा कि अमर शहीद भगवान सिंह चक ने जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों से मुठभेड़ के दौरान कड़ा संघर्ष किया और कई आतंकी उनके हाथों से मारे भी गए। हम सभी को ऐसे भारत माता के सपूतों को उनकी शहादत को नहीं भूलना चाहिए। हमारे देश के भारतीय सेना के जवान चौबीस घंटे सीमाओं पर पहरेदारी कर देश और देशवासियों की सुरक्षा में दिन रात लगे हुए हैं। इसी प्रकार हम सभी देशवासियों का भी कर्तव्य है कि राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति जागरूक रहते हुए राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए आगामी स्वतंत्रता दिवस पर हम सभी देशवासियों को अपने अपने आवासों एवं प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज अवश्य फहराना चाहिए ए। इस दौरान भाजपा नगर अध्यक्ष आजाद जैन, क्रय विक्रय सहकारी समिति के चेयरमेन मुकेश धामा, राजन सिंह निषाद, पवन कुमार, श्यामसुंदर सिंह सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति में महिला प्रकोष्ठ का पुनर्गठन

मथुरा। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति (रजि.) मथुरा द्वारा आज बसंत बिहारी जी मंदिर, स्वामी घाट, मथुरा में महिला प्रकोष्ठ के पुनर्गठन हेतु एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित रामगोपाल शर्मा के निर्देशानुसार महिला टीम का पुनर्गठन किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री पंडित बंसीलाल शर्मा ने ज्योति चतुर्वेदी को महिला प्रकोष्ठ का जिला प्रभारी तथा रश्मि चतुर्वेदी को महिला प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री पंडित बंसीलाल शर्मा ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे संगठन को समाज से जोड़ते हुए सेवा, संस्कार एवं रचनात्मक कार्यों के माध्यम से संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएं। समिति के उपाध्यक्ष विनोद दीक्षित ने कहा कि संगठन में सक्रिय रूप से कार्य करने वाले लोगों को ही जिम्मेदारियां दी जाएंगी। जो पदाधिकारी संगठन के कार्यों में सक्रिय नहीं रहेंगे, उनके स्थान पर नए एवं ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को अवसर दिया जाएगा, ताकि संगठन मजबूत बने और समाजहित में निरंतर कार्य करता रहे। राष्ट्रीय संगठन मंत्री अजय शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति अब केवल शोभायात्राओं तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में अनेक रचनात्मक वजनहितकारी कार्य भी कर रही है। इसी उद्देश्य से समर्पित एवं ऊर्जावान कार्यकताओं को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। नवनियुक्त दोनों पदाधिकारी ने पूरी टीम का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में पूजा चतुर्वेदी, तनुजा चतुर्वेदी, प्रीति, श्रद्धा, राजकुमारी, संत कुमार, पंडित महेश चतुर्वेदी, ध्रुव , यश , पार्थ, अंश चतुर्वेदी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- ज्योति बनीं जिला प्रभारी व रश्मिजिला अध्यक्ष

हर घर तिरंगा को लेकर भाजपा की कार्यशाला संपन्न

- कार्यकर्ताओं को सौंपे गये 6 प्रमुख टास्क

मथुरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान को जन-आंदोलन बनाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिला मथुरा की जिला स्तरीय कार्यशाला बुधवार को जिला कार्यालय पुष्पांजलि उपवन में संपन्न हुई।

कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष निर्भय पांडेय ने की, जबकि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर भारद्वाज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री आकाश चैधरी ने किया। मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष ब्रज बहादुर भारद्वाज ने अपने संबोधन में कहा कि तिरंगा हमारे शहीदों के बलिदान और देश की एकता-अखंडता का प्रतीक है। जिला अध्यक्ष निर्भय पांडेय ने निर्देश दिए कि 15 अगस्त तक जिले का कोई भी घर तिरंगे से वंचित नहीं रहना चाहिए। इसके लिए उन्होंने कार्यकताओं को निम्नलिखित 6 बिंदुओं पर कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी। 10 से 14 अगस्त तक प्रत्येक मण्डल में शहीद स्मारक से प्रारंभ होकर 1-2 किलोमीटर की भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। वहीं, 13 अगस्त को जिला और महानगर की संयुक्त भव्य तिरंगा यात्रा आयोजित होगी। 13 से 15 अगस्त तक प्रत्येक घर, दुकान, कार्यालय एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराना सुनिश्चित किया जाए। 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारकों एवं शहीद स्थलों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा और पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। 14 अगस्त को गोकुल में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर मौन जुलूस एवं संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक मण्डल में युद्ध वीरों, शहीदों एवं शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों का सम्मान किया जाएगा। युवा मोर्चा और महिला मोर्चा तिरंगा यात्रा में अग्रणी भूमिका निभाएंगे तथा हर-घर-तिरंगा एवं तिरंगा-यात्रा के साथ सोशल मीडिया पर फोटो साझा करेंगे। जिला मीडिया प्रभारी श्याम चतुर्वेदी ने जानकारी दी कि 06 अगस्त को सभी मंडलों में योजना बैठकें आयोजित की जाएंगी, जिनमें तिरंगा यात्रा के रूट, समय और जिम्मेदार कार्यकताओं के नाम तय किए जाएंगे। कार्यशाला के दौरान मंच पर अभियान की संयोजक एवं जिला उपाध्यक्ष श्रीमती मनीषा पाराशर, सह-संयोजक एवं चेयरमैन कोसी धर्मवीर अग्रवाल, सह-संयोजक एवं जिला मंत्री सुरेश तरकर, सह-संयोजक नारायण पाण्डेय, जिला महामंत्री सतपाल चैधरी, जिला उपाध्यक्ष अनिल चैधरी, गोकुल पालिका अध्यक्ष संजय दीक्षित, जिला मंत्री श्री अमन ठाकुर एवं जिला मंत्री अजय जाटव सहित सभी मंडल अध्यक्ष, मोर्चों के अध्यक्ष और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लाइनमैन दीपू के असामयिक निधन पर गहरा शोक

मथुरा। जनपद में विद्युत विभाग के 33 केवी लाइन पर कार्य करते समय हुए विगत दिवस दुखद हादसे में लाइनमैन दीपू का असामयिक निधन हो गया। इस हृदयविदारक घटना से बिजली विभाग के कर्मचारियों और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। घटना के उपरांत, विद्युत विभाग दक्षिणांचल अध्यक्ष गणेश तोमर, उपाध्यक्ष पंकज शर्मा एवं भाजपा जिला अध्यक्ष रामकुमार कुंतल के निर्देशन में कर्मचारियों द्वारा मुख्य अभियंता कार्यालय, मथुरा पर धरना-प्रदर्शन किया जा रहा था। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी तत्काल मौके पर पहुँचे और दिवंगत लाइनमैन के पार्थिव शरीर पर शोक व्यक्त किया। मौके पर मौजूद पीड़ित परिवार और आक्रोशित कर्मचारियों को ढांढस बंधाते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी ने अपनी ओर से दिवंगत लाइनमैन के परिजनों के लिए 2.50 लाख (ढाई लाख रुपये) की नकद सहयोग राशि देने की घोषणा की। उन्होंने विद्युत विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से भी अपील की कि वे सरकारी सहायता के अलावा मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए पीड़ित परिवार की हरसंभव आर्थिक मदद के लिए आगे आएं, ताकि इस संकट की घड़ी में परिवार को संबल मिल सके। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों और बड़ी संख्या में उपस्थित कर्मचारियों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

सियासत शर्मनाक

संसद भवन परिसर में जिस तरह का नाटक विपक्षी सांसदों ने किया उसमें जनहितों के प्रति उदासीनता तो झलकती ही है, लेकिन साथ ही यह भी स्पष्ट होता है कि सियासी लाभ के लिए कैसे नेता धर्म का अपमान और जनहित को बाधित करने तक के लिए तैयार रहते हैं। संसद देश के गणतंत्र का सर्वोच्च, पवित्र, गरिमामय और मर्यादित मंच है। बेशक हमारे माननीय सांसदों ने ही इसकी गरिमा, छवि धूमिल की है। बेशक संसद परिसर में सांसद और राजनीतिक समूह विरोध-प्रदर्शन कर सकते हैं, धरने भी दिए जाते रहे हैं, लेकिन ऐसे ढोंग, नौटंकी पर उन्हें ही विचार करना चाहिए कि ये देशहित, जनहित और असंख्य आस्थाओं के पक्ष में है अथवा नहीं। बिहार से निर्दलीय सांसद (कांग्रेस समर्थक) पप्पू यादव ने संसद परिसर में जो कुछ भी किया, निश्चित रूप से वह सनातन-विरोधी था। प्रभु श्रीराम का अपमान भी था। मिथ्या, खोखले आरोपों का नाटकीय मंचन भी था। पप्पू यादव संसद भवन को 'राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय' का प्रतीक भी नहीं दे सकते। साधु-संतों ने अयोध्या के राम मंदिर में चंदा-चढ़ावे की चोरी-डकैती की, ऐसा कोई साक्ष्य, आरोप या जांच-दल का निष्कर्ष नहीं है। इस मुद्दे पर संसद के भीतर विचारोत्तेजक बहस की जानी चाहिए और सरकार-को जवाब देने को बाध्य किया जाना चाहिए। पप्पू यादव का साधु-वेश धारण करना और चंदा-चोरी का प्रतीकात्मक अभिनय करना कमोवेश संसद भवन में नहीं किया जाना चाहिए था। पूर्णिया के लाखों लोगों ने उन्हें इसलिए निर्वाचित नहीं किया है।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में पूरा विपक्ष अमर्यादित राजनीति कर रहा है।

संविधान लागू हुए 76 वर्ष बीत चुके हैं और 18वीं लोकसभा अभी अस्तित्व में है, लेकिन ऐसी अपमानजनक राजनीति का नाटक हमने पहले नहीं सुना। बीते तीन दशकों से देखा भी नहीं है। सचमुच प्रभु श्रीराम के मंदिर में यह चोरी अत्यंत घटिया किस्म का भ्रष्टाचार है। लेकिन इस संदर्भ में जो कार्रवाई की जानी चाहिए थी, वह की गई है। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय बंसल का इस्तीफा मंजूर हो चुका है। राम मंदिर का प्रशासनिक ढांचा पूरी तरह से बदला जा रहा है। जो चेहरे सवालों के घेरे में हैं, उनसे पुलिस और जांच-दल ने पूछताछ की है। लेकिन पप्पू यादव ने ऐसे कुछ जिम्मेदार लोगों को चोर कहा है, जो कानूनन उचित नहीं है। जांच अभी जारी है। सर्वोच्च अदालत तक मामला पहुंच चुका है और अदालत ने एसआईटी रिपोर्ट का ब्यौरा मांगा है। कई आरोपी अब भी जेल में हैं और पुलिस उनसे सिलसिलेवार पूछताछ कर रही है। राम मंदिर के भीतर का यह अपराध एक आस्थावान वर्ग के लिए 'आध्यात्मिक आघात' से कम नहीं है। यदि यह अपराध न होता, तो यह मुद्दा ही न बनता, सनातन अपमानित न होता और पप्पू यादव जैसे सांसद संसद भवन में नाटक न करते, लेकिन अब यह राजनीतिक, चुनावी मुद्दा बना दिया गया है। पप्पू यादव के ड्रामे में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, अयोध्या-फैजाबाद के सपा सांसद अवधेश प्रसाद, सपा सांसद और विपक्ष के कई चेहरे सम्मिलित थे। पप्पू नाटक कर रहे थे और चंदे के रुपये अपनी जेब में डाल रहे थे। चंदा चोरी का नाटकीय मंचन किया जा रहा था। उनके सहयोगी सांसदों ने 'प्रतीकात्मक' तौर पर उनकी पिटाई भी की। पप्पू चंदे की पेटी लेकर भागने लगे, तो उनसे वह पेटी छीनने का प्रयास भी किया गया। इस नाटक ने कुछ हिंदूवादी संगठनों, साधु-संतों और सांसदों को भी आक्रोशित किया। साधु-संतों ने अयोध्या, प्रयागराज, लखनऊ जैसे शहरों में जुलूस निकाले, पप्पू के स्वांग की भर्त्सना की और प्राथमिकियां दर्ज कराई गईं। दरअसल हमारी बुनियादी चिंता और सरोकार संसद के प्रति है। स्पीकर ने पप्पू यादव के स्वांग की निंदा की है। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। यह दंडनीय नाटक था, लिहाजा स्पीकर को दंडनीय फैसला सुनाना चाहिए। राम मंदिर के चढ़ावे में जो हेराफेरी हुई है, उसकी जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। सुप्रीम कोर्ट की इस मामले पर पूरी पहरेदारी है। कुछ कार्रवाई हो चुकी है, जबकि सिस्टम को सुधारने के लिए भी कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें सरकार की आलोचना हो सकती है लेकिन जो लोग साधु-संतों, भगवा और सनातन का अपमान कर रहे हैं, वे दरअसल करोड़ों की हिन्दुओं की भावना को आहत कर रहे हैं, जो ठीक नहीं है।

विचार

जो व्यक्ति निरुत्साहित, दीन और शोका-कुल रहता है, उसके सभी काम बिगड़ जाते हैं और वह बड़े संकट में पड़ जाता है।
– महर्षि बाल्मीकि.

श्रद्धा का अर्थ है आत्मविश्वास और आत्मविश्वास का अर्थ है ईश्वर पर विश्वास।
– महात्मा गांधी.

कोई भी व्यक्ति जब तक किसी वस्तु के लिए श्रम नहीं करेगा , तब तक वह वस्तु उसे प्राप्त नहीं हो सकती।
– गारफील्ड.

जो संपूर्ण प्राणियों को शांत रखने का प्रयत्न करता है। सर्वदा सत्य व्यवहार करता है। कोमल व्यवहार होकर सबका सम्मान करता है, सर्वदा शुद्ध भाव से रहता है, वह कुल में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।
– महात्मा विदुर.

जो व्यक्ति को कुचले, वह अत्याचारी है। चाहे उसका नाम कुछ भी क्यों न रख दिया जाये।
– गिल.

बहुत घातक है द्विअर्थी शब्दों की राजनीति

लोकमित्र

गुजरे 3 अगस्त 2026 को तमिलनाडु के तंजावुर में डीएमके नेता और विधानसभा में लीडर ऑफ अपोजिशन उदयनिधि स्टालिन, कावेरी जल विवाद को लेकर एक सार्वजनिक रैली को संबोधित कर रहे थे। लेकिन जैसे ही उन्होंने भाषण के दौरान मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय पर निशाना साधा और कावेरी के पानी के मुद्दे पर उनकी निष्क्रियता को लेकर आलोचना की, उसी दौरान रैली में मौजूद कुछ लोग अभिनेत्री तृषा कृष्णन के नाम के नारे लगाने शुरू कर दिये, जो कि मुख्यमंत्री थलापति विजय (सी.जोसेफ) की करीबी मानी जाती हैं। भीड़ से तृषा का नाम सुनकर उदयनिधि स्टालिन कुछ क्षणों के लिए रुके और फिर व्यंग्यभरी मुस्कुराहट के साथ कहा, 'पानी यहां पहुंचे या न पहुंचे, लेकिन वहां पहुंचना चाहिए'। जब इस पर भीड़ ने जोर से हंसना और उन्हें हूट करना शुरू कर दिया, तो उन्होंने तुरंत बात को संभालते हुए कहा, 'नहीं, मैं केवल कावेरी नदी की बात कर रहा था'।
लेकिन कुछ ही घंटों में जब उदयनिधि स्टालिन की यह अश्लील टिप्पणी सोशल मीडिया में ट्रेंड करने लगी, तो दक्षिण भारत की कई प्रसिद्ध महिलाओं जिनमें अभिनेत्री खुश्बू सुंदर और गायिका चिन्मई श्रीपदा शामिल थीं, इस अश्लील टिप्पणी की जबर्दस्त भत्र्सना की और उसे अपमानजनक बताया। साथ ही टीवीके ने इस मामले में पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग से शिकायत दर्ज करायी। टीवीके की तंजावुर केंद्रीय जिला महिला विंग की संयोजक एस. बैरवी ने तंजावुर (पूर्व) पुलिस थाने में उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ शिकायत दर्ज करायी। साथ ही वो इस मामले को लेकर राष्ट्रीय महिला आयोग भी गईं और सख्त कार्यवाई की मांग की। इस पर आनन-फानन में कार्यवाई करते हुए तमिलनाडु पुलिस उदयनिधि स्टालिन को उठा ले गई और उन पर नौ धाराएं लगायी। शायद यह पहला ऐसा मामला है, जब किसी महिला पर अश्लील टिप्पणी को लेकर आनन-फानन में पुलिस द्वारा इतने सख्त कार्यवाई की गई, जिसके पीछे देश की कई महत्वपूर्ण महिलाओं का एकजुट होकर डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन की गई आलोचना थी। वास्तव में गायिका और अभिनेत्री चिन्मई श्रीपदा तथा अभिनेत्री खुश्बू सुंदर ने जिस तरह स्टालिन की इस टिप्पणी के आते ही सोशल मीडिया में उन्हें लताड़ लगायी, उसके कारण देखते ही देखते दक्षिण से लेकर उत्तर भारत तक की कई अभिनेत्रियां और दूसरी महत्वपूर्ण महिलाओं ने, जिनमें सांसद कंगना रनौत भी शामिल थीं, स्टालिन के इस कृत्य के विरूद्ध एकजुट हो गईं। इस कारण न सिर्फ तमिलनाडु पुलिस ने आनन-फानन में उदयनिधि स्टालिन को गिरफ्तार किया बल्कि उनके खिलाफ नौ धाराओं में मुकदमा दर्ज किया, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 यानी विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य फैलाना, बीएनएस की धारा 192 यानी दंगा भड़काने के लिए उकसाना, बीएनएस की धारा 352 यानी शांति भंग कराने की मंशा से जानबूझकर अपमान करना, बीएनएस की धारा 79 यानी किसी महिला की लज्जा/मयार्दा का अपमान करना, बीएनएस की धारा 296(बी) यानी सार्वजनिक स्थान पर अश्लील शब्दों का प्रयोग करना, बीएनएस की धारा 61 यानी आपराधिक साजिश करना, बीएनएस की धारा 351(2) यानी आपराधिक धमकी, तमिलनाडु प्रोहिबिशन ऑफ हैरेसमेंट ऑफ वुमन (अमेंडमेंट) एक्ट, 2002 की धारा 4 यानी उत्पीड़न से संबंधित प्रावधान और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 की धारा 67 यानी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से कथित आपत्तिजनक/अश्लील सामग्री का प्रकाशन या प्रसारण।

उदयनिधि की गिरफ्तारी

तमिलनाडु की पुलिस ने विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन को न सिर्फ इन धाराओं के साथ आनन-फानन में गिरफ्तार किया बल्कि उनसे 8 घंटे तक पूछताछ की, इसके बाद उन्हें छोड़ दिया गया। छूटने के बाद स्टालिन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके साथ आतंकवादी जैसा सुलूक किया गया। जबकि उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि मुख्यमंत्री विजय, मुख्यमंत्री की तरह बल्कि रील बनाने वाले की तरह व्यवहार कर रहे हैं। एमके स्टालिन ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष को दबाने के लिए पुलिस तथा कानून का इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन डीएमके इससे डरने वाली नहीं है। कुल मिलाकर एमके स्टालिन ने अपने बेटे की गिरफ्तारी को कानूनी कार्यवाई नहीं बल्कि राजनीतिक बदले की कार्यवाई माना है। लेकिन सवाल है इस पूरे विवाद को क्या महज बदले की सियासी कार्यवाई के रूप में देखा जाए या फिर माना जाए कि तमिलनाडु की मौजूदा सरकार किसी महिला के विरूद्ध अश्लील हरकत को लेकर एक उचित और संवेदनशील रवैय्या दिखाया है?
निश्चित रूप से चाहे दक्षिण भारतीय सिनेमा की अभिनेत्रियां हों या बॉलीवुड, सबने एक सुर से इस अश्लील टिप्पणी के विरूद्ध तमिलनाडु पुलिस द्वारा पूर्व उपमुख्यमंत्री को 8 घंटे तक हिरासत में रखे जाने को संकेत के रूप में एक सही कार्यवाई माना है ताकि राजनेता महिलाओं के प्रति कुछ भी बोलने से पहले सोचें। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में यह स्वीकार नहीं किया जा सकता कि किसी महिला के बारे में सार्वजनिक मंच से किसी भी तरह की टिप्पणी कर दी जाए। खास करके एक लोकप्रिय अभिनेत्री को लेकर की गई इस तरह अशोभनीय और यौन संकेतों वाली अपमानजनक टिप्पणी तो कानून ही नहीं, लोकतंत्र की भी धज्जियां उड़ाने वाली है। यदि कानून को प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हुआ कि कोई अपराध बनता है, तो इस बारे में न तो एफआईआर और न ही कई घंटों तक की गिरफ्तारी अनुचित है। भले ही पूर्व मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री अब इसे लेकर अपने विरूद्ध किया गया पुलिसिया शोषण बता रहे हों। भारतीय संविधान में महिलाओं को समान गरिमा के साथ जीने का अधिकार है। इसलिए भारतीय न्याय संहिता महिलाओं की मयार्दा का अपमान करने, अश्लील टिप्पणी करने और उत्पीड़न से संबंधित अनेक प्रावधान बनाये हैं। यदि कोई आम व्यक्ति ऐसी टिप्पणी करता और पुलिस उसके खिलाफ कार्यवाई करती, तो कोई भी व्यक्ति कुछ भी नहीं बोलता बल्कि लोग इसे पुलिस का सही कदम मानते।
अब चूंकि यह अभद्र टिप्पणी पूर्व उपमुख्यमंत्री द्वारा की गई है, जिसकी पार्टी का तमिलनाडु की राजनीति में हारने के बाद भी व्यापक प्रभाव है, इसलिए लोग इस मसले पर दो धड़ों में बंट गये हैं। किसी को लगता है अभिनेत्री तृषा कृष्णन पर की गई इस टिप्पणी के विरूद्ध पुलिस ने आनन-फानन में उदयनिधि स्टालिन के विरूद्ध इसलिए कड़ी कार्यवाई की, क्योंकि तृषा मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय की नजदीकी और कुछ के मुताबिक कथित प्रेमिका हैं। इन लोगों का मानना है कि अगर ऐसा नहीं होता तो कतई स्टालिन जैसे रसूख वाले परिवार को पुलिस कभी हाथ नहीं लगाती। क्योंकि भारतीय राजनीति में नेताओं द्वारा महिला नेत्रियों, अभिनेत्रियों और यहां तक कि महिला पत्रकारों तक को लेकर अतीत में कई अभद्र टिप्पणियां होती रही हैं। कुल मिलाकर महिलाओं को सम्मान की रक्षा के लिए की गई यह सख्त कानूनी कार्यवाई न केवल सिद्धांततः उचित है बल्कि यह आगे उन राजनेताओं के लिए सबक साबित होगी, जो मंच पर चढ़ते ही महिलाओं को लेकर मनोरंजन के मूड में आ जाते हैं।

> महिलाओं के सम्मान की रक्षा के लिए की गई यह सख्त कानूनी कार्वाई न केवल सिद्धांततः उचित है बल्कि यह आगे उन राजनेताओं के लिए एक बड़ा सबक साबित होगी, जो मंच पर चढ़ते ही महिलाओं को लेकर मनोरंजन के मूड में आ जाते हैं।

सोशल मीडिया

सपा ने सद्गुरु रविदास जी महाराज के नाम पर बने हुए जनपद का नाम भी हटाने का पाप किया था, अब भदोही को फिर से संत रविदास नगर के नाम पर ही जाना जायेगा। सीएम योगी.

हमारे छात्रों को हर हाल में इंसाफ मिलना चाहिए, उसके साथ हुई बर्बरता की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरनी में एक स्वतंत्र व उच्च स्तरीय समिति द्वारा की जानी चाहिए। राहुल गांधी.

युवाओं के आंदोलन का एक सबक बड़े मीडिया वालों के लिए भी है। मेन स्ट्रीम मीडिया को मेन स्ट्रीट मीडिया बनना होगा, इस आंदोलन ने बड़े-बड़ों की पोजिशन रोटेट कर दी है। अखिलेश यादव.

धारा के विपरीत मत चलो

प्रसन्नता हर दृष्टि से मनुष्य के लिए अच्छा है। जब तुम प्रेम में होते हो और खुश होते हो तो भूल जाते हो। लेकिन, जब संघर्ष, नफरत और गुस्सा होता है तो तुम उसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने लगते हो। ऊपर से वे अक्षम लोग, वे नैतिकतावादी, वे पुरोहित, वे राजनेता, वे मिल कर चिल्लाते हैं एक स्वर से कि देखो, हमने तुमसे पहले ही कहा था, और तुमने हमारी नहीं सुनी। प्रेम को त्यागो। प्रेम दुख बनाता है। इसे त्यागो, उसे त्यागो, जीवन को त्यागो। इन बातों को अगर बार-बार दोहराया जाता रहता है तो उनका असर होने लगता है। लोग उनके सम्मोहन में फँस जाते हैं। तुम कहते हो कि तुम उपवास करते रहे हो, तुमने ब्रह्मचर्य व्रत का पालन किया है। उपवास का भला बुद्धत्व से क्या ताल्लुक हो सकता है? ब्रह्मचर्य का बुद्धत्व से कोई संबंध नहीं हो सकता? बेतुकी बात है। जो भी तुम करते हो जैसे कि तुम कहते हो कि मैं बुद्धत्व प्राप्त करने के लिए रात-रात भर जागता रहता हूँ। दिन में बुद्धत्व प्राप्त करने की कोशिश क्यों नहीं करते? रात भर जागने की क्या जरूरत है? ये कुदरत के विरोध में तुम कयों खड़े हुए हो? बुद्धत्व प्रकृति के खिलाफ नहीं होता। वह प्रकृति की परितृप्ति है। वह तो प्रकृति की चरम अभिव्यक्ति है। वह तो जितना संभव हो सकता है, उतनी प्रकृति है। प्रकृति के खिलाफ होने पर नहीं, बल्कि साथ होने पर ही तुम बुद्धत्व तक पहुँचते हो। वह बहाव के खिलाफ तैरने से नहीं, बल्कि उसके साथ बहने से मिलता है। नदी की यात्रा तो पहले से ही समुद्र की तरफ है। तुम्हें उसके खिलाफ तैरना शुरू करने की कोई जरूरत नहीं, जबकि तुम करते यही रहे हो। अब तुम पूछोगे कि तो मुझे क्या करना चाहिए? मैं कहूँगा कि दुख के प्रति अपनी आसक्ति त्याग दो। तुम बुद्धत्व की खोज नहीं कर रहे हो, बल्कि तुम तो दुख की खोज में लगे हुए हो। बुद्धत्व तो सिर्फ एक बहाना है। जीवन से प्रेम करो, और अधिक खुश रहो। जब तुम एकदम प्रसन्न होते हो, संभावना तभी होती है, वरना नहीं। कारण यह है कि दुख तुम्हें बंद कर देता है, सुख तुम्हें खोलता है। क्या तुमने यही बात अपने जीवन में नहीं देखी? जब भी तुम दुखी होते हो, बंद हो जाते हो, एक कठोर आवरण तुम्हें घेर लेता है। तुम खुद की सुरक्षा करने लगते हो, तुम एक कवच-सा ओढ़ लेते हो। वजह यह है कि तुम जानते हो कि तुम्हें पहले से काफी तकलीफ है और अब तुम और चोट बर्दाश्त नहीं कर सकते। दुखी लोग हमेशा कठोर हो जाते हैं। उनकी नरमी खत्म हो जाती है, वे चट्टानों जैसे हो जाते हैं। एक प्रसन्न व्यक्ति तो एक फूल की तरह है। उसे ऐसा वरदान मिला हुआ है कि वह सारी दुनिया को आशीर्वाद दे सकता है।

अंतर्दृष्टि

पापी पेट का सवाल है...

व्यंग्यलोक

चुनाव की बेला है। वायदों की भरमार है। न्यूज मंडिया भी सज-धज कर तैयार हो गयी हैं। चैनल आपस में टकरा रहे हैं। घूरे में घूमते गधों के सिर चकरा रहे हैं। अपनी ही पार्टी के, अपने ही लोग, अपने ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर धक्कम-प्लेट लगा रहे हैं। चैनल फिलहाल बाढ़ की रोटी तोड़ रहे हैं। चैनल रानी, कहे बाढ़ की कहानी! टीवी माता पर बैठे सर्व एंकर ज्ञानी। कशिश ड्रेस में बैठी है एंकरानी! बाढ़ ज्ञान की उल्टी करते दिखाई पड़ रहे हैं। लेकिन इन सबसे चैनलों की पेट भराई नहीं हो रही है। ऐसे में न्यूज चैनलों के आगे रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। हर एक न्यूज चैनल पर खूंखार ज्ञान बाज एंकर मौजूद हैं। ज्ञानबाज एंकर माइक के गले को कस के खड़े हैं। विचार चाहे कितने ही सड़े हैं, परन्तु ज्ञान देने के लिए अड़े हैं। चैनलों पर आजकल न्यूजों को घोट डालने का काम चल रहा है। एक समय था, जब न्यूज चैनलों पर जगपुर के जिन्न और चंचलपुर की चुड़ैलें भारी पड़ती थी। प्राइम टाइम में ये अपना जलवा बिखेरती थीं। अब नगीनानगर की नागिनों का अलग ही जलवा कायम है। प्रीतपुर के प्रेत प्राइम टाइम में डिबेट करते नजर आ रहे हैं। तीसरे जिन्न की चौथी चुड़ैल ने पांचवें प्रेत की सातवीं नागिन को आपस में मिला दिया है।
चैनलों को अब भूत, प्रेत, नागिन, चुड़ैल, डाकिन, शाकिन, जिन्न के भरोसे ही अपनी गाड़ी आगे बढ़ानी पड़ रही है। इनकी राजनीति ही सब पर भारी है। टीवी पर फिर कोई एंकरनी आएगी। वह कुर्सी से बीन बजवाएगी। वोटर को नचवाएगी। वैसे जहां-तहां, यत्र-तत्र कुर्सियां पसरी पड़ी हैं। वोटरों को नचाती कुर्सियों का जलवा बरकरार है। देवी एंकरनी चीख रही है। खुद कुर्सी की ड्रेस में दीख रही है। प्राइम टाइम पर हमारे टीवी पर एकमात्र कुर्सी देखिए! कुर्सी जो है, इच्छाधारी, जो है हर इच्छा पर भारी। रूप बदलने में कभी नर तो कभी नारी। कभी मंत्री बन जाती है तो कभी संतरी। कभी इस पार्टी में जाती है, तो कभी उस पार्टी में जाकर सरकार गिराती है। सरकार उठाने वाली और सरकार गिराने वाली कुर्सी। इधर एक खाओ-कमाओ चैनल में बूढ़ा मंत्री बरगद पेड़ के नीचे बैठा चिल्ला-चिल्ला कर चिल्ला रहा है। आज हमारे चैनल पर देखिए लाइव मंत्री! एकदम ताजा मंत्री! मंत्री जो लाइव चैटिंग करता है! मंत्री जो डेटिंग करता है! मंत्री जो सेटिंग करता है! हमारा वाला असली जोरदार मंत्री! पहली बार एक मंत्री व दूसरे मंत्री के बीच लाइव संवाद! शमशान वाला मंत्री व कब्रिस्तान वाला मंत्री। दोनों मंत्री एकसाथ। कौमी एकता की भरपूर मिसाल। इनकी गजब की केमिस्ट्री सिर्फ हमारे चैनल पर! न्यूजों का तो वैसे ही अकाल है। पापी पेट का सवाल है।

रामविलास जॉंगिड़

कवि प्रदीप के देशभक्ति गीतों के अनसुने किस्से...

साहित्य

रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी, जो कवि प्रदीप के नाम से अधिक विख्यात हुए, ने देशप्रेम व देशभक्ति से संबंधित सैंकड़ों प्रभावी गीत लिखे, जिनमें से सर्वश्रेष्ठ 5 का चयन करना कठिन है, लेकिन उनके कुछ गीत ऐसे हैं जो न सिर्फ.आज तक लोगों की जबान पर हैं बल्कि उनके साथ ऐसे दिलचस्प किस्से जुड़े हुए हैं कि काम आसान हो जाता है। प्रदीप ने परम वीर मेजर शैतान सिंह भाटी के बारे में सुना था। वह उनकी कुबार्नी व बहादुरी से इतने प्रभावित हुए कि 'ए मेरे वतन के लोगों' गीत की रचना कर बैठे, जो देश का सबसे महान देशभक्ति गीत बना, जिसे लिखने के लिए प्रदीप को भारत सरकार ने राष्ट्रीय कवि घोषित किया। प्रदीप चाहते थे कि इस गीत को लता मंगेशकर गायें, लेकिन उस समय संगीतकार सी रामचंद्र व लता के बीच बोलचाल बंद थी, इसलिए रामचंद्र आशा भोंसले से यह गीत गवाना चाहते थे। प्रदीप को लगता था कि लता के अतिरिक्त कोई अन्य गायिका इस गीत से न्याय नहीं कर सकती। वह लता के लिए जिद पर अड़ गये। आखिर थककर रामचंद्र ने प्रदीप से कहा कि वह लता को अगर उनके साथ काम करने के लिए मना लेंगे तो उन्हें कोई आपत्ति नहीं होगी। प्रदीप लता के पास गये और बोले कि रामचंद्र के नाम पर भड़कें नहीं, पहले गीत सुन लें। गीत सुनते ही लता की आंखों में आंसू आ गये, वह गीत गाने के लिए तैयार हो गईं, लेकिन इस शर्त पर कि रिहर्सल व रिकॉर्डिंग पर प्रदीप मौजूद रहेंगे। इस तरह यह कालजयी गीत बना जिसे 26 जनवरी 1963 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर नेहरूजी के समक्ष गाया गया और वह भी इसे सुनकर रो पड़े थे।

प्रदीप ने इस गीत की रॉयल्टी 'वॉर विडो फण्ड' को दान कर दी थी, लेकिन सारेगामा (एचएमवी) ने आनाकानी की तो 25 अगस्त 2005 के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश से दस लाख रुपये का बकाया फण्ड में गया। प्रदीप ने 1987 में कहा था, 'आपको कोई देशभक्त नहीं बना सकता। यह जज्बा आपके खून में होता है, जो आपको देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करता है और आपको अलग बनाता है।' स्वतंत्रता संग्राम के दौरान फिल्म 'किस्मत' ऐसे समय रिलीज हुई थी जब 'भारत छोड़ो आंदोलन' चल रहा था और देश के लगभग सभी राष्ट्रवादी नेता सलाखों के पीछे थे। कवि प्रदीप ने बहुत होशियारी के साथ इस फिल्म के लिए 'आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है' गीत लिखा। चूंकि इस गीत में 'जर्मन व जापानी' शब्दों का प्रयोग हुआ था (शुरू हुआ है जंग तुम्हारा जाग उठो हिन्दुस्तानी/तुम न किसी के आगे झुकना जर्मन हो या जापानी/आज सभी के लिए हमारा यही कौमी नारा है/दूर हटो ए दुनिया वालों हिंदुस्तान हमारा है) इसलिए ब्रिटिश शासक इससे धोखा खा गये, विशेषकर इस वजह से भी कि वह दूसरे विश्व युद्ध में जर्मनी व जापान के विरुद्ध लड़ रहे थे और सेंसर बोर्ड ने इस गीत को पास कर दिया। लेकिन गीत के पहले बंद (दूर हटो ए दुनिया वालों हिंदुस्तान हमारा है। जहां हमारा ताज महल है और कुतुबमीनार है/जहां हमारे मंदिर मस्जिद सिखों का गुरुद्वारा है/इस धरती पर कदम बढ़ाना अत्याचार तुम्हारा है/दूर हटो ए दुनिया वालों हिंदुस्तान हमारा है) से ही भारतीय दर्शक समझ गये थे कि यह अंग्रेजों के विरोध में व भारतीयों में देश प्रेम जागृत करने के लिए लिखा गया है। इसलिए वह सिनेमाघरों में इस गीत को बार-बार चलाने की मांग करते थे। देशभर के थिएटरों में 'वन्स मोर, वन्स मोर' के नारे गूंजते और जनता को संतुष्ट करने के लिए रील को रीवाउंड करके गीत को कई बार सुनाया जाता था। 'किस्मत' ने उस समय का बॉक्स ऑफिस इतिहास रच दिया कि एक सिनेमाघर में तो साढ़े तीन साल तक चली। बहरहाल, ब्रिटिश को जल्द ही अपनी चूक का एहसास हो गया कि गीत के असल अर्थ तो कुछ और हैं और प्रदीप के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी कर दिए गये। गिरफ्तारी से बचने के लिए प्रदीप को भूमिगत होना पड़ा। इस गीत का उल्लेख करते हुए पंडित जवाहरलाल नेहरु ने अपने संस्मरणों में लिखा है, 'प्रदीप जी दूरदर्शी थे, उन्होंने चित्रपट की क्षमता को पहचान कर एक सशक्त माध्यम के रूप में उसका इस्तेमाल किया।' प्रदीप ने एक अवसर पर पंडित नेहरु से कहा था, 'देशभक्ति के गीत लिखना मेरा रोग है, मैं इस रोग से ग्रस्त हूं।' फिल्म 'जागृति' में कवि प्रदीप ने देशभक्ति पर तीन शानदार गीत लिखे, जिन्हें हम क्रमशः तीसरे, चौथे व पांचवें नंबर पर रखना चाहते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि प्रदीप महात्मा गांधी का बहुत सम्मान करते थे और प्रेम भी, इसलिए फिल्म 'जागृति' का गीत- दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल- जो उन्होंने गांधीजी के सम्मान में लिखा, वह उनके दिल की आवाज ही है। **कैलाश सिंह.**

आपकी बात

कृषि में निवेश बढ़ायें

कृषि को लेकर लफ्फाजी अधिक और काम बहुत कम किया गया जिसका परिणाम आज देश के करोड़ों किसानों को गरीबी, कम आय और कृषि के लिए पर्याप्त बुनियादी संरचना की अनुपलब्धता के रूप में भुगतना पड़ रहा है। जिन्होंने अस्सी-नब्बे के दशक में पढ़ाई की है उन्होंने यह जरूर पढ़ा होगा कि, भारत कृषि प्रधान देश है, देश की सत्तर-अस्सी प्रतिशत लोगों की जीविका खेती पर निर्भर करती है, खेती से सर्वाधिक रोजगार मिलता है और तुर्रा यह भी कि 'देश की आत्मा गांवों में बसती है।' कृषि, गांव और ग्रामीण जीवन के बारे में इतना अच्छा-अच्छा किताबों में बताकर एक गुलाबी वातावरण जरूर बनाने का प्रयास किया गया लेकिन खुरदुरा सचाई यह है कि खेती और ग्रामीण जीवन को संवारने के लिए , कृषि के साथ भावनात्मक संबंधों को आगे बढ़ाते हुए इसे एक लाभप्रद व्यवसाय में बदलने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया गया। शायद इसके पीछे एक कारण यह भी रहा हो कि यह एक लंबी प्रक्रिया थी, इसमें भारी निवेश की जरूरत थी और एक लंबे समय तक इससे कोई सियासी लाभ भी मिलने मिलने वाला नहीं था। आज जब देश में ऐसा चुनावी वातावरण बन गया है कि 'कर्ज माफी, मुफ्त बिजली' जैसे चुनावी वायदे सियासी जमातों को कुछ ही सप्ताहों, महीनों में फर्श से अर्श पर पहुंचा देते हैं, तब भला ग्रामीण विकास के लिए एक लंबी, शतत् और निवेश साध्य प्रक्रिया में उलझकर कोई भी अपने आपको घनचक्कर क्यों बनाना चाहेगा। वह भी तब जबकि मतदाता इतना सूझ-बूझ वाला है कि वह लंबे निवेश और विकास की ठोस योजनाओं के बजाय मुफ्त के माल पर ज्यादा आकर्षित होता है। बहरहाल यह सब तो सियासी हथकंडा है। असलियत यह है कि हर चुनाव में कर्जमाफी का वायदा किया जाता है, इसके बावजूद देश का किसान गंभीर कर्ज संकट के दौर से गुजर रहा है। यह सही है कि भारत की प्रगति का रास्ता गांवों से गुजरता है और इसके लिए सरकार को बड़े निवेश और दीर्घकालिक योजनाओं के साथ शतत् प्रयास की जरूरत है। अगर सरकार इस दिशा में पहल करती है, तो निश्चय ही एक-दो दशक बाद ग्रामीण भारत के साथ ही संपूर्ण देश की तकदीर बदल सकती है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने अनाज भंडारण की महत्वाकांक्षी योजना की जो घोषणा की है वह ऐसी ही एक योजना है जो भारत की तकदीर और तस्वीर दोनों बदल सकती है। देश में खाद्य सुरक्षा को लेकर भी बहुत लफ्फाजी की गयी है, गैर जिम्मेदाराना तरीके से कानून बनाये गये हैं, लेकिन यह सोचने का प्रयास नहीं किया गया कि खाद्य सुरक्षा कानून बनाने से कैसे मजबूत होगी। क्या लोग कानून खायेंगे? हालांकि अनाज भंडारण की महत्वाकांक्षी योजना की जो घोषणा बीते साल की गयी है। इससे जरूर खाद्य सुरक्षा मजबूत होगी, अनाजों की बर्बादी भी कम होगी, किसानों को उनके उपज का वाजिब मूल्य दिलाने में भी मदद मिलेगी, गांवों में रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलेगा।

ज्ञान प्रकाश सिंह, लखनऊ.

असंगठित श्रमिकों की दशा

केन्द्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को व्यापक स्तर पर सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिए बीमा योजना, पेंशन योजना और आयुष्मान भारत योजना जैसे अनेक कार्यक्रम लांच किये हैं। इस योजना के तहत एक श्रमिक जो दिहाड़ी मजदूर है या ऐसे रोजी-रोजगार से जुड़ा है जिसमें उसकी उसको किसी तरह से सामाजिक सुरक्षा का कवर उपलब्ध नहीं है, ऐसे लोग नयी पेंशन योजना में शामिल हो सकते हैं जिसमें उनको साठ साल पूरे होने पर प्रतिवर्ष तीन हजार रुपये पेंशन मिलेगी। श्रमिकों को सुरक्षा कवर उपलब्ध कराने का यह फैसला न सिर्फ सराहनीय है बल्कि उन करोड़ों श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा जिनको वृद्धावस्था में कोई मदद नहीं मिलती थी। लेकिन इस योजना में कुछ खामियां हैं। अगर सरकार इनमें सुधार करती है तो यह और अधिक प्रभावी एवं कल्याणकारी बन जायेगी।

प्रमोद कुमार शर्मा, लखनऊ.

संक्षेप

बच्ची से दरिंदगी के दोषी को 20 साल की कैद

बरेली। जिले की एक अदालत ने पांच साल की बच्ची से बलात्कार के आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 साल की कैद की सजा सुनायी है। विशेष लोक अभियोजक कुलदीप श्रोत्रिय ने बुधवार को बताया कि 17 जुलाई 2025 को बारादरी थाना क्षेत्र के एक मुहल्ले की रहने वाली पांच साल की एक बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी, तभी पड़ोस में रहने वाले 50 वर्षीय मुकेश गुप्ता ने उसे टॉफी का लालच दिया और अपने घर ले जाकर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया। उन्होंने बताया कि बच्ची ने अपनी मां को आपबीती बतायी थी जिसके बाद मुकदमा दर्ज करके मुकेश को गिरफ्तार कर लिया गया था। श्रोत्रिय ने बताया कि विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) नरेंद्र प्रकाश ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद मंगलवार को मुकेश को दोषी करार देते हुए 20 साल की कैद और 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी।

ट्रकों की टक्कर में दो की मौत , दो घायल

बरेली। जिले में लखनऊ-दिल्ली हाईवे के बड़ा बाइपास (जीरो प्वाइंट) पर बुधवार दोपहर दो ट्रकों की आमने-सामने की भीषण भिड़ंत में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया। पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ट्रकों के अगले हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और दो लोग केबिन में फंस गए। सूचना मिलते ही बिथरी चैनपुर थाना प्रभारी राजेश बाबू मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों घायलों को केबिन से बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। घायलों में एक का पैर कट जाने की सूचना है और उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

मंदिर में पुजारी का शव फंदे से लटका मिला

महोबा। जिले के खरेला कस्बे स्थित हुलकन माता मंदिर परिसर में बुधवार को मंदिर के पुजारी का शव कमरे के अंदर फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस उपाधीक्षक दीपक दुबे ने बताया कि मृतक की पहचान ओमप्रकाश शर्मा (70) के रूप में हुई है। वह खरेला कस्बे के मुहाल हले-1 के निवासी थे और लंबे समय से हुलकन माता मंदिर में पुजारी के रूप में सेवा दे रहे थे। बुधवार सुबह परिजन मंदिर पहुंचे तो कमरे के अंदर ओमप्रकाश शर्मा का शव फंदे से लटका मिला। इसके बाद तत्काल खरेला थाना पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू की।

गड्ढे में डूबने से दो लड़कों की मौत

मिर्जापुर। जिले के चील्ह क्षेत्र में एक निर्माणाधीन पुल के खंभे के लिये खोदे गये गड्ढे में भरे पानी में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को यहां बताया कि चील्ह थाना क्षेत्र के हरसिंहपुर गांव में मंगलवार को निर्माणाधीन पुल के खंभे के लिए खोदे गए गड्ढे में डूबने से किशन (सात) और उसके चचेरे भाई सत्यम (छह) की मौत हो गयी। उन्होंने बताया कि दोनों लड़के घर से खेलने के लिए निकले थे लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिजन ने उनकी तलाश शुरू की तो उनके शव गड्ढे में भरे पानी में पाये गये। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं मिर्जापुर से सांसद अनुप्रिया पटेल ने बच्चों की मौत पर शोक जताया है।

सड़क दुघर्टना में दो की मौत, दो गंभीर

सोनभद्र । जिले के राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में वाराणसी शक्तिनगर मार्ग पर अज्ञात वाहन के चपेट में आने से एक ही बाइक पर सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि परही गांव निवासी सुभाष यादव(27) अपने रिश्तेदार के यहां सुकृत गया हुआ था जहां से वह आज तेतरा देवी (70), आर्यन (7) और अपनी मां को लेकर एक ही बाइक पर सवार हो कर मधुपुर के लिए निकला था। लगभग 11:30 बजे वह लोग मधुपुर फ्लाईओवर के समीप पहुँचे ही थे कि तभी पीछे से एक बस ने बाइक को टक्कर मार दी।

सुबह 8.40 बजे तक बंद मिला प्राथमिक विद्यालय

बेसिक स्कूलों का हाल-बेहाल, छात्र-छात्राएं विद्यालय के बाहर बैठने को मजबूर

जिला संवाददाता

ललितपुर। विकासखंड जखौरा के ग्राम मसौराखुर्द (अनुसूचित जाति बस्ती) स्थित प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों की कथित लापरवाही और मनमानी का मामला सामने आया है। ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी रत्नेश कुमार ने मामले का संज्ञान लेते हुए विद्यालय में तैनात समस्त स्टाफ को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया है। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी जखौरा को विद्यालय का निरीक्षण कर विस्तृत जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। बीएसए रत्नेश कुमार ने बताया कि 5 अगस्त 2026 की सुबह ग्रामीणों ने उनके सीओजी मोबाइल नंबर पर फोन कर शिकायत दर्ज कराई। इसके साथ ही व्हाट्सऐप के माध्यम से विद्यालय के मुख्य द्वार पर लगे ताले और बाहर इंतजार कर रहे बच्चों की तस्वीरें भी भेजीं। शिकायत के अनुसार सुबह 8.40 बजे तक विद्यालय नहीं खुला था, जिससे छात्र-छात्राएं बाहर बैठने को मजबूर थे। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय में शिक्षक अक्सर निर्धारित समय से देर से पहुंचते हैं और कई बार स्कूल को समय से पहले ही बंद कर दिया जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया कि विद्यालय में मध्याह्न भोजन निर्धारित मेन्यू के अनुसार तैयार नहीं किया जाता। बच्चों को मिलने वाले दूध और फल का वितरण भी नियमित रूप से नहीं हो रहा है। उनका कहना है कि शिक्षकों की उदासीनता के कारण विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था लगातार प्रभावित हो रही है और बच्चों का शिक्षा स्तर गिर रहा है। शिक्षकों की कार्यप्रणाली से नाराज ग्रामीणों ने विद्यालय की वित्तीय जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले शिक्षकों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की मांग की है। मामले को गंभीर मानते हुए बीएसए रत्नेश कुमार ने विद्यालय के समस्त स्टाफ को निर्देश दिया है कि वे लौटती डाक से अपना पृथक-पृथक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें कि उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। इसके साथ ही खंड शिक्षा अधिकारी जखौरा को तत्काल विद्यालय का निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच करते हुए विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। बीएसए ने स्पष्ट किया कि जांच में शिकायतें सही पाए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने पुलिस कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेयी ने बुधवार को पुलिस कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्यालयीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न शाखाओं के अभिलेखों, पत्रावलियों और कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी ने वाचक कार्यालय पहुंचकर प्राप्त होने वाले पत्रों, आदेशों एवं अन्य पत्रावलियों के निस्तारण की स्थिति देखी और सभी प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने प्रधान लिपिक शाखा का निरीक्षण किया। यहां कार्यालयीय अभिलेखों एवं पत्रावलियों की जांच करते हुए सभी कार्यों को नियमानुसार और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए निर्देशित किया। एसपी ने आईजीआरएस सेल का निरीक्षण कर जनशिकायतों की स्थिति और उनके निस्तारण की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनशिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता के रूप में न हो, बल्कि पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध तरीके से किया जाए। निरीक्षण के दौरान मॉनिटरिंग सेल के कार्यों एवं अभिलेखों की भी जांच की गई। एसपी ने लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा और प्रभावी अनुश्रवण करने के निर्देश दिए। डीसीआरबी सेल के निरीक्षण में संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए। वहीं पैरवी सेल में न्यायालयों में विचाराधीन अभियोगों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने तथा अभियोजन कार्य को मजबूत बनाने पर जोर दिया गया। कन्विक्शन सेल के निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने चिन्हित अभियोगों में प्रभावी पैरवी करते हुए अधिक से अधिक अभियुक्तों को सजा दिलाने के लिए नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए।

जलकर बकायेदारों को बड़ी राहत ब्याज और सरचार्ज होगा माफ

ललितपुर। जलकर एवं जलमूल्य के बकायेदार उपभोक्ताओं के लिए राहत भरी खबर है। जल संस्थान ने शासन के निर्देश पर एकमुश्त समाधान योजना लागू कर दी है। इस योजना के तहत बकाया जलकर एवं जलमूल्य की धनराशि पर लगे ब्याज और सरचार्ज की शत-प्रतिशत माफी दी जाएगी। जल संस्थान अधिशासी अभियंता ने बताया कि प्रमुख सचिव, नगर विकास अनुभाग-09, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ तथा महाप्रबंधक, झांसी डिवीजन जल संस्थान, झांसी के निदेशों के क्रम में यह योजना लागू की गई है। योजना का उद्देश्य जलकर एवं जलमूल्य के पुराने बकायों का निस्तारण कर उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करना है। एकमुश्त समाधान योजना का लाभ प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों के अंतर्गत आने वाले उन उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिन पर जलकर अथवा जलमूल्य की धनराशि बकाया है। इसमें नगर पालिका परिषद सहित नगर पंचायत तालबेहट, पाली, महरौनी एवं अन्य नगरीय क्षेत्रों के उपभोक्ता शामिल हैं। योजना के तहत उपभोक्ताओं को अपने मूल बकाये का एकमुश्त भुगतान करने पर उस पर लगाए गए ब्याज एवं सरचार्ज से पूरी तरह मुक्ति मिलेगी। इससे लंबे समय से बकाया चल रहे जलकर और जलमूल्य का भुगतान करना उपभोक्ताओं के लिए आसान होगा। जल संस्थान अधिकारियों ने सभी उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे इस सीमित अवधि की योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और समय रहते अपने बकाये का भुगतान कर ब्याज एवं सरचार्ज माफी का लाभ प्राप्त करें।

झाड़-फूंक के दौरान महिला की मौत पति व तांत्रिक समेत तीन गिरफ्तार

बाराबंकी। जिले में देवा कस्बे की एक मजार पर झाड़-फूंक के नाम पर एक विवाहिता को 10 दिन तक खंभे से बांधकर रखने और कथित इलाज के दौरान मंगलवार की रात उसकी मौत हो जाने के मामले में देवा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उसके पति, एक कथित तांत्रिक और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि सोमवार शाम लखनऊ के गोमतीनगर निवासी 33 वर्षीय रूबी यादव की तबीयत बिगड़ने पर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवा लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे देर रात मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मानसिक बीमारी के उपचार के नाम पर उसे करीब 10 दिन से देवा में स्थित एक मजार पर, जो सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की दरगाह से अलग और कुछ दूरी पर है, खंभे से बांधकर झाड़-फूंक करायी जा रही थी। मृतका के पिता प्रमोद यादव ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि उनके दामाद अंकित यादव, कथित तांत्रिक मुन्ना तथा उसके सहयोगी कदीर अहमद ने इलाज के नाम पर रूबी को कई दिनों तक खंभे से बांधकर रखा और झाड़-फूंक करते रहे और इसी दौरान उसकी हालत बिगड़ी, जिससे उसकी मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक आलोक मणि त्रिपाठी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मृत महिला के पति, कथित बाबा और उसके सहयोगी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फ्लैट में मृत मिले लोकसभा सचिवालय के निदेशक

नोएडा। लोकसभा सचिवालय में निदेशक पद पर कार्यरत एक व्यक्ति ने नोएडा स्थित अपने फ्लैट में कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से एक कथित सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है, जिसमें कर्ज का जिक्र किया गया है। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान गौरव गौतम (40) के रूप में की गयी है। गौतम का शव रविवार को सेक्टर-82 स्थित केंद्रीय विहार-2 सोसाइटी में उनके फ्लैट में छत के पंखे से लटका मिला। फेज-2 थाना पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना उस अस्पताल से भेजे गए ज्ञापन के माध्यम से मिली, जहां गौतम को इलाज के लिए ले जाया गया था। अस्पताल लाए जाने पर चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के समय गौतम की पत्नी अपने मायके गई हुई थीं। घर लौटने पर उन्होंने फ्लैट का दरवाजा बंद पाया और अनहोनी की आशंका होने पर सुरक्षा गार्ड की मदद से फ्लैट का दरवाजा खुलवाया। उसने बताया कि अंदर जाने पर उन्होंने अपने पति को फंदे से लटका पाया और इसके बाद उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घाघरा नदी की कटान तेज,धान की फसल नदी में समायी

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। विकासखंड पूरेडलई स्थित ग्राम खेतासराय में घाघरा नदी का कटान तेज हो गया है। इसके चलते किसानों की सैकड़ों बीघा धान की फसल नदी में समाहित हो चुकी है। किसानों का आरोप है कि सिंचाई विभाग और तहसील प्रशासन ने इस समस्या का कोई उचित समाधान नहीं किया है। जिससे वे बेहद चिंतित हैं। जिसको लेकर ग्राम खेतासराय के पूर्व प्रधान ने राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा से समस्या को लेकर गुहार लगाई। इस संबंध में रामसनेहीघाट तहसीलदार शशांक उपाध्याय ने बताया कि मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण करेंगे। यदि किसानों की फसलें और जमीन प्रभावित हुई है तो उसका आकलन करवाकर नियमानुसार शासन से मुआवजा दिलवाया जाएगा।

चिकित्सक की सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी

ललितपुर। स्थानीय मेडिकल कॉलेज में भारतीय ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन एवं उत्तरप्रदेश ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के निर्देशन में ललितपुर आर्थोपेडिक क्लब की ओर से एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को काम के दौरान होने वाली समस्याओं से बचाने के उपाय प्रयोग कर के समझाये गये। ललितपुर मेडिकल कॉलेज में ऑर्थोपेडिक क्लब की ओर से डा.आकाश खैरा ने पावर प्वाइंट प्रिजेंटेशन के माध्यम से बताया कि लगातार काम करने से स्ट्रैस के कारण अनेक स्वास्थ्य समस्यायें उत्पन्न हो जाती हैं। अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहते हुये हर 45 मिनट के काम के समय के दौरान सिर्फ 60 सेकेण्ड में स्ट्रैच एक्सरसाईज कर अपने आप को तरोताजा किया जा सकता है। इससे मानसिक और शारीरिक एकाग्रता बढ़ जाती है जिससे गलती करने की गुंजाइश कमतर हो जाती है। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और क्लब मानद सदस्य डा.मयंक कुमार शुक्ला ने कहा कि चिकित्सकों के स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना हम सब की जिम्मेदारी है, तभी चिकित्सक जनता की सेवा कर सकेंगे। उन्होंने प्रमाणपत्र बाँटकर क्लब के सदस्यों और प्रतिभागियों को सम्मानित किया और कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम होते रहना चाहिये।

14 को जनपद में मनाया जायेगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने जानकारी देते हुये बताया कि विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस 2026 का आयोजन 14 अगस्त 2026 को जनपद में विविध कार्यक्रमों के माध्यम से किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य विशेषकर युवा पीढ़ी को विभाजन की त्रासदी के प्रति जागरूक करते हुये प्रभावित लोगों को साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करना है। इस अवसर पर 14 अगस्त को जनजागरूकता हेतु कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। जिनमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय एवं सार्वजनिक संस्थानों में व्याख्यान एवं चचाएं आयोजित करायी जायेगी। प्रदेश के छात्र-छात्राओं को विभाजन विभीषिका स्मृति पर आधारित माईजीओवी पोर्टल पर आयोजित राष्ट्रीय आनलाइन क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा। विद्यालयों में भारत-पाकिस्तान विभाजन विभीषिका पर आधारित फिल्मों एवं डॉक्युमैन्ट्री का प्रदर्शन किया जायेगा एवं भारत सरकार द्वारा विभीषिका पर तैयार की गयी सामग्री आधारित प्रदर्शनियों का आयोजन किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी एवं गैर सरकारी संगठनों आदि का सहयोग भी लिया जायेगा। नाटकों की स्क्रिप्ट एवं फिल्म को अमृत काल की वेबसाइट के लिंक से प्राप्त किया जा सकता है।

परास्नातक विधि का हुआ दीक्षारम्भ

सतरिख, बाराबंकी। टी0आरसी लॉ कालेज परिसर मे एलएलएम के द्विवर्षीय एवं एकवर्षीय पाठ्यक्रम के लिये छात्रों का ओरियंटेशन कार्यक्रम दीक्षारम्भ का शुभारम्भ कॉलेज के शासी निकाय अध्यक्ष डॉ0 सुजीत चतुवेर्दी ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि कर किया। इस मौके पर शासी निकाय अध्यक्ष डॉ0 चतुवेर्दी ने कहा कि कॉलेज में अत्याधुनिक पुस्तकालय, डिजिटल क्लास रूम एवं समस्त प्रकार की शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं मार्गदर्शन देते हुए समस्त के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। परास्नातक विभाग के सहायक आचार्य डॉ0 इन्द्र दमन तिवारी ने डिसर्टेशन, शोध पत्र एवं शोध प्रणाली के सम्बंध में विस्तार से चर्चा की। प्राचार्य डॉ0 अश्वनी कुमार गुप्ता ने कॉलेज की पृष्ठभूमि तथा दीक्षारम्भ के विषय पर प्रकाश डाला। विभागाध्यक्ष डॉ0 अविनाश मिश्रा ने एलएलएम पाठ्यक्रम के सम्बंध में समयावधि, पाठ्यक्रम संरचना, परीक्षा पद्धति, पुस्तकालय, मूल्यांकन तथा उपयोगिता के सम्बंध में विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर परास्नातक विभाग की सह आचार्य डॉ0 दीपमाला श्रीवास्तव, सहायक आचार्य आराधना मिश्रा मौजूद रहे।

जनेश्वर मिश्र समाजवादी विचारधारा की जीती जागती पाठशाला थे: गोप

बाराबंकी। जनेश्वर मिश्र समाजवादी विचारधारा की जीती जागती पाठशाला थे। जो सदैव कहते थे कि देश की तकदीर बदलनी है तो हम लोगों को संघर्ष और बलिदान के लिए हमेशा तैयार रहना होगा तभी देशवासियों के चेहरे पर खुशहाली आएगी। उक्त विचार समाजवादी पार्टी कार्यालय पर समाजवादी पुरोधा पंडित जनेश्वर मिश्र छोटे लोहिया की जयंती पर आयोजित विचार गोष्ठी मे उनके चित्र पर माल्यार्पण कर करने के पश्चात कार्यकर्ताओ के बीच व्यक्त किए। गोष्ठी मे सपा जिलाध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद ने कहा कि समाजवादी पार्टी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को हम सबको मिलकर गांव गांव, जन जन तक पहुंचाने का कार्य करना है। तभी हम जनेश्वर मिश्र के उस सपने को साकार कर सकेंगे जो सपना उन्होंने देश के गरीब किसान नौजवान की तरक्की के लिए देखा था। इस अवसर पर जिला महामंत्री हिमांशु यादव, हुमायूं नईम खान, दानिश सिद्दीकी, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा, अजय वर्मा बबलू, लल्ला यादव, राजकुमार वर्मा आदि कार्यकताओं मौजूद रहे।

डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के प्रति साइबर एक्सपर्ट राजन यादव ने लगाई जागरुकता पाठशाला

बाराबंकी। डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के प्रति आमजन को जागरुक किये जाने को लेकर साइबर सेल टीम द्वारा लखनऊ पब्लिक स्कूल पर साइबर जागरुकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला मे साइबर एक्सपर्ट आरक्षी राजन यादव ने साइबर अपराधियों द्वारा लोगों को ठगी का शिकार बनाने के नए-नए तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साइबर एक्सपर्ट आरक्षी श्री यादव ने डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड के बारे मे जागरुक करते हुये कहा कि साइबर ठग स्वयं को पुलिस, सीबीआई, ईडी अथवा किसी अन्य सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर फोन या वीडियो कॉल कर व्यक्ति को किसी अपराध, अवैध गतिविधि, पार्सल या मनी लॉन्ड्रिंग जैसे मामलों में फंसाने का डर दिखाते हैं। उन्होने उपाय व बचाव की जानकारी देते हुये कहा कि किसी भी अज्ञात फोन या वीडियो कॉल पर स्वयं को पुलिस अधिकारी बताने वाले व्यक्ति पर तुरंत विश्वास न करे, वीडियो कॉल के माध्यम से डिजिटल अरेस्ट जैसी कोई कार्यवाही नहीं है। किसी के साथ अपना बैंक खाता विवरण, एटीएम कार्ड नंबर, ओटीपी पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। डरने या घबराने के बजाय कॉल को तुरंत बंद कर संबंधित जानकारी की सत्यता की जांच करें। किसी भी संदिग्ध घटना की सूचना तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा नजदीकी पुलिस थाने तथा साइबर अपराध की शिकायत राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर भी दर्ज की जा सकती है।

भारी बारिश के बाद सरायबरई पीएचसी परिसर हुआ जलमग्न

टिकैतनगर, बाराबंकी। विकासखण्ड पूरेडलई के ग्राम सराय बरई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में मंगलवार रात करीब 3 बजे से हुई भारी बारिश के बाद अस्पताल परिसर में जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने से सड़कों और नालियों का पानी अस्पताल परिसर में जमा हो रहा है। जिससे मरीजों, डॉक्टरों और तीमारदारों को अस्पताल में दवा लेने के दौरान परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल वर्षों से जलभराव की समस्या से जूझ रहा है। थोड़ी सी बारिश में मुख्य प्रवेश द्वार सहित पूरा परिसर जलमग्न हो जाता है। अस्पताल में तैनात नर्स अंजली सिंह ने बताया कि परिसर में भारी जलभराव से मरीजों, तीमारदारों और विशेषकर गर्भवती महिलाओं को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने और ग्राम प्रधान द्वारा ध्यान न दिए जाने की बात कही। इस संबंध में ग्राम प्रधान सुरेश चंद्र गुप्ता ने बताया कि अस्पताल उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। इसलिए वे सीधे तौर पर कुछ नहीं कर सकते। हालांकि उन्होंने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। इस संबंध में टिकैतनगर सीएचसी अधीक्षक डॉ विजय पटेल से संपर्क नही हो सका।

हैण्डलूम व्यापारियों संग राज्यकर उपायुक्त विकास कुमार सेठ ने की बैठक

बाराबंकी। राज्यकर विभाग द्वारा हैण्डलूम व्यापारियों के साथ जीएसटी जागरूकता एवं व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे राज्यकर प्रशासन उपायुक्त विकास कुमार सेठ ने व्यापारियों को जीएसटी पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने, ई-इनवॉइस, ई-वे बिल, इनपुट टैक्स क्रेडिट, अभिलेखों के उचित रख-रखाव, समय पर कर भुगतान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। तथा हैण्डलूम उद्योग से संबंधित व्यापारियों को कर अनुपालन के लाभों एवं शासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न सुविधाओं के बारे मे अवगत कराया। उन्होने व्यापारियों से समय पर रिटर्न दाखिल करें, सही विवरण प्रस्तुत करने तथा अपने व्यवसाय में पूर्ण कर अनुपालन सुनिश्चित करने की अपील की। बैठक मे उपायुक्त अंजू उपाध्याय, सोनिका, सहायक आयुक्त ज्योत्स्ना सिंह, शिव शंकर, अजय कुमार श्रीवास्तव, मुजीबुद्दीन अंसारी, उसामा अंसारी, रमेश कुमार अग्रवाल, पंकज जैन, महावीर जैन आदि व्यापारी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत व मध्यस्थता अभियान 3.0 की सफलता के लिए बैठक

बाराबंकी। आगामी 12 सितंबर राष्ट्रीय लोक अदालत व राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान 3.0 की सफलता हेतु अपर जिल एवं सत्र न्यायाधीश व राष्ट्रीय लोक अदालत नोडल अधिकारी श्रीकृष्ण चन्द्र सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक मे अपर जिला जज व नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ने न्यायिक अधिकारियों को अधिक से अधिक वाद चिन्हित कर उनका तामीला कराने एंव 1 अगस्त से राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान 3.0 मे अधिक से अधिक पत्रावलियों को मध्यस्थता केन्द्र में संदर्भित करने की अपील की। बैठक में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव उज्ज्वल उपाध्याय, कनिष्ठ, वरिष्ठ मजिस्ट्रेटगण आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल का स्वर्णिम उड़ान 2047 लॉन्च

नई दिल्ली। आज वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल ने इंडियन गोल्ड इंडस्ट्री के लिए अपना लैंडमार्क विजन, स्वर्णिम उड़ान 2047: अनलॉकिंग द फुल पोटेंशियल ऑफ गोल्ड टुवार्ड्स विकसित भारत 2047 पेश किया। इस रिपोर्ट के नॉलेज पार्टनर मॉनिटर डेलॉयट हैं। इसमें भारत के आर्थिक विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक लीवर के रूप में गोल्ड को स्थापित करने के लिए एक दीर्घकालिक रोडमैप पेश किया गया है। जहाँ भारत 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, वहीं, इस रिपोर्ट में गोल्ड को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति माना गया है, जो वित्तीय मजबूती, एक्सपोर्ट, इनोवेशन और जवाबदेह घरेलू मूल्य निर्माण के साथ आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने में सक्षम है। इस रिपोर्ट में नीति के तालमेल और संस्थागत प्रयासों की मांग की गई है, ताकि पूरे ईकोसिस्टम को इसका ज्यादा लाभ मिल सके। भारत का ग्लोबल गोल्ड ईकोसिस्टम में एक अहम स्थान है। ग्लोबल सप्लाई चेन के मजबूत होने, फाईनेंशियल मार्केट्स के विस्तार और महत्वपूर्ण टेक्नोलॉजी के विकास के साथ भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने वाली है। गोल्ड का महत्व केवल निवेश और ज्वेलरी में नहीं है। यह उद्योगों में इनोवेशन, वित्तीय मजबूती और आर्थिक सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। स्वर्णिम उड़ान 2047 ने भारत को अपने गोल्ड मार्केट को आधुनिक और मजबूत बनाने का एक स्पष्ट मार्ग दिया है। इससे रिसोर्सेज की सुरक्षा बढ़ेगी, वित्तीय मजबूती आएगी, आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा।

टाटा के एडवांस्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी रीसाइकल विद रिस्पेक्ट का शुभारंभ

पटना। टाटा मोटर्स ने पर्यावरण-अनुकूल आवागमन और सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के अपने वादे को दोहराते हुए, आज पटना, बिहार में अपने अत्याधुनिक रीसाइकल विद रिस्पेक्ट फैसिलिटी के उद्घाटन की घोषणा की। बिहार सरकार के परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने इस पंजीकृत वाहन स्क्रैपेज फैसिलिटी (आरवीएसएफ) का उद्घाटन किया। ये सुविधाएं पुराने वाहनों को सुरक्षित और जिम्मेदारी से डिस्मैंटल करने के लिए बनाई गई हैं और ये सभी ब्रांडों और सभी तरह के वाहनों को संभाल सकती हैं। इस सुविधा का उद्घाटन करते हुए, बिहार सरकार के परिवहन मंत्री दामोदर रावत ने कहा कि पटना में इस रजिस्टर्ड वाहन स्क्रैपिंग फैसिलिटी की शुरूआत राज्य में सुरक्षित सड़कों और स्वच्छ ट्रांसपोर्ट इकोसिस्टम की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राष्ट्रीय वाहन स्क्रैपेज नीति के तहत, यह सुविधा वैज्ञानिक और जिम्मेदार तरीके से पुराने और अनुपयुक्त वाहनों को हटाने में मदद करेगी, जबकि वाहन मालिकों को नए, सुरक्षित और अधिक ईंधन-कुशल वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। पूरे बिहार में प्रदूषण को कम करने और सड़क सुरक्षा में सुधार के लिए हमारी गाड़ियों को अपग्रेड करना बहुत आवश्यक है।

प्रेस्टीज ने लॉन्च किया नया एस्प्रेसो कॉफी मेकर

नई दिल्ली। टीटीके प्रेस्टीज ने अपना नया प्रेस्टीज एस्प्रेसो कॉफी मेकर लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि यह कॉफी मेकर आधुनिक भारतीय घरों में कैफे जैसी कॉफी का अनुभव देगा। आकर्षक डिजाइन वाले इस कॉफी मेकर का इस्तेमाल करना बेहद आसान है। इसकी मदद से उपभोक्ता घर पर ही आसानी से रिच एस्प्रेसो के साथ कैप्पुचिनो, लाटे और अन्य मिल्क-बेस्ड कॉफी तैयार कर सकेंगे। प्रीमियम गोल्डन फिनिश और कॉम्पैक्ट डिजाइन वाले प्रेस्टीज एस्प्रेसो कॉफी मेकर को आधुनिक रसोई के अनुरूप तैयार किया गया है। कम जगह में आसानी से फिट होने वाला यह कॉफी मेकर रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए सुविधाजनक है और बेहतर परफॉर्मेंस सुनिश्चित करता है। इस कॉफी मेकर में 3.5 बार प्रेशर सिस्टम दिया गया है, जो रिच फ्लेवर, स्मूद क्रीमा और कैफे जैसी खुशबू वाली एस्प्रेसो तैयार करने में मदद करता है। सुबह की शुरूआत एस्प्रेसो के साथ करनी हो या दिन में कॉफी ब्रेक का आनंद लेना हो, यह हर बार बेहतरीन स्वाद और गुणवत्ता वाली कॉफी तैयार करता है।

सेंसेक्स में 152 अंकों की उछाल

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लगातार चौथी बार अपनी प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कोई बदलाव नहीं किए जाने के बाद बुधवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबारी सत्र में बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स 152 अंक चढ़कर बंद हुआ।

इस दौरान 30 शेयर वाला सेंसेक्स 152.05 अंक या 0.19 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78,581 अंक पर रहा। सेंसेक्स के 17 शेयर बढ़त में जबकि 12 नुकसान में रहे। वहीं एक बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। सूचकांक बढ़त के साथ खुला और सत्र के पहले हिस्से में 79,055.38 अंक के दिन के उच्च स्तर को छू गया। हालांकि, दोपहर के कारोबार में सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 769.64 अंक टूटकर 78,285.74 अंक के निचले स्तर पर आ गया। बाजार बंद होने से ठीक पहले दिग्गज बैंकिंग, वाहन और पूंजीगत वस्तु शेयरों में आई तेजी ने सेंसेक्स को घाटे से उबरने में मदद की। इस बीच, 50 शेयर वाला एनएसई निफ्टी 9.75 अंक या 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 24,624.65 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 24,677.60 अंक के उच्च स्तर तक गया और 24,497.95 अंक के निचले स्तर तक आया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, भारतीय स्टेट बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंटरग्लोब एविएशन और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर सबसे अधिक बढ़त में रहे। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएलटेक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर नुकसान में रहे। शेयर बाजारों द्वारा वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) अनुबंधों वाले शेयरों के लिए एक नई नीलामी प्रणाली शुरू करने के बाद सोमवार से सूचकांकों में काफी भिन्नता देखने को मिल रही है। इक्विटी नकद खंड में समापन नीलामी सत्र (सीएएस) सोमवार से चालू हो गया, जिसने कीमत निर्धारण प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाने के उद्देश्य से पात्र शेयरों की समापन कीमतें तय करने के लिए एक नई नीलामी आधारित प्रणाली शुरू की है। इस बीच, भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को लगातार चौथी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठक में अपनी प्रमुख नीतिगत दर (रेपो दर) को अपरिवर्तित रखा। इसके अतिरिक्त, वार्षिक मुद्रास्फीति अनुमानों को कम किया गया है, जो गवर्नर के खुले विचारों वाले नजरिये को दर्शाता है। इससे एक आशावादी नजरिये का संकेत मिलता है, हालांकि आगे की नीतिगत कार्वाई आंकड़ों पर निर्भर करेगी। बीएसई स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 0.73 प्रतिशत और मिडकैप 0.45 प्रतिशत चढ़ा।

आरबीआई के रेपो दर यथावत रखने से रुपया 13 पैसे मजबूत होकर 95.15 प्रति डॉलर पर

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पश्चिम एशिया संकट के बीच लगातार चौथी बार नीतिगत रेपो दर को यथावत रखने के फैसले के बाद रुपया बुधवार को 13 पैसे मजबूत होकर 95.15 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रातभर आई गिरावट और अमेरिकी डॉलर की कमजोरी से निवेशकों की धारणा को समर्थन मिला। अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट से भी रुपये को सहारा मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.90 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.89 से 95.25 प्रति डॉलर के दायरे में रहा। अंत में यह 95.15 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 13 पैसे की बढ़त है। रुपया मंगलवार को नौ पैसे मजबूत होकर 95.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने से वैश्विक जोखिम धारणा में सुधार हुआ है। इससे रुपये में हल्की मजबूती का रुख रहने की उम्मीद है। अमेरिका ने ईरान के साथ जल्द समझौता होने की बात कही है। कारोबारियों की नजर अब अमेरिका के आईएसएम सेवा पीएमआई आंकड़ों पर रहेगी। डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 94.80 से 95.50 के दायरे में रहने के आसार हैं। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा और नीतिगत रुख तटस्थ बनाए रखा। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.82 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 152.05 अंक चढ़कर 78,581 पर जबकि एनएसई निफ्टी 9.75 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,624.65 पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 1.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.48 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

स्थिर रेपो दर से कर्ज की लागत बनी रहेगी भरोसेमंद, कर्ज प्रवाह को मिलेगा समर्थन

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखने और नीतिगत रुख को तटस्थ बनाए रखने के फैसले से कर्ज की लागत भरोसेमंद बनी रहेगी और ऋण प्रवाह एवं कारोबारी गतिविधियों को समर्थन मिलेगा। बैंकिंग क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने बुधवार को यह संभावना जताई। यह फैसला भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती में केंद्रीय बैंक के भरोसे को दर्शाता है। बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त पूंजी, बेहतर नकदी स्थिति और परिसंपत्तियों की गुणवत्ता वित्तीय प्रणाली की मजबूती को रेखांकित करती है। इस फैसले से ग्राहकों और कंपनियों के लिए कर्ज की लागत भरोसेमंद बनी रहेगी तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) सहित उत्पादक क्षेत्रों को ऋण उपलब्धता बनी रहेगी। कर्ज पर ब्याज दरों को एक समान बनाने के प्रस्ताव और शहरी सहकारी बैंकों के लाइसेंस दोबारा शुरू करने से जुड़े मसौदा दिशानिर्देशों से वित्तीय क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी और ग्राहकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी। आरबीआई ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए कर्ज पर ब्याज दरों से जुड़ी नियामकीय रूपरेखा को अधिक सरल, तर्कसंगत और सिद्धांत-आधारित बनाने का प्रस्ताव किया है।

सेवा क्षेत्र की वृद्धि निचले स्तर पर, नये ऑर्डर सुस्तः पीएमआई

नयी दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र की वृद्धि जुलाई में घटकर करीब साढ़े चार साल के निचले स्तर पर आ गई।

घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार के ऑर्डर धीमे पड़ने, कड़ी प्रतिस्पर्धा और मांग कमजोर होने के कारण कारोबारी गतिविधियों की रफ्तार सुस्त रही। एक मासिक सर्वेक्षण में बुधवार को यह जानकारी दी गई।

कारोबारी गतिविधियां पिछले 53 महीनों में सबसे धीमी गति से बढ़ीं। मांग कमजोर रहने और प्रतिस्पर्धी दबाव के बीच नए कारोबार में केवल मध्यम वृद्धि दर्ज की गई। मौसम संबंधी उतार-चढ़ाव के आधार पर समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जून के 57.4 से घटकर जुलाई में 53.3 पर आ गया। यह करीब साढ़े चार साल में वृद्धि की सबसे धीमी दर है। हालांकि, सूचकांक 50 के तटस्थ स्तर से ऊपर बना रहा, जिससे यह संकेत मिलता है कि सेवा क्षेत्र में उत्पादन का विस्तार लगातार जारी है। भारत का सेवा क्षेत्र जुलाई में भी बढ़ा, लेकिन इसकी रफ्तार कुछ धीमी रही। कई महीनों के मजबूत प्रदर्शन के बाद घरेलू और निर्यात, दोनों बाजारों में नए कारोबार की वृद्धि कमजोर पड़ी। सर्वेक्षण के अनुसार, नए कारोबार में वृद्धि फरवरी, 2022 के बाद सबसे धीमी रही। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि कड़ी प्रतिस्पर्धा, मांग में कमी, बाजार की कमजोर परिस्थितियों और ऑर्डर टाले जाने से वृद्धि प्रभावित हुई। रोजगार के मोर्चे पर जून में छह महीने के निचले स्तर पर पहुंचने के बाद जुलाई में नियुक्तियों की रफ्तार में कुछ सुधार हुआ। हालांकि, यह सुधार सीमित रहा। केवल छह प्रतिशत कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की जानकारी दी, जबकि 92 प्रतिशत कंपनियों ने कहा कि उनके कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ। नियुक्तियों में मध्यम सुधार हुआ।

रेपो दर से आवास क्षेत्र में मांग व निवेश को मिलेगा समर्थन

नयी दिल्ली। जमीन, मकान के विकास से जुड़ी कंपनियों तथा विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच ब्याज दरों में स्थिरता से घर खरीदारों तथा डेवलपर का भरोसा बढ़ेगा, आवास की मांग को समर्थन मिलेगा और क्षेत्र की दीर्घकालिक वृद्धि को गति मिलेगी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैश्विक स्तर पर जारी अनिश्चितता के बीच महंगाई बढ़ने के जोखिम को देखते हुए नीतिगत दर रेपो को उम्मीद के मुताबिक बुधवार को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच, आरबीआई का नीतिगत दर रेपो को यथावत रखना एक संतुलित फैसला है। इस समय रियल एस्टेट क्षेत्र की नीति में स्थिरता की जरूरत थी और केंद्रीय बैंक के इस कदम से डेवलपर और घर खरीदने वालों, दोनों का भरोसा बढ़ेगा। उम्मीद है कि ब्याज दरों में स्थिरता से घरों की मांग बनी रहेगी और क्षेत्र में तेजी जारी रहेगी। रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर कायम रखने का आरबीआई का फैसला रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए स्थिरता और भरोसा लेकर आया है। मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच यथास्थिति बनाए रखने का निर्णय विश्वास और नीतिगत निरंतरता का सकारात्मक संकेत देता है।

सोना 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर, चांदी में 6200 रुपये की तेजी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन तेजी आई और यह एक महीने के सबसे ऊंचे स्तर 1.5 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। ऐसा वैश्विक स्तर पर कीमती धातुओं की कीमतों में भारी उछाल के कारण हुआ।

अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,500 रुपये यानी 1.7 प्रतिशत बढ़कर 150,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) हो गई। मंगलवार को यह l,47,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इससे पहले यह कीमती धातु छह जुलाई को इस स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी। उस समय यह l,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। पिछले कारोबारी सत्र में स्थिर रहने के बाद चांदी की कीमतों में फिर से तेजी आई और यह 6,200 रुपये बढ़कर लगभग एक महीने के उच्चतम स्तर 2,32,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर पहुंच गई। पिछले सत्र में यह 2,26,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। इससे पहले चांदी नौ जुलाई को इस स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी, जब यह 2,32,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। सोने की कीमतें एक महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं। होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए संभावित अमेरिका-ईरान समझौते को लेकर बढ़ती उम्मीदों ने महंगाई की चिंताओं को कम किया और फेडरल रिजर्व द्वारा अधिक मौद्रिक सख्ती की उम्मीदों को घटाया। वैश्विक बाजारों में, हाजिर सोना 85.28 डॉलर यानी 2.09 प्रतिशत बढ़कर 4,162.76 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि चांदी तीन प्रतिशत से अधिक बढ़कर 61.35 डॉलर प्रति औंस हो गई। वैश्विक बाजार में हाजिर सोना दो प्रतिशत की तेजी के साथ 4,160 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा है, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की चिंताएं कम हुई हैं।

ब्याज दरों में स्थिरता से कारोबारी भरोसा बढ़ेगा, आर्थिक वृद्धि को मिलेगा समर्थन

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो दर को यथावत रखने के निर्णय से ब्याज दरों में स्थिरता बनी रहेगी, जिससे कारोबारियों का भरोसा मजबूत होने की उम्मीद है। अर्थशास्त्रियों और उद्योग विशेषज्ञों ने यह बात कही।

उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक आर्थिक माहौल में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की वृद्धि गति को बनाए रखने में मदद मिलेगी। साथ ही महंगाई से जुड़े जोखिम अभी बने हुए हैं, इसलिए आगे के नीतिगत फैसले उपलब्ध आंकड़ों पर निर्भर करेंगे। रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रखना भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत व्यापक आर्थिक बुनियाद में केंद्रीय बैंक के भरोसे को दर्शाता है। नीतिगत दरों में स्थिरता से कारोबारी भरोसा मजबूत होगा, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक वृद्धि की गति बनी रहेगी। आरबीआई का यह कदम आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने, मूल्य स्थिरता बनाए रखने और वित्तीय प्रणाली की मजबूती सुनिश्चित करने के बीच संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह नीति कंपनियों के लिए एक स्थिर और भरोसेमंद माहौल उपलब्ध कराएगी। इससे आने वाले महीनों में भारत की आर्थिक वृद्धि को और मजबूती मिलेगी। यह नीति अर्थव्यवस्था के सामने मौजूद उभरते जोखिमों को लेकर संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाती है। वैश्विक अनिश्चितताएं अभी भी बनी हुई हैं, लेकिन आरबीआई का फैसला बदलती व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप है। आरबीआई ने फिलहाल नीतिगत दरों में बदलाव नहीं किया है, लेकिन वह पूरी तरह निश्चिंत भी नहीं है। उनके अनुसार, रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखने और तटस्थ रुख बरकरार रखने से यह संकेत मिलता है कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है, जबकि दरों में और कटौती की गुंजाइश सीमित हो गई है।

पेज एक का शेष

आरबीआई के

अनुमान को 5.1 प्रतिशत से घटाकर 5.0 प्रतिशत किया गया है। मल्होत्रा ने कहा कि निकट अवधि में खुदरा महंगाई बढ़ने की आशंका है और यह वित्त वर्ष 2026-27 की तीसरी तिमाही में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच सकती है। इसकी मुख्य वजह खाद्य और ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी होगी, जिसके बाद महंगाई में नरमी आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि महंगाई का दबाव अभी व्यापक स्तर पर नहीं फैला है। कीमती धातुओं को छोड़कर मुख्य महंगाई (खाद्य और ईंधन की महंगाई को छोड़कर) अब भी नियंत्रित स्तर पर बनी हुई है। मल्होत्रा ने कहा, मौद्रिक नीति को सख्त करने की तत्काल जरूरत नहीं है। आरबीआई महंगाई को अपने निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप लाने के लिए प्रतिबद्ध है और महंगाई के भविष्य के रुख को लेकर अधिक स्पष्टता आने का इंतजार कर रहा है। आरबीआई ने कहा कि अब तक महंगाई दबाव सीमित बना हुआ है। हालांकि, खाद्य पदार्थों, ईंधन और अन्य कच्चे माल की लागत में बढ़ोतरी के कारण महंगाई का दबाव व्यापक स्तर पर फैलने का जोखिम बना हुआ है।

लखनऊ-कानपुर

शुरू कराया गया और प्रभावित स्थल का व्यापक तकनीकी परीक्षण कराने के निर्देश दिए गए। वर्तमान में प्रभावित स्थान पर यातायात डायवर्ट कर एक्सप्रेसव को सुचारु रूप से संचालित किया जा रहा है।

रियायतग्राही मेसर्स पीएनसी इंफ्राटेक लिमिटेड को नॉन-परफॉर्मर घोषित करने का प्रस्ताव रखते हुए नोटिस जारी किया गया है। इसके अलावा निष्पादन सुरक्षा के दो प्रतिशत के बराबर दंड, जिम्मेदार कार्मिकों पर अधिकतम तीन वर्ष तक डिबारमेंट और कंपनी की पेवमेंट कंडीशन इंडेक्स रेटिंग डाउनग्रेड करने के संबंध में कारण बताओ नोटिस दिया गया है। प्रभावित हिस्से का करीब 3 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पूरा सुधार रियायतग्राही अपने खर्च पर करेगा।

तीन अधिकारियों

की एनएचएआई परियोजनाओं से प्रतिबंधित करने का प्रस्ताव करते हुए नोटिस जारी किया गया है।

सपा का

किए जाने तथा एक्सप्रेसवे नेटवर्क को और बेहतर बनाने के लिए जो मांगें रखी थीं, अनुपूरक बजट में उसके लिए भी धनराशि का प्रावधान किया गया है। सीएम ने कहा कि आंगनवाड़ी, आशा वर्कर, रसोइए, ग्राम चौकीदार, कोटेदार आदि तमाम लोग प्रदेश के विकास के लिए मजबूती से काम कर रहे हैं। इन लोगों के साथ ही सरकार ने हर उस तबके के हित में काम करने का प्रयास किया था, जिनके मानदेय बढ़ने हैं। निराश्रित महिला पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन में वृद्धि और नए पात्र लोगों को जोड़ने के प्रावधानों पर सदन में चर्चा होती, लेकिन समाजवादी पार्टी का नकारात्मक रवैया इसमें बाधा बन गया। सदस्यों द्वारा कई महत्वपूर्ण मांगों को सदन में मजबूती से बढ़ाने का प्रयास किया जाता, लेकिन सपा सदस्यों का आचरण में रुकावट बन गया। इसके बावजूद विधानसभा ने अनुपूरक मांगों को पारित किया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने आउटसोर्सिंग कमीशन का गठन कर दिया है। हर आउटसोर्स कर्मी को न्यूनतम मानदेय और सामाजिक सुरक्षा की गारंटी प्राप्त हो, इसके लिए बजट में धनराशि की व्यवस्था कर दी गई है। आंगनवाड़ी, आशा कार्यकर्ता, ग्राम चौकीदार, रसोइया, कोटेदार आदि के इंसेंटिव, मानदेय को बढ़ाने के लिए भी बजट में धनराशि की व्यवस्था की गई है। विधानसभा से पारित होने के उपरांत बजट विधान परिषद से पारित होगा। इसके बाद अलग-अलग कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार इसका लाभ हर तबके तक पहुंचाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समाजवादी पार्टी का यह चरित्र, अल्प मानदेय के बावजूद प्रदेश के विकास व 25 करोड़ जनता-जनार्दन की सेवा में जुटे तबके को अपमानित करने वाला है। इससे पहले भी इन लोगों ने शिक्षामित्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया था। शिक्षामित्रों को पहले 3000 मानदेय मिलता था, लेकिन हमारी सरकार ने इसे बढ़ाकर पहले 10 हजार और फिर 18 हजार किया। अनुदेशकों का मानदेय 9 हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये किया। साथ ही बेसिक, माध्यमिक व उच्च शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। सीएम ने कहा कि अनुपूरक मांगों में हम अन्य तमाम तबकों के लिए बेहतरीन योजनाएं लेकर आए थे।

बिना चर्चा

होने से पहले ही सपा विधायकों ने राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण और अपने विधायक के निलंबन के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। हंगामे से आहत विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि सदन में हुई घटनाओं से वह बेहद दुखी हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र मयार्दा और अनुशासन से चलता है। उन्होंने सदस्यों की ओर से सदन की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाने को भी निंदनीय बताया। महाना ने कहा कि उन्हें इस बात पर विचार करना होगा कि क्या वह इस कुर्सी के योग्य हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में होने का जिक्र करते हुए कहा कि वह पिछले साढ़े चार वर्षों के कार्यकाल की समीक्षा करेंगे। दरअसल, मंगलवार को सपा विधायकों ने राम मंदिर दान प्रकरण पर चर्चा की मांग को लेकर सदन में प्रदर्शन किया था। इसी दौरान सपा विधायक सचिन यादव ने पोस्टर लहराया। विधानसभा अध्यक्ष की चेतावनी के बाद भी पोस्टर नहीं हटाने पर उन्हें पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया। विधायक को सदन से बाहर करने के दौरान मार्शलों और विधायकों के बीच धक्कामुक्की की स्थिति भी बनी। बुधवार को भी सपा विधायक पोस्टर लेकर सदन पहुंचे और विरोध प्रदर्शन जारी रखा। हंगामे के बीच वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने अनुपूरक बजट पारित होने के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित करने का प्रस्ताव रखा, जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई।

370 हटने

हुआ। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी बना दिया था तथा तत्कालीन राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख - में बांट दिया था। अनुच्छेद 370 के तहत पूर्व में जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का प्राप्त था। प्रधानमंत्री ने कहा हम जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्धता प्रकट करते हैं कि हर नागरिक को बड़े सपने देखने, उन्हें हासिल करने और विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का अवसर मिले। उन्होंने कहा इस साल पांच अगस्त का दिन और भी अहम है क्योंकि इसी साल देश श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है। उन्होंने कहा देश की एकता के लिए उनका आजीवन समर्पण पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। दशकों पहले उन्होंने जो सपना देखा था, वह पांच अगस्त 2019 को ऐतिहासिक रूप से सच हो गया। मुखर्जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक थे। जनसंघ बाद में भारतीय जनता पार्टी बन गया। मुखर्जी ने अनुच्छेद 370 को हटाने तथा जम्मू-कश्मीर को बाकी भारत के साथ पूरी तरह जोड़ने के लिए संघर्ष किया था।

हाथरस में

जगहों पर प्लास्टिक की कुल 106 बोरियां जब्त की गयीं। इतनी बड़ी मात्रा में सिक्कों की गिनती करना संभव नहीं था, इसलिए उनका वज़न किया गया। कुल वजन 5666 किलोग्राम निकला। इतनी बड़ी मात्रा में सिक्के क्यों जमा किए गए थे, यह जांच का विषय है।

सिन्हा ने कहा कि सिक्का-निर्माण अधिनियम में सिक्कों को नष्ट करने, उन्हें वैध मुद्रा के अलावा अन्य उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल करने या प्रतिबंधित परिस्थितियों में अपने पास रखने पर रोक है। उन्होंने कहा कि इन अपराधों के लिए अधिकतम सात साल की सजा का प्रावधान है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सिक्के कहां से आए और उनकी आपूर्ति कहां की जानी थी, इसका पता लगाने के लिए एक पुलिस टीम बनाई गई है।

पीएम आवास

अनावश्यक विलंब या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित स्तर पर जिम्मेदारी तय की जाएगी समीक्षा बैठक में सामने आया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत राज्य में अब तक 6,464 आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। अब विभाग का फोकस इन तैयार आवासों को पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने पर है। सचिव आवास ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवास तैयार होने के बाद आवंटन और कब्जा हस्तांतरण की प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। पात्र परिवारों से संबंधित औपचारिकताओं को समयबद्ध तरीके से पूरा कर उन्हें जल्द आवास उपलब्ध कराया जाए। बैठक में अपेक्षाकृत धीमी गति से चल रही परियोजनाओं की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। सचिव आवास ने संबंधित एजेंसियों को कार्य की गति बढ़ाने के साथ निर्माण स्थलों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

किसान रजिस्ट्री

करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया है। किसान रजिस्ट्री के साथ-साथ राजस्व अभिलेखों के डिजिटलीकरण का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार अंश निर्धारण का कार्य 88.92 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। इससे भूमि अभिलेख अधिक सटीक और अद्यतन होंगे तथा किसानों की पहचान और रिकॉर्ड को डिजिटल स्वरूप में मजबूत आधार मिलेगा। प्रदेश सरकार का लक्ष्य किसान रजिस्ट्री का शत-प्रतिशत कार्य शीघ्र पूरा कर प्रत्येक पात्र किसान को डिजिटल पहचान से जोड़ना है। इससे कृषि प्रशासन अधिक प्रभावी होगा, भूमि संबंधी अभिलेखों का प्रबंधन बेहतर होगा और किसानों को सरकारी सेवाओं का लाभ बिना किसी अनावश्यक देरी के उपलब्ध कराया जा सकेगा। सरकार का मानना है कि डिजिटल कृषि व्यवस्था भविष्य में किसानों के हितों की रक्षा, योजनाओं की निगरानी और कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जमीन विवाद में

न किया जाए। कोर्ट ने याचिका के अवलोकन के बाद पाया कि पूरा मामला मूल रूप से पारिवारिक विवाद से जुड़ा है और पक्षकारों के बीच सिविल मुकदमा भी लंबित है। कोर्ट ने कहा कि याची यह स्पष्ट नहीं कर पाए कि ऐसे निजी सिविल विवाद में संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाईकोर्ट को हस्तक्षेप क्यों करना चाहिए। लिहाजा इस आधार पर याचिका में मांगी गई राहत देने का कोई आधार नहीं है। कोर्ट ने पुलिस और निजी प्रतिवादियों के बीच कथित मिलीभगत के आरोपों की विस्तृत जांच करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस तरह के आरोपों की जांच करने पर उसके परिणामस्वरूप निजी प्रतिवादियों अथवा संबंधित पुलिस अधिकारी के खिलाफ शिकायत या एफआइआर दर्ज करने जैसे अलग परिणाम हो सकते हैं। हालांकि , कोर्ट ने कहा कि यह स्थापित कानूनी स्थिति है कि पुलिस अथवा कार्यकारी अधिकारी निजी पक्षों के बीच अचल संपत्ति के स्वामित्व, कब्जे अथवा सीमा संबंधी विवाद में हस्तक्षेप या उसका निर्णय नहीं कर सकते। पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि निजी पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद है तो उसका समाधान सक्षम सिविल कोर्ट में होना चाहिए। पुलिस और राजस्व अधिकारी किसी पक्ष के सिविल अधिकारों का निर्धारण करने वाले न्यायिक प्राधिकारी नहीं हैं। आगे कहा हालांकि, यदि विवाद के कारण सार्वजनिक शांति भंग होने अथवा कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका हो तो पुलिस और कार्यकारी अधिकारी कानून के तहत आवश्यक कार्रवाई कर सकते हैं।

कल्पना से परे ली फिटनेस परीक्षा : नीरज चोपड़ा

नयी दिल्ली। फिटनेस से जुड़ी परेशानियों से करीब एक साल तक जूझने के बाद भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने कहा कि पिछले 10 महीने उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण रहे और उन्होंने ऐसे दौर का सामना किया, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 28 साल के इस खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतकर अपने पदकों के संग्रह में एक और उपलब्धि जोड़ी।

वह मुख्य रूप से जांघ की मांसपेशियों की चोट और कुछ अन्य शारीरिक परेशानियों से प्रभावित रहे थे। चोट के कारण नीरज का सत्र देर से शुरू हुआ, लेकिन उन्होंने ग्लास्गो में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 85.83 मीटर के सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ अपनी लय हासिल कर ली। नीरज ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर राष्ट्रमंडल खेलों के प्रदर्शन का वीडियो साझा करते हुए लिखा, कुछ भाले लंबी दूरी तय करते हैं और कुछ पूरी यात्रा का भार अपने साथ लेकर आते हैं। पिछले 10 महीने ने मेरी ऐसी परीक्षा ली, जिसकी मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने कहा कई चोटों से उबरना, अपने शरीर को दोबारा मजबूत बनाना, फिर से लय हासिल करना और उस समय धैर्य रखना जब मैं केवल प्रतियोगिता में उतरना चाहता था।

मैं हर दिन अभ्यास कर रहा था, लेकिन यह भी नहीं पता था कि इस साल मुझे खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। नीरज ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में 86.47 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन चोट के कारण 2022 के सत्र में हिस्सा नहीं ले सके थे। पिछले साल सितंबर में विश्व चैंपियनशिप से ठीक पहले उन्हें कमर के निचले हिस्से में चोट लगी थी और राष्ट्रमंडल खेलों से पहले उन्होंने केवल एक प्रतियोगिता में भाग लिया था।

पेरिस ओलंपिक के बाद मुक्केबाजी जारी रखना बड़ी उपलब्धि : लवलीना

नयी दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने कहा कि पेरिस ओलंपिक के बाद भी अपने करियर को जारी रखना उनके लिए सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है क्योंकि पिछले एक साल में चोट, आत्मविश्वास की कमी और मुश्किल दौर से गुजरने के बाद उन्होंने दोबारा वापसी की। राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के रिकॉर्ड 10 मुक्केबाजी पदक जीतने के बाद खेल मंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात के दौरान 28 वर्षीय लवलीना ने पेरिस ओलंपिक के बाद की चुनौतियों को याद किया। वह 2024 ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई थीं।

लवलीना ने पीटीआई वीडियो से कहा, सबसे पहले तो मेरे लिए इतने लंबे समय तक खेल जारी रखना ही बड़ी बात थी। पेरिस ओलंपिक के बाद कई उतार-चढ़ाव आए। कई बार यह सवाल भी उठा कि मैं आगे खेलना चाहती हूं या नहीं। लेकिन मैंने वापसी की और खेल जारी रखा। यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। तीसरी बार राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने वाली लवलीना ने इस बार अपना पहला राष्ट्रमंडल पदक जीता। उन्होंने रजत पदक हासिल किया। उन्होंने कहा मैंने लगभग सभी खेलों और प्रतियोगिताओं में पदक जीते हैं। लेकिन अगर स्वर्ण पदक जीतती तो और अच्छा होता। मैं अपनी टीम के लिए बहुत खुश हूं, जिसने शानदार प्रदर्शन किया। सात स्वर्ण पदक हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। अब मैं एशियाई खेलों के लिए भी तैयार हूं। मुझे बेहतर प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक जीतना है। भारतीय टीम के विदेशी कोच सैंटियागो नीवा ने राष्ट्रमंडल खेलों में टीम के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि इस सफलता से आगामी प्रतियोगिताओं के लिए टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। नीवा ने महिला 51 किग्रा वर्ग में साक्षी की स्वर्ण पदक जीत को भारतीय मुक्केबाजी की मजबूत प्रतिभा का उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ग में जगह बनाना ही कठिन था क्योंकि चयन मुकाबलों में तीन विश्व चैंपियन और दो युवा विश्व चैंपियन मौजूद थीं। उन्होंने कहा साक्षी ने फाइनल में इंग्लैंड की मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह और अपने अनुभव का इस्तेमाल किया, वह भविष्य के लिए काफी सकारात्मक संकेत है। नीवा ने कहा कि अब टीम का ध्यान अब एशियाई खेलों और ओलंपिक क्वालीफिकेशन की तैयारियों पर होगा। विश्व चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में खिताब जीतने के बाद उनका मुख्य लक्ष्य लॉस एंजिलिस 2028 ओलंपिक है और वह लगातार सुधार करते रहेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों में विश्व चैंपियन के रूप में उतरने के दबाव पर जैस्मीन ने कहा कि इस पहचान ने उन्हें बीमारी से उबरकर बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा इससे मुझे काफी प्रेरणा मिली। मेरी स्थिति अच्छी नहीं थी।

मैंने केवल तीन सप्ताह प्रशिक्षण लिया। मुझे पहले ठीक होना था और फिर प्रदर्शन करना था। लेकिन अगर स्वर्ण पदक जीतती तो और अच्छा होता। मैं अपनी टीम के लिए बहुत खुश हूं, जिसने शानदार प्रदर्शन किया। सात स्वर्ण पदक हम सभी के लिए बड़ी उपलब्धि है। अब मैं एशियाई खेलों के लिए भी तैयार हूं। मुझे बेहतर प्रदर्शन करके स्वर्ण पदक जीतना है। भारतीय टीम के विदेशी कोच सैंटियागो नीवा ने राष्ट्रमंडल खेलों में टीम के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया।

संक्षेप

भारतीय नौसेना ने डूरंड कप में नेरोका को 2-0 से हराया

इंफाल। भारतीय नौसेना ने डूरंड कप फुटबॉल के ग्रुप-डी मुकाबले में बुधवार को नेरोका एफसी को 2-0 से शिकस्त देकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत हासिल की। भारतीय नौसेना के लिए रोशन पन्ना ने 23वें मिनट में पहला गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में ई. मुहम्मद इनायत ने 65वें मिनट में गोल कर जीत पक्की कर दी। पूरे मुकाबले में नौसेना ने अनुशासित और प्रभावी खेल का प्रदर्शन किया। इस जीत के साथ भारतीय नौसेना ने दो मैचों में तीन अंक हासिल कर ग्रुप-डी में दूसरे स्थान पर जगह बना ली। नेरोका एफसी दो मैचों में एक अंक के साथ तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है।

डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप में भारत की चुनौती पेश करेंगे शुभंकर, अनिर्बान

नयी दिल्ली। शुभंकर शर्मा और अनिर्बान लाहिड़ी 15 से 18 अक्टूबर तक दिल्ली गोल्फ क्लब में होने वाली डीपी वर्ल्ड इंडिया चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे जबकि इसमें रोरी मैकलरॉय और गत चैम्पियन टॉमी फ्लीटवुड जैसे दिग्गज भी भाग लेंगे। चार मिलियन डॉलर ईनामी राशि का यह टूर्नामेंट रेस टू दुबई के नौ टूर्नामेंटों में आठवां है। डीपी वर्ल्ड टूर चैम्पियनशिप दुबई में नवंबर में होगी। शर्मा और लाहिड़ी के साथ इसमें गत ओपन चैम्पियन रियान फॉक्स, शेन लॉरी, जस्टिन रोस, यूरोपीय राइडर कप कप्तान ल्यूक डोनाल्ड और राइडर कप स्टार विक्टर होवलैंड भी नजर आयेंगे।

दीक्षा, प्रणवी व अदिति पीआईएफ लंदन चैम्पियनशिप में

लंदन। दीक्षा डागर और अदिति अशोक समेत चार भारतीय गोल्फर 20 लाख डॉलर ईनामी राशि के लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) की पीआईएफ लंदन चैम्पियनशिप में भाग लेंगी। दीक्षा दो बार एलईटी खिताब जीत चुकी हैं। वह लगातार शीर्ष दस में रही हैं और फिलहाल आर्डर आफ मेरिट में आठवें स्थान पर है। वह 2023 में शीर्ष तीन में रही थी। पांच बार की एलईटी विजेता अदिति अभी तक एलपीजीए टूर पर जीत दर्ज नहीं कर सकी हैं। उनके अलावा अवनि प्रशांत और प्रणवी उर्स भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगी जिसमें 120 खिलाड़ी नजर आयेंगे।

राष्ट्रमंडल खेल : चुनौतियों का बखूबी सामना किया साइ ने, सुधार की गुंजाइश भी

नयी दिल्ली। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेल भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के लिये छह माही परीक्षा से कम नहीं थे जिसमें खेलों के अलावा प्रशासनिक चुनौतियां भी थी जिन पर खरे उतरने के बावजूद कुछ पहलुओं पर सुधार की जरूरत भी सामने आई। खेल मंत्रालय के तहत साइ राष्ट्रीय शिविरों के आयोजन, चयन, खिलाड़ियों की ट्रेनिंग और प्रतिस्पर्धाओं के कैलेंडर की निगरानी के लिये जवाबदेह है।

ग्लास्गो खेलों में 13 स्वर्ण और 17 रजत समेत 39 पदक जीतने से अपेक्षाओं पर खरे उतरने का संतोष है तो तैराकी और साइकिलिंग जैसे खेलों में और काम करने की जरूरत का भी अहसास है। इसके अलावा मुक्केबाजों और जूडो खिलाड़ियों को ग्लास्गो में समय पर सामान नहीं मिलने जैसे प्रशासनिक मसले भी सामने आये जिनमें आने वाले समय में सुधार की जरूरत है।

वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 6 विकेट गिरे

दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान जीत के करीब, बढ़त सिर्फ 60 रन; साजिद को 4 विकेट

एजेंसी

नयी दिल्ली। त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वींस पार्क ओवल में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन पाकिस्तान ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। वेस्टइंडीज को पहली पारी में 344 रन पर समेटने के बाद पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की बढ़त हासिल की। इसके जवाब में मेजबान टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 103 रन बनाए। उसकी बढ़त अब सिर्फ 60 रन की रह गई है। तीसरे दिन का आखिरी सत्र मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। शुरूआती समय में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाजों ने पाकिस्तान की बढ़त खत्म कर दी थी, लेकिन इसके बाद स्पिनर साजिद खान और अली उस्मान ने लगातार विकेट लेकर मैच का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ दिया।

साजिद खान ने तेजनारायण चंद्रपॉल को छइह आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने शाई होप और नाइटवॉचमैन जेडन सील्स को भी पवेलियन भेजा। वहीं अली उस्मान ने दिन की आखिरी गेंद पर रोस्टन चेज का अपनी ही गेंद पर कैच लपककर वेस्टइंडीज को छठा झटका दिया। अब वेस्टइंडीज के सिर्फ चार विकेट बाकी हैं। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखना आसान नहीं होगा। इससे पहले पाकिस्तान की पहली पारी 387 रन पर सिमट गई। सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने शानदार 150 रन बनाए और टीम को पहली पारी में 43 रन की अहम बढ़त दिलाई। हालांकि, तीसरे दिन के पहले सत्र में पाकिस्तान ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवा दिए। बाबर आजम 88 रन पर रन आउट हो गए। इसके बाद डेब्यू कर रहे अजान जफर बिना खाता खोले आउट हुए, जबकि सलमान आगा भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। पाकिस्तान ने 5 रन के भीतर 3 अहम विकेट गंवा दिए। इसके बाद मोहम्मद रिजवान (22 रन) और साजिद खान (20 रन) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम की बढ़त 43 रन तक पहुंचाई। वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वॉरीकन सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 42 रन देकर 6 विकेट लिए।

वॉरीकन ने उबैद शाह और मोहम्मद अली को लगातार गेंदों पर आउट किया, हालांकि वह हैट्रिक से चूक गए। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत ही वेस्टइंडीज पाकिस्तान को पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने से रोक सका। वहीं दूसरी ओर रणजी ट्रॉफी के पिछले सत्र में 950 रन बनाकर सुर्खियों में आए कर्नाटक के बल्लेबाज रविचंद्रन स्मरण ने कहा है कि वह नए सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए भारतीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी मजबूत करना चाहते हैं। शीर्ष घरेलू टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाना किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ी उपलब्धि होने के साथ-साथ कई बार उम्मीदों का भारी बोझ भी बन सकता है, लेकिन स्मरण खुद पर अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहते हैं। स्मरण ने कहा मैं उम्मीदों के बारे में ज्यादा नहीं सोचता और खुद पर किसी तरह का दबाव नहीं डालता। मेरा ध्यान केवल ज्यादा से ज्यादा रन बनाने पर रहता है।

इस 23 साल के बल्लेबाज ने कहा, सत्र शुरू होने से पहले अच्छी तरह अभ्यास और प्रशिक्षण करना जरूरी है, ताकि सही मानसिकता के साथ मैदान पर उतर सकूं। स्मरण दलीप ट्रॉफी में दक्षिण क्षेत्र के लिए मजबूत शुरुआत करना चाहते हैं। उनका मानना है कि यह टूर्नामेंट उनके लिए काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां के प्रदर्शन पर कई लोगों की नजरें रहेंगी। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए अहम टूर्नामेंट है। यहां बनाए गए रन काफी मायने रखते हैं। अगर मैं अच्छा प्रदर्शन कर पाता हूं तो इससे पूरे सत्र के लिए अच्छी शुरुआत मिलेगी। मेरा पूरा ध्यान हालांकि अच्छी तैयारी पर है और बाकी चीजें अपने आप सही होती जाएंगी। स्मरण की शानदार बल्लेबाजी से कर्नाटक पिछले सत्र में रणजी ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने में सफल रहा था। करीब छह महीने तक लाल गेंद क्रिकेट से दूर रहने के बाद वापसी की चुनौती के बारे में स्मरण ने कहा कि आईपीएल के दौरान अप्रैल और मई में सफेद गेंद क्रिकेट खेलने के बाद दोबारा लाल गेंद क्रिकेट की मानसिकता में लौटना जरूरी था। उन्होंने कहा, यह काफी महत्वपूर्ण पहलू है।

मुझे सफेद गेंद क्रिकेट से अपने तरीके और बल्लेबाजी को लाल गेंद क्रिकेट के अनुसार ढालना था। इस मामले में कर्नाटक लीग के मुकाबले मेरी काफी मदद कर रहे हैं और मुझे नए सत्र से पहले लाल गेंद क्रिकेट के माहौल में लौटने का मौका मिल रहा है। इस खब्बू बल्लेबाज ने घरेलू क्रिकेट में स्पिन गेंदबाजी का सामना करने पर भी काम किया है। उनका मानना है कि अलग-अलग पिचों और परिस्थितियों में अच्छे स्पिनरों के खिलाफ खेलना घरेलू क्रिकेट की बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, घरेलू क्रिकेट में आपको देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग परिस्थितियों में अच्छे स्पिनरों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए मजबूत तकनीक जरूरी है। उन्होंने कहा, स्पिनरों की लय बिगाड़ने के लिए स्वीप और रिवर्स स्वीप जैसे शॉट खेलने आने चाहिए। मैं सत्र से पहले इन पहलुओं पर काम कर रहा हूं। लाल गेंद क्रिकेट में सफलता के साथ-साथ स्मरण सीमित ओवरों के प्रारूप में भी प्रभावी रहे हैं। टी20 में उनका स्ट्राइक रेट 155 और लिस्ट-ए क्रिकेट में औसत 50.33 है।

गुजरात के मुख्यमंत्री को सौंपा राष्ट्रमंडल खेल ध्वज

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को बुधवार को राष्ट्रमंडल खेलों का ध्वज औपचारिक तौर पर सौंप दिया गया जिससे 2030 में अहमदाबाद में होने वाले खेलों की तैयारियों की सांकेतिक शुरूआत भी हो गई। ग्लास्गो से लौटने के बाद गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने पटेल को यहां कैबिनेट बैठक के दौरान ध्वज सौंपा। दो बार के ओलंपिक

2030 की तैयारियों की सांकेतिक शुरुआत

पदक विजेता नीरज चोपड़ा, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के साथ सांघवी ग्लास्गो में राष्ट्रमंडल खेलों के समापन समारोह में मौजूद थे

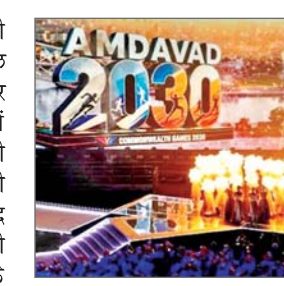

जहां राष्ट्रमंडल खेलों का ध्वज अगले मेजबान के तौर पर भारत को सौंपा गया। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी ने राष्ट्रमंडल खेलों का ध्वज औपचारिक तौर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को यहां प्रदेश कैबिनेट बैठक के दौरान पूरे सम्मान और गरिमा के साथ सौंपा।

हरियाणा राष्ट्रमंडल खलों के पदक विजेताओं को करेगा सम्मानित : खेल मंत्री गौतम

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राष्ट्रमंडल खेल 2026 में पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार तथा प्रशस्ति-पत्र प्रदान करेगी। राज्य के खेल मंत्री गौरव गौतम ने बुधवार को बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की मौजूदगी में होने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन सात अगस्त को पंचकूला के सेक्टर-तीन स्थित ताऊदेवी लाल स्टेडियम में होगा। गौतम ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में हरियाणा के खिलाड़ियों ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया है। राज्य के 10 खिलाड़ियों ने कुल सात स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीतकर हरियाणा और देश का गौरव बढ़ाया। उन्होंने बताया कि राज्य की खेल नीति के तहत पदक विजेताओं और प्रतिभागी खिलाड़ियों को कुल 13.47 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। सातों स्वर्ण पदक विजेताओं को 1.50-1.50 करोड़ रुपये, दोनों रजत पदक विजेताओं को 75-75 लाख रुपये तथा कांस्य पदक विजेता को 50 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा। इसके अलावा राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेने वाले 13 खिलाड़ियों को प्रोत्साहन स्वरूप 7.50-7.50 लाख रुपये देकर सम्मानित किया जाएगा। गौतम ने कहा कि हरियाणा सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य के युवाओं को विश्वस्तरीय खेल सुविधाएं और उत्कृष्ट प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

एसए20 : मार्श सनराइजर्स से जुड़े, कुरेन सुपर जाइंट्स में

एजेंसी

जोहानिसबर्ग। आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श एसए20 में पदार्पण करके तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप से जुड़ेंगे जबकि इंग्लैंड के हरफनमौला सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिये खेलेंगे। सनराइजर्स ईस्टर्न केप के पास क्विंटोन डिकॉक, मैथ्यू ब्रीज्के, जोर्डन हरमान और कप्तान ट्रस्टिन स्टब्स जैसे बल्लेबाज हैं। वहीं कुरेन इंग्लैंड के अपने साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे।

पिछली उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स को शीर्षक्रम में फिल साल्ट और आस्ट्रेलिया के मैट शॉर्ट जैसे बल्लेबाज मिल गए हैं।उनके पास डेवाल्ड ब्रेविस, शेरफान रदरफोर्ड, आंद्रे रसेल और कोनोर ईस्टरहुइजेन जैसे आक्रामक बल्लेबाज भी हैं।

इंग्लैंड के हरफनमौला विल जैक्स अब कैपिटल्स की जगह एमआई केपटाउन टीम में होंगे।वह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिये खेल चुके हैं और द हंड्रेड में एमआई लंदन टीम का हिस्सा हैं। डरबन सुपर जाइंट्स और पार्ल रॉयल्स ने नीलामी से पहले अपने 19 खिलाड़ियों की टीम पूरी कर ली है। बाकी चार टीमों के लिये 19 स्थान उपलब्ध हैं। एसए20 के लीग कमिश्नर और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा कि मार्श, कुरेन और साल्ट जैसे खिलाड़ियों की मौजूदगी बताती है।

गावित की नजरें विश्व रिकॉर्ड बनाने पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण करते हुए 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतने के साथ रिकॉर्ड बनाने वाले पैरा एथलीट दिलीप गावित का लक्ष्य अगले महीने जापान में होने वाले पैरा एशियाई खेलों में 100 मीटर और 400 मीटर दोनों स्पर्धाओं में विश्व रिकॉर्ड कामय करने का है।

टी47 वर्ग में हिस्सा लेने वाले गावित ने पैरा खिलाड़ियों के सम्मान समारोह के दौरान कहा, मैं एशियाई खेलों में 100 मीटर और 400 मीटर में विश्व रिकॉर्ड बनाना चाहता हूं। 2022 में हांगझोउ एशियाई खेलों में मैंने 400 मीटर में स्वर्ण पदक जीता था। ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में मैंने पहली बार 100 मीटर में हिस्सा लिया और इन खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता। गावित ने कहा कि उनका लक्ष्य 100 मीटर में 10.28 सेकंड का समय निकालना है, जो भारत के पुरुष वर्ग के राष्ट्रीय रिकॉर्ड के करीब है। उन्होंने बताया कि पहले वह सामान्य वर्ग की प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा लेते थे और राष्ट्रीय स्तर तथा खेलो इंडिया खेलों में स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। उस समय उनका मुख्य ध्यान 400 मीटर दौड़ पर था। टी47 वर्ग उन खिलाड़ियों के लिए होता है, जिनके हाथों में किसी प्रकार की परेशानी होती है, जैसे एक हाथ का कट जाना या उसकी कार्यक्षमता कम होना। इसका असर संतुलन, तालमेल और दौड़ने की तकनीक पर पड़ सकता है। गावित का मानना है कि एशियाई खेलों में चुनौती काफी कठिन होगी। उन्होंने कहा, मैं 400 मीटर और 100 मीटर दोनों में हिस्सा लूंगा। वहां प्रतिस्पर्धा का स्तर काफी उंचा होगा।

मेरे कोच उसी के अनुसार मेरी तैयारी कराएंगे। दो अलग-अलग स्पर्धाओं में उतरने की चुनौती के बारे में गावित ने कहा कि उन्हें दोनों में दौड़ना पसंद है और उन्होंने किसी दबाव के बिना प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, मैं आमतौर पर 400 मीटर में दौड़ता हूं, इसलिए 100 मीटर में उतरना मुश्किल नहीं था। इसमें सिर्फ तेज दौड़ना होता है। मैं किसी दबाव में नहीं था क्योंकि मुझे 100 मीटर दौड़ना पसंद है।

अल्काराज चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हटे

एजेंसी

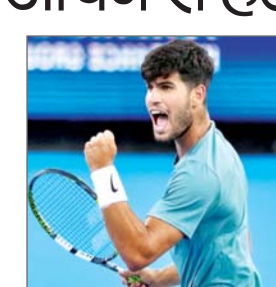

सिनसिनाटी। दुनिया के दूसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज दाईं कलाई की चोट के कारण मंगलवार को सिनसिनाटी ओपन से हट गए। यह चोट उन्हें अप्रैल से परेशान कर रही है। स्पेन के अल्काराज इस हार्ड कोर्ट टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहे थे।

यह प्रतियोगिता यूएस ओपन से पहले महत्वपूर्ण अभ्यास टूर्नामेंट मानी जाती है। टूर्नामेंट निदेशक बॉब मोरान ने कहा, हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका स्वागत करने की उम्मीद करते हैं। अल्काराज का पिछला टूर्नामेंट बार्सिलोना ओपन था। इसके बाद वह इस सत्र से बाहर चल रहे हैं। हाल की तस्वीरों और वीडियो में उन्हें अभ्यास करते हुए देखा गया था, जिससे उम्मीद थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन में वापसी कर लेंगे।

शूटिंग चैंपियनशिप में ला मार्टिनियर कॉलेज को 8 पदक

खेल संवाददाता

गोरखपुर। सेंट जूड्स स्कूल, गोरखपुर द्वारा आयोजित क्षेत्रीय शूटिंग चैंपियनशिप (लड़के) 2026 में ला मार्टिनियर कॉलेज के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। कॉलेज के निशानेबाजों ने प्रतियोगिता में सबसे अधिक 8 पदक जीतकर पहला स्थान हासिल किया। इस शानदार प्रदर्शन के आधार पर ला मार्टिनियर कॉलेज को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ स्कूल घोषित किया गया और चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया।

चैंपियनशिप में कॉलेज के खिलाड़ियों ने अनुशासन, मेहनत और बेहतरीन निशानेबाजी का प्रदर्शन किया। सभी खिलाड़ियों ने अलग-अलग मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कॉलेज का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता के दौरान उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। कॉलेज की छात्रा ओजस्या अग्रवाल ने पूरे टूनामेंट में सबसे अधिक 388 अंक (400 में से) हासिल किए। इस शानदार उपलब्धि के लिए उन्हें चैंपियनशिप का सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज चुना गया। उनकी सफलता उनकी कड़ी मेहनत, लगन और अभ्यास का परिणाम है। उनकी इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन, प्रशिक्षकों और अभिभावकों ने खुशी जताई। व्यक्तिगत स्पधाओं में भी ला मार्टिनियर कॉलेज के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। यशवर्धन दीक्षित ने अपने उत्कृष्ट खेल के दम पर स्वर्ण पदक जीता। वहीं राजवीर सिंह कक्कड़ ने शानदार निशानेबाजी करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। निखिल यादव ने भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक हासिल किया। इन खिलाड़ियों की सफलता ने कॉलेज की कुल पदक संख्या बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में कॉलेज के खिलाड़ियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबले खेले और हर दौर में अपनी क्षमता साबित की। सबसे अधिक पदक जीतने के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ स्कूल का सम्मान प्राप्त करना कॉलेज के लिए गर्व की बात है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से स्कूल में खुशी का माहौल है।

कॉलेज के प्रधानाचार्य, शिक्षकों और प्रशिक्षकों ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लाकड़ा ने हॉकी इंडिया की समिति पर उठाये सवाल, दस्तावेज मांगे

नई दिल्ली। भारत की पूर्व महिला हॉकी कप्तान असुंथा लाकड़ा ने उन्हें कारण बताओ नोटिस भेजने वाली हॉकी इंडिया की आचरण समिति के अधिकार क्षेत्र पर सवाल उठाते हुए प्रक्रिया का पालन नहीं करने का आरोप लगाया है। हॉकी इंडिया की आचरण समिति के अध्यक्ष जस्टिस (रिटायर्ड) राघवेंद्र कुमार को भेजे गए नौ पेज के शुरुआती जवाब में लाकड़ा ने पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अलबेला रानी टोप्पो द्वारा की गई शिकायतों में लगाए गए सभी आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें झूठा, बेबुनियाद, दुर्भावनापूर्ण, और छवि खराब करने वाली बताया है। हॉकी इंडिया की चयनकर्ता और कार्यकारी बोर्ड की सदस्य लाकड़ा ने कहा मेरे खिलाफ लगाए गए हर आरोप का मैं खंडन करती हूं। आरोप झूठे, बेबुनियाद, गलत इरादे से किए गए।

मोहित हॉकी विश्व कप में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

एजेंसी

नयी दिल्ली। संयोग से गोलकीपर बने कर्नाटक के 24 वर्षीय मोहित एचएस का भारत के लिए हॉकी विश्व कप खेलने का सपना आखिरकार पूरा होने जा रहा है। वह 15 से 30 अगस्त तक नीदरलैंड और बेल्जियम की संयुक्त मेजबानी में होने वाले एफआईएच हॉकी विश्व कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अनुभवी गोलकीपर सूरज करकेरा के साथ मोहित भारतीय टीम के दो गोलकीपरों में शामिल हैं। यह उपलब्धि उनके अब तक के प्रेरणादायक सफर का एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है। भले ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोहित का अनुभव करकेरा जितना नहीं है, लेकिन हाल के महीनों में उन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया है। खासकर एफआईएच प्रो लीग के अंतिम चरण में उनके दमदार खेल ने चयनकर्ताओं का भरोसा और मजबूत किया। दिलचस्प बात यह है कि मोहित का गोलकीपर बनने का सफर पूरी तरह संयोग से शुरू हुआ था। स्कूल की हॉकी टीम में गोलकीपर नहीं होने के कारण उनके कोच ने उनकी लंबाई को देखते हुए उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना।

असम में बाढ़ से भारी नुकसान: नड्डा

मुख्यमंत्री के साथ किया बाढ़ प्रभावित नेपालीखुटी इलाके का दौरा

असम। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों का बुधवार को दौरा किया और कहा कि तबाही का पैमाना इतना व्यापक है कि हालात को सामान्य होने में समय लगेगा। नड्डा ने असम सीमा पर स्थित नेपालीखुटी इलाके का मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के साथ दौरा किया। यह इलाका 19 जुलाई को आई बाढ़ की हालिया लहर से सबसे बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों में से एक है।

नड्डा ने प्रभावित परिवारों से बातचीत के बाद पत्रकारों से कहा कि मैंने बाढ़ प्रभावित नेपालीखुटी इलाके का दौरा किया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी मेरे साथ थे। हमने तबाही का मंजर देखा। नुकसान इतना बड़ा है कि हालात को सामान्य होने में समय लगेगा। उन्होंने प्रभावित लोगों को केंद्र की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से आपको भरोसा दिलाना चाहता हूं कि भारत सरकार की तरफ से कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। चाहे वह आर्थिक मदद हो, पुनर्वास हो, मुआवजा हो या संपत्ति के नुकसान के लिए सहायता, सब कुछ मुहैया कराया जाएगा। नड्डा का यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब पूर्वोत्तर राज्य भीषण बाढ़ की स्थिति से जूझ रहा है। बाढ़ जनित घटनाओं में मरने वालों की संख्या बढ़कर 89 हो गई है, जबकि पांच जिलों में 1.22 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं और रात भर हुई बारिश के बाद फिर से बाढ़ आने की आशंका बनी हुई है। नड्डा ने शर्मा के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में बैठकर बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया क्योंकि बाढ़ आने के 18 दिन बाद भी सड़कों पर कीचड़ और गाद की मोटी परतें जमा हैं और इसी कारण सामान्य वाहनों का उस मार्ग से गुजर पाना संभव नहीं था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोन जिले से बहकर आने वाली नदी ने एक के बाद एक कई गांवों को तबाह कर दिया है। इससे जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए भेजा था और उन्होंने मुख्यमंत्री के साथ बाढ़ के असर पर विस्तार से चर्चा की है। नड्डा ने कहा कि हम आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए शाम को समीक्षा बैठक करेंगे। प्रभावित लोगों को तुरंत राहत पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री शर्मा ने हरसंभव कोशिश की है और बड़े पैमाने पर राहत कार्य जारी हैं। उन्होंने कहा कि जहां असम सरकार इस संकट से निपटने के लिए अपने सभी संसाधनों का इस्तेमाल कर रही है, वहीं केंद्र सरकार भी हरसंभव मदद देगी।

रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में कीव व आस-पास के क्षेत्रों में 17 लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार रात भर किए गए रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में 17 लोगों की मौत हो गई तथा 44 अन्य लोग घायल हो गए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार को यह जानकारी दी।

रूस यूक्रेन के खिलाफ बड़े पैमाने पर लगातार बैलिस्टिक मिसाइल हमले कर रहा है। इस साल गर्मियों से ऐसे हमले लगभग नियमित हो गए हैं। यूक्रेन के पास अमेरिका निर्मित पैट्रियट प्रणालियों की मिसाइलों का सीमित भंडार है। उसके पास मौजूद हवाई रक्षा प्रणालियों में केवल पैट्रियट ही बैलिस्टिक मिसाइलों को मार गिराने में सक्षम है। रूस के हमलों में यूक्रेन की इसी कमजोरी का फायदा उठाया जा रहा है। जेलेंस्की ने अन्य देशों से और अधिक अवरोधक मिसाइलें भेजने की अपील की है। ईरान युद्ध के कारण इन मिसाइलों की उपलब्धता और कम हो गई है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि आज मारे गए लोगों की जान बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने वाली प्रणालियां ही बचा सकती थीं। उन्होंने कहा कि हमारे साझेदारों के लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि इनकी आपूर्ति में देरी या बैलिस्टिक मिसाइल रोधी प्रणालियां देने में अनिच्छा का सीधा नतीजा ऐसी भयावह जनहानि और तबाही के रूप में सामने आता है। अमेरिका की अगुवाई वाले शांति प्रयासों में कोई प्रगति होती नहीं दिखने के बीच यूक्रेन ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर बातचीत के लिए दबाव बनाने के उद्देश्य से तेल रिफाइनरियों जैसे प्रमुख रूसी स्थलों पर हमले तेज कर दिए हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिना शर्त युद्धविराम का प्रस्ताव रखा था जिसे यूक्रेन ने स्वीकार कर लिया है लेकिन पुतिन ने इसे मानने से इनकार कर दिया है। यूक्रेन ने कंपनी के माल ढुलाई केंद्रों पर बुधवार को एक और हमला करते हुए मॉस्को के दक्षिण में तुला क्षेत्र स्थित उसके एक गोदाम को ड्रोन से निशाना बनाया।

संक्षेप

10 दिन में राशि एसएनए खातों में हस्तांतरित करें : मुख्य सचिव

पटना। बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने बुधवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई) योजना के तहत केंद्र सरकार से प्राप्त राशि को निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप 10 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से एकल नोडल एजेंसी (एसएनए) अथवा संबंधित बैंक खातों में हस्तांतरित किया जाये। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में आयोजित एसएएससीआई 2026-27 की समीक्षा बैठक में वित्त सचिव संजय कुमार सिंह, वित्त विभाग की सचिव (व्यय) रचना पाटिल तथा विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव और सचिव शामिल हुए। बैठक में एसएएससीआई योजना के विभिन्न भागों के तहत बिहार को आवंटित तथा जारी की गई राशि की विभागवार विस्तृत समीक्षा की गई। भाग-तीन (पूंजीगत व्यय लक्ष्य) तथा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, खनन क्षेत्र और सीबीजी सुधार जैसे सुधार-आधारित अन्य भागों में बिहार के प्रदर्शन को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए सभी विभागीय सचिव स्वयं योजनाओं की नियमित निगरानी करें।

विदेश सचिव मिसरी ने श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व से की मुलाकात

कोलंबो। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने बुधवार को श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने श्रीलंका में भारत के सहयोग से चल रही विकास परियोजनाओं समेत प्रमुख द्विपक्षीय परियोजनाओं की समीक्षा भी की।

मिसरी एक दिवसीय दौरे पर कोलंबो पहुंचे हैं। उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुर कुमार दिसानायक से मुलाकात की। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दोनों पक्षों के बीच वार्ता आपसी हितों से जुड़े मुद्दों और श्रीलंका में भारत के सहयोग से चल रही विकास परियोजनाओं समेत प्रमुख द्विपक्षीय परियोजनाओं की समीक्षा पर केंद्रित रही। इसमें कहा गया, बैठक के बाद, दोनों पक्षों ने भारतीय मूल्य में 35 करोड़ अमेरिकी डॉलर की ऋण सुविधा को लेकर समझौतों का आदान-प्रदान किया।

सड़क हादसों में हर साल 1.8 लाख मौतें

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के लिए चालकों को लेन अनुशासन और यातायात नियमों का वैज्ञानिक प्रशिक्षण देना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि देश में हर साल सड़क हादसों में करीब 1.8 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान पूरक सवालों का जवाब देते हुए गडकरी ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि हर साल हमारे यहां 180,000 लोगों की मौत होती है। उन्होंने कहा कि इन मौतों के पीछे कई कारण हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कारण इंसान का व्यवहार है। हमारे देश में चालकों को अच्छा प्रशिक्षण देने की जरूरत है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि चालकों को लेन अनुशासन और यातायात नियमों का वैज्ञानिक प्रशिक्षण दिया जाना बहुत महत्वपूर्ण है। वह मनोनीत सदस्य सुधा मूर्ति के पूरक प्रश्न का जवाब दे रहे थे। मूर्ति ने कहा था कि देश में अच्छी सड़कें हैं, लेकिन दुर्घटनाएं भी बहुत अधिक हो रही हैं। उन्होंने पूछा था कि क्या सरकार के पास चालकों को लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिए कोई नयी व्यवस्था या योजना है ? राष्ट्रीय राजमार्ग बहुत अच्छे हैं, लेकिन कई बार तेज और लापरवाही से वाहन चलाने वाले चालकों के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। अधिकतर मामलों में चालक अच्छी तरह प्रशिक्षित नहीं होते और संभव है कि उन्होंने गलत तरीकों से लाइसेंस हासिल किए हों। यह साबित करने के लिए कोई रिकॉर्ड या वीडियो नहीं होता कि उन्होंने ड्राइविंग टेस्ट कैसे पास किया। कई मामलों में नाबालिग चालक भी बिना परिणाम समझे वाहन चलाते हैं। मूर्ति ने सरकार से ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को और सख्त तथा पारदर्शी बनाने की मांग की।

सरकार ने भंडारण-आधारित ई-कॉमर्स निर्यात के लिए प्रक्रिया अधिसूचित की

नयी दिल्ली। सरकार ने ऑनलाइन कंपनियों के लिए भंडारण आधारित सीमा पार ई-कॉमर्स निर्यात संबंधी नियम अधिसूचित कर दिए हैं। अधिसूचना के अनुसार, नए नियमों के तहत ऐसी कंपनियां सिर्फ पक्के निर्यात ऑर्डर के आधार पर ही सामान खरीद सकेंगी और निर्यात के लिए अनुमान के आधार पर अग्रिम भंडारण की अनुमति नहीं होगी।

सरकार ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) वाली ई-कॉमर्स कंपनियों को केवल निर्यात के उद्देश्य से भंडारण रखने की अनुमति 23 जुलाई को दी थी। इस व्यवस्था के तहत केवल भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं का ही निर्यात किया जा सकेगा। निर्णय के क्रियान्वयन के लिए विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना जारी करते हुए कहा है कि विदेशी निवेश वाली ई-कॉमर्स कंपनियों को ऑनलाइन माध्यम से केवल निर्यात के लिए माल का भंडारण करने के मकसद से सरकार के साथ एक्सपोर्टर-ऑन-रिकॉर्ड (ईओआर) के रूप में पंजीकरण कराना होगा। अधिसूचना के अनुसार, पात्र ई-कॉमर्स कंपनियां पंजीकृत ईओआर के माध्यम से केवल निर्यात के लिए भंडारण आधारित परिचालन कर सकेंगी। ईओआर पुष्टि किए गए विदेशी ऑर्डर के आधार पर भारतीय सेलर-ऑन-रिकॉर्ड (एसओआर) से भारत में निर्मित वस्तुओं की खरीद कर सकेंगे। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि पंजीकृत ईओआर के माध्यम से भारतीय विक्रेता विदेशी बाजारों तक पहुंच बना सकेंगे, जबकि निर्यात दस्तावेज, सीमा शुल्क औपचारिकताएं, गंतव्य देश के नियामकीय अनुपालन, उत्पाद परीक्षण एवं प्रमाणन, पैकेजिंग, लेबल, आपूर्ति, लॉजिस्टिक और रिवर्स लॉजिस्टिक जैसी जिम्मेदारियां ईओआर निभाएगा। अधिसूचना के अनुसार, ईओआर वह इकाई होगी जिसके पास वैध आयात-निर्यात कोड (आईईसी) और माल एवं सेवा कर पहचान संख्या (जीएसटीआईएन) होगी तथा जो डीजीएफटी के साथ इस ढांचे के तहत पंजीकृत होगी। वह निर्यात के उद्देश्य से एक या अधिक भारतीय विक्रेताओं से सामान खरीद सकेगी।

टीवीके सरकार के पहला बजट में महिलाओं के लिए 1300 करोड़ का प्रावधान

चेन्नई। तमिलनाडु के वित्त मंत्री एन. मैरी विल्सन ने बुधवार को विधानसभा में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार का पहला बजट पेश किया और मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की कई पहल की सराहना की।

उन्होंने कहा कि सरकार ने कुछ दलों और व्यक्तियों को निविदाओं में मिलने वाले कट (कमीशन) की प्रथा समाप्त कर दी है। सरकार ने टीवीके के प्रमुख चुनावी वादों में शामिल दो स्वर्ण सहायता योजनाओं के लिए 1,300 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया है। साथ ही, राज्य को वित्तीय संकट से बाहर निकालने के लिए कई कदम उठाने का दावा किया। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) को समाप्त करने की मांग दोहराते हुए विल्सन ने केंद्र सरकार से 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर प्रवेश की पुरानी व्यवस्था बहाल करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि महिला लाभार्थियों के लिए सोने के सिक्के एवं रेशमी साड़ी योजना के तहत 812 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत विवाह के समय दुल्हनों को आठ ग्राम सोना और एक रेशमी साड़ी दी जाएगी। सरकार ने सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं के लिए स्वर्ण अंगूठी योजना के लिए 560 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। यह विजय के नेतृत्व वाली टीवीके का एक चुनावी वादा था। वहीं, वेट्री मडिकनिनी थिट्टम के तहत कॉलेज के छात्रों को लैपटॉप देने की योजना के लिए 2,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि हज समिति के माध्यम से पहली बार हज यात्रा पर जाने वाले लोगों के लिए सब्सिडी 25,000 रुपये से बढ़ाकर 35,000 रुपये की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य को वित्तीय संकट से बाहर निकालने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं।

इंटरटेनमेंट...

उदयनिधि स्टालिन पर भड़कीं कंगना

मुंबई। अभिनेत्री और बीजेपी सांसद कंगना रनोट ने तमिलनाडु के नेता उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ हुई पुलिस कार्रवाई का समर्थन किया है। उदयनिधि पर एक रैली के दौरान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय और अभिनेत्री तृषा कृष्णन को लेकर अमर्यादित टिप्पणी करने के आरोप लगे थे। इसके बाद चेन्नई पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। कंगना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा कि किसी भी सभ्य समाज में अश्लील और अभद्र चुटकुले बर्दाश्त नहीं किए जा सकते। उदयनिधि की गिरफ्तारी को उन्होंने एक अच्छी नजीर बताया है। भले ही जमानत मिल गई हो, पर कार्रवाई जरूरी थी कंगना रनोट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि सार्वजनिक मंचों से गंदी गालियां देना और गंदे डबल मीनिंग चुटकुले बनाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। स्टालिन को इस अपराध के लिए जेल भेजा गया। वे भले ही अब तक जमानत पर बाहर आ गए हों, लेकिन यह एक बहुत अच्छी नजीर है। कंगना से पहले बीजेपी नेता खुशबू सुंदर ने भी उदयनिधि के बयान की निंदा करते हुए उनसे तृषा से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की थी। चिन्मयी राजनीति में महिलाओं को घसीटना बंद करें गायक चिन्मयी श्रीपदा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट शेयर कर नेताओं की सोच पर सवाल उठाए।

> अश्लील और भद्दे चुटकुले बर्दाश्त नहीं, तृषा पर की थी अभद्र टिप्पणी

उन्होंने लिखा कि अगर राजनीति में शामिल पुरुष अपनी योजनाओं में उन महिलाओं को घसीटना बंद कर दें जिनका इनसे कोई लेना-देना नहीं है, तो यह बहुत बेहतर होगा। चिन्मयी ने आगे कहा कि शुरूआत में वे उदयनिधि की बात का मतलब नहीं समझ पाई थीं। बाद में जब किसी ने इसका अर्थ समझाया तो पता चला कि यह महिलाओं को निशाना बनाने वाली अभद्र भाषा थी। उन्होंने कहा कि युवा नेताओं से बेहतर व्यवहार की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने निराश किया। खुशबू सुंदर ने यह घटिया राजनीति अभिनेत्री और बीजेपी नेता खुशबू सुंदर ने भी उदयनिधि स्टालिन के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

महाभारत में अश्वत्थामा बने प्रदीप रावत का अंतिम संस्कार

मुंबई। प्रदीप रावत का जन्म 21 जनवरी 1952 को जबलपुर में हुआ था। उनका मंगलवार को मुंबई में निधन हुआ। एक्टर प्रदीप रावत का अंतिम संस्कार आज मुंबई की बेस्ट कॉलोनी के पास गोरेगांव (पश्चिम) में किया जा रहा है।

अंतिम संस्कार की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। लगान और गजनी समेत कई फिल्मों में नजर आने वाले प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में मंगलवार शाम को निधन हो गया। इसी बीच आमिर खान और रजा मुराद समेत कई सेलेब्स प्रदीप रावत के अंतिम संस्कार में शामिल होने पहुंचे।

प्रदीप रावत के अंतिम संस्कार के लिए फूलों से सजी अंतिम यात्रा की गाड़ी पहुंची। अंतिम संस्कार के दौरान प्रदीप रावत के बेटे विक्रमादित्य भावुक नजर आए। आमिर खान अपने को एक्टर प्रदीप रावत के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। सलमान खान ने प्रदीप के साथ पुरानी फोटो शेयर कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

> 'गजनी' जैसी कई फिल्मों में दिखे थे; सलमान ने दुख जताया, आमिर खान श्रद्धांजलि देने पहुंचे

बेटी के साथ एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए अभिषेक-ऐश्वर्या

मुंबई। हाल ही में छुट्टियां बिताकर लौटे अभिषेक बच्चन, ऐश्वर्या राय बच्चन और उनकी बेटी आराध्या बच्चन मंगलवार को एयरपोर्ट पर स्पॉट हुए। इस दौरान ऐश्वर्या और आराध्या ब्लैक आउटफिट में ट्विनिंग करती नजर आईं। आराध्या ने लेदर जैकेट पहनी थी, जबकि ऐश्वर्या ब्लैक वेलवेट ओवरकोट और जींस में दिखीं। अभिषेक बैगी डेनिम और जैकेट में नजर आए। एयरपोर्ट पर परिवार के बर्ताव ने भी लोगों का ध्यान खींचा। अभिषेक ने उन्हें लेने आए सिक्योरिटी कर्मियों का अभिवादन किया, जबकि आराध्या ने फोटोग्राफरों को नमस्ते कहा। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने उनके इस व्यवहार की तारीफ की।

सलमान खान ने सोहेल को दी आगे बढ़ने की सलाह

मुंबई। एक्टर सलमान खान ने हाल ही में अपने छोटे भाई सोहेल खान को उनके तलाक के बाद आगे बढ़ने और किसी को डेट करने की सलाह दी। हाल ही में सलमान खान शो अलायंस के नए एपिसोड में पहुंचे थे, जिसमें सोहेल बतौर कंटेस्टेंट भाग ले रहे हैं। बातचीत के दौरान सलमान ने सोहेल और सीमा सजदेह की शादी का जिक्र करते हुए कहा कि हर रिश्ते में मुश्किल दौर और झगड़े आते हैं। उन्होंने कहा, तुम खुद पर कुछ दोष ले रहे हो। मैं समझता हूं कि तुम यह नहीं कहोगे कि यह आपसी फैसला था। मैंने सीमा के कुछ इंटरव्यू देखे, जिनमें उन्होंने कहा कि रिश्ता टॉक्सिक था और झगड़े होते थे।' उन्होंने आगे कहा, 'हर कपल के बीच झगड़े होते हैं। यह आपके ऊपर है कि रिश्ते में बने रहना है या अलग होना है। एक भाई होने के नाते मैं जानता हूं कि तुमने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की और उसने भी की, लेकिन उस समय हालात तुम्हारे पक्ष में नहीं थे। सलमान खान सबसे बड़े भाई हैं और सोहेल खान उनके सबसे छोटे भाई हैं। दोनों सलीम खान के बेटे हैं। सलमान ने सोहेल को नई शुरूआत करने की सलाह देते हुए कहा, किसी को डेट करना शुरू करो। आगे बढ़ो। तुम जानते हो न कि हमारा दिमाग हमारे साथ कैसे खेल खेलता है ? दिमाग की यही आदत है। चाहे जिंदगी की बाकी सारी चीजें कितनी भी अच्छी चल रही हों, लेकिन अगर एक भी ऐसी बात हो जो तुम्हें परेशान कर रही हो, तो तुम बाकी की 99.9% अच्छी चीजों को भूल जाते हो।

उन्होंने आगे कहा कि फिर पूरा ध्यान उसी एक नेगेटिव बात पर टिक जाता है। तुम सोचते रहते हो, 'यार, ये चीज मेरे हित में नहीं है। ये नेगेटिव है। ये मुझे परेशान कर रही है और फिर तुम्हारा दिमाग बार-बार उसी एक बात पर जाता है, उसी के बारे में सोचता रहता है। पिछले कुछ हफ्तों से परिवार को मिस कर रहे सोहेल की सलमान ने अपने फोन से बेटे निर्वाण से वीडियो कॉल पर बात कराई। बेटे से बात कर सोहेल इमोशनल और खुश हो गए। सोहेल और सीमा की पहली मुलाकात चंकी पांडे की सगाई की पार्टी में हुई थी। सोहेल पहली नजर में ही सीमा को दिल दे बैठे।

> किसी को डेट करना शुरू करो, बेटे से कराई वीडियो कॉल में बात

Viraj

आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com